

## COLLECTION OF BENGALI PETITIONS, &c.,

MADE UNDER THE ORDERS OF THE

#### GOVERNMENT OF INDIA,

FOR

HER MAJESTY'S CIVIL SERVICE COMMISSIONERS.



प्राप्ता प्रवेशम सरम

CALCUTTA:

OFFICE OF SUPERINTENDENT OF GOVERNMENT PRINTING. 1869.

## न् >

मश्मरिम बीयुङ जिला २८ श्रे माहित्छेरे माद्द्र रहादत्ध्

দ্রখান্ত বিষ্টুপুর রোভের ক্ট্রীক छात् छ। इतिनाथ छात्वेव निलम्न अहे य डेअ खाळव भाका त्यवागठवं ३४-৩০ ৬৬ সালের কর্মের মালমসলা আ भउ २० ज़ुलाहे जावित्थव मक्षा वाखा अख उ कदिया अप्राप्त आप्तम उना निका মেয়াদ ভাল্ড প্রতিদিবস ৫ টাকাব হিসা त जित्रामा इउग्रे आत्मास रुक्त र्टेट भन् उरामा अएट र्ट्याक्। भमा বভার অপ্রকাশ নতে বিষ্টু পুরের বা ভাব নিমিও যেসকল ইট প্রভত হই याछिल जामनद्य वशाद नग्रय हिस्सी र्उयाय ये द्रिकेत् जला रेपे भाता या अश्राय आ द्वासीन जान १२ द्वान रहेव

ল মমালা আঞ্জাম করিলে এখনারক ন্ট্রাকটের নিশিত টাকা আয়াকে দে ওনপঞ্চে এবং ইট মারা ঘাওয়ার দং মেয়াদ রঙ্গি অর্মাত লেপটেয়র মা হাতক দিতে আজ্ঞা হয়। খ্রায়ত মা লেক লিবেদন ইতি সন ১৮৬৫। ৮ জ্লাই প্রমা

क्रम मा मधुर्ग मादक क्रम करा मान क्रम माठ छ्थल कर्म करा मान अ-अट मान २० ज्लाहि न्१२

ধর্মাবতার গ্রবলপ্রতাপেশ্র আজানুব বা মোং লক্ষী প্রদের গুজ্র থাটের ইজারদার শ্রীরামচন্দ্র থোক্ষে নিরাদন এই যে তাধিন উজ থাট শত ২০ দীসমূর ভারিনে ১৩ ৫০টাকায় ডা কিহাছিল জাহাতে ঐ থাটের যাত

নেব বাস্তা মেবামত হওযায় পাতি ও বলদ ইত্যাদি যাতা আজৰ বসহাত इश्यायं नदः त्याः कमात्यायात् छशु ही क्रिकिशोरी डिङ स्वान स्ट्रेट ज के श्रात श्री उ रुअशाब - १वर् धमू मा निमेत् जल नकल मन्या मा भाषा य लाक जन छान पिया द्या हैया भा र रहेगा याय जाशास्त्र भान सर्कात्ते পক্ষে অনেক ব্যাহাত হওয়া ওকি ঞিৎ কমি বন্দোবস্ত নাহইলে অধীন কোন মতে উক্ত ১৩৫০ টাকা মর্ব ताइ कविष्ठ भारत्मा देखभामे विष রনে হজুরে দফায় দফায় আর্জীর षाता निविषि इहेल गर ३३ क्वरब न जारित्य अशेलर् नात्य अहे आ দেশে পর্ওয়ানা প্রচার হয় যে অধিন र्क़ुत् श्कीतं इहता मुनामर्क एकुम

হইবেক। অধীন উজ গাটের ডিপা জিটেব ৩৩৭))৷ টাকার মধেঠ ৩০০-টাকা আমানত করিয়াছে বাকী পা টাকা এক হস্তাব মহ্য দাখিল কবি त्वक अवः अधीन अम् १८।२० मिनम পমান্ত হজুবে হাজিব আছে ভাহান असीत्रव डेंड शाहित वत्नावलव কোন প্রুম হ্যুনাই। এমতে প্রার্থ व्य ने शास्त्र किशि कभी वत्सावक करिया मिल जाका रूय। जात् -शास्त्रे दे जानुसादि ना अपि अपि ক্মবেস ১৫০ টাকা লোকসান হই য়াছে ধর্মাবতাব আমি গবিব মনুথ लाकमाल्य माय माना याहै। र्कुत সুলোচর কার্ন নিবেদন কবিলাম প্রীয়ুত মালিক নিবেদ্ন। ইতি সন ১৮ ७) माल >> प्रार्ध

## 16/2

মগ্মহিম জেলা নদিয়ার ভ্রীয়ুগু মেজফুর সাত্রের বরাবর্ডু

দ্ৰুপান্ত গ্ৰীসবৰ্ষতক্ৰ গ্ৰাদ্যৰ ও শ্ৰী कमराज्य ५३ शांका भाषात् दोलवाद्य ইজাব্দার নিরেদন এই যে উজ টোলবা तर राष्ट्रा डाउंदेश गांडि देंडगिर श ইত্তরে: এমতে গ্রাম্না এক কেতা প लाशना अल्व इय एक भाष्ट्री देउभि जे कोल डंग्डाहेड़ः शहरड ना शाख जारा रहेल भक्ता जामाय करिल शावि मटाउ जक कालीय आक्रमा इंडे दक ना निद्यम्न है जि अन ३२ १२ अल ३ के खन

> প্রাকেশবদন্দ দঙ্গ খাঁজা গোদার টোলবারের ইঞ্জাবদাব

মহামহিম প্রীযুক্ত মাজিপ্রেট সাহেব জেলা যশোর বর্ণবর্কে

प्रथा श्रीनक्षे प्राप्ता मारिन छत्रिया, श्रे नसि

নিবেদন এই পর্গনা মজকুরের অন্ত गेठा उर्क शामनार प्राज्ञानक म्र ल हक मारा उ जानक हक माराव ला তি জনা মহেশচন্দ্র বদুও পিতাম্বর মে न नीलाम भविषा भाजिलमा छेउ लमा त डेच्हा उलाएक ऋद्वरान उ प्रशिलका য় আছেন। পীতাম্ব লেনের অংশ এ कत्वत् त्मत्भव् भात्म क्या-कव्या लरे য়া উভয়ে দুখলীকার আছি। ঐ জ্ঞা র মোতালকের রোবা জনিতে আম वा निक्क ও क्लाञ्माख्य कावा द्वावा ধান প্রস্তুত কবিয়া ঐ ধান দপ্ত इंदेशाई। ठाठाळ जामामिलान जा

নি মথালেপ সর্সুনা সাকিনের জোন कंध्रेव जानी अनकां जानी अन्या र जाली ७ कामानमी ७ जार्कान है सा उ मर्द्यकामी उ जाकाकामी काकि म कप्तर्मी প্রভৃতি আন্দাজ ২০।২৫ জ न এक জোট वर्भ इहेशा जान महि उ नाठी मिर्ड र्फ्ट्राक्ड क्रिएड এবং সহরুত করিতেতে যে আমাদি गत्क भारेत्व मात् श्री उभून जभम-कवित्वक अ जामािम्लाव ने देशावि र्कमल जन्तात किया नहेत्वका जा श्रास्त्र आभवा कि आभामिलाव का उमानान के उधानि धंमल कांगेड আশক্ষয় যাইতে পার্না।তাহাতে আ মাদিগের সমূহ হানি হওয়ার সম্ভব হ ই্য়াছে৷ একাব্ন প্রাথিত পুলিস আছ লাব নামে এক কেতা পরোয়ানা প্রচা র হয়, য়ে জমায়ঙ বন্তী লাতিয়াল এ ভার করিয়া ওজুরে চালান করেন এবং আমার নিকট প্রমান প্রহ্রের আসামীগলের র্ফেয়াল জামীন ও মুচলাকা লওয়ার পঞ্চে বিহিত্ত আদেশ প্রকাশ হয়। ইতি সন ১২ ৭৬ সাল ৪ বৈশাখ

ষ্টেসন গাদ থালী অদ্য তারিথ ১ র্ফেব্রুয়ারি সন ১৮ ৬৬। মোং ২৮ মাঘ সম ১২,৭২ সাল

नः ८

মহিমার্শবেষ্ঠ

'मिलिएन मारुकीता निरामी तातू श्रा न नाम ताम क्षिम्तीत उत्कं श्रीता प्रकामी पिशन श्राह्मत नात्मत त्यू

स्मि मूट्याभाष्ण्य रापित् अज्ञञ् বি ভস> বাসা বাটা দোসুভিনার याम्य प्रत्य राष्ट्री के र्क्क द्वरावि বাবে ডাকাতি হইয়া উহাব নিজৈ র ও যাদবের বহুত্র মালামাল লুটি যাওয়া মোকদ্মা তদ্তে গ্ कूद ३ अधि इनस्मक् रेत् भाक रक अखना कर्मेखर् रउना रहे श माद क्रमील अप्छिल त्युमि बक्कुर उमा जूठे याख्या ४२५० जा मा जिंका बालिव अलिका माश्रिल क्रमाल याम्य प्रत् य अल হার লওয়া দেল ভাহাতে ৯ র্ফেক্র য়াবি তাবিথে বাতি ১০ প্রহরেব সম য় হলৈ ৩০।৪০ জন্য অভ্ৰমারী তা কাইত লোক উহাব বাটীব প্র প िया डेशिं एक आया मनापि करि

मा भूभक् कंटर्म् लिथिड उम्र निक र ७०% এक जाना छाका मूर्लार मालाभाज नुठे कित्रां लउरा ६ अक धामक विभाग हला कितान गाउँक ও অবশ্র, রামগতি দে ও মানিক ও নকিম ও আনন্দ ও উমেশ ও दिकुरेक कमा जिन्न अक विनित्त मा भारा ७ अवर्ष कमा आमामीमतन अठि जात उ जाश्यम् भाग उना मीव आर्थना ७ आव्र मालव मना न शाइ एक पारिएत् इइ रव, इंड्राफ् প্রকাশ হওনান্তে লুঠের আনামত দৃষ্ট ও ঘটারাম প্রভৃতির মোকার लाय उप मून्ड श्ला ७ अकुन् श्वात् नक्षा क्वं वामीष्वयव भा নিত অকুব্ জাত থাকাব্ সাক্ষী সমুচক্র চঞ্চরী ও কানাই সেম-

लियामा ७ प्तरी त्याश ७ श्रकीता म पि पिशव दावा अकुत अठाला जगनिया त्युचाने प्रत्याश्रयपाद्यं लि भिया प्रथम ज्ञालकानिका उ याप বেব এজাহার ও মালতালিকার र्कर्म ७ जामाद्राव्य मुन्ठ शल ७ ও অকুর নক্সা ও জমীর চৌকী माख्व अद्धराव मर लाह्यार्थ मि বেদিলাম। ত্যাব নাম প্রকাসিত আসামীগনেৰ বীতিমত মানা ত लामो कित्रिं अवृत रुख्या लिल পশ্চাৎ যেমভ প্রকাশ পাওয়া যায় निर्विषिव। निर्विष्म देखि मन ३৮७७ ১০ কেব্ৰুয়াবা মোভাবেক সন ১২৭২ ২৯ মাশ। शुः भरे त्याकम्याय त्यां ठ >>> ४४ ठाकात् माल नुवेशियादक्।

### নংগ্ৰ

#### क्यालामा

বাদী গোপাল মন্তলেব নালিসী আ মান নামীয় বাস্তা বন্দ ক্রা বাবত আক্দ্মা প্রকাইতের নাম সম্মলিত দ্ব প্রাস্ত

মহাহাহিম মহস্মা বসীষ্হাটের আয়ুত্ত বারু ভেপুটী মাজিভ্রেটি— বায় বাহাদুর ব্যাবর্ড

দর্থান্ত জ্রীজালীমামুদ মন্ত ল সাংগুন বাড়াপুর থানা কলিঙ্গা নিবেদন নিজ সাকীনের গোপাল

मल्ला रामी कामात् नात्म माथात् নেৰ ব্যস্তা বন্দ কৰা বাৰত যে মি भंभ ध्याकष्मभा श्रुद्ध पायवं क विशासक जाकाव जामल व्रशास अहे ল আমি ওনবাড়া পুরের নেবা বেওয়ার নামেরাজ জমির মধেস वि ३ घा प्रक्र क्रं ७ प्रवार का হিকবেৰ বাটাৰ পশ্চিম আন্দাজ ॥४,५० काला क्यी द्वार मज़कू द्व निकरे जामं ०। ८ वर भन् इ इंड आड़े। क्रिया क्षेत्रा ये वाषीत भूवर्व फें उत् पिया नाश्वात्वात् लग মনুধ্ গমনাগমনের রাস্তা হাব বা টী প্রস্তুত করত রাজন্ব আদায় ক বত বনবাদ কবিয়া আমিজেছি ভাহাতে কেহ কথন কোন আ পর করে নাই। তবে আমাব মু

নিব বেওয়া মজনবের সহিত বাদী মজদবেব মনিব চাঁদ মন্তলেব স হিত জন্ম জনি লইম্ ননাজৰ হ ওয়ায় তদালেশেলে আমি বেওয়া ম জঙ্গবেৰ প্ৰজা বিধায় বাদী মজ अद जाभाक कानक्रा छे छ টা হইতে নৈবাশ কর্ম মানলে नाना विष जाउभाग्नत् साकस्या उनिष्ठ करियाक। आधि वाँ व क्रिंड वाका वक्ष क्रिंगिंह ज তএব ছানি নাম সম্বলিত বিদ্য বের প্রামনায় দ্রন্মান্ত দামিল ক বিলাম, ধর্মাবতার মালিক নিবেদ न इंडि ३५७७) २० कुलाई

পঞ্চাইতের নাম জীওকি না গোন্দকার সাং মূলতান পূর্
নাজক মন্তল
সাং ইতিগনতি
হবিক মন্তল
বাপোর মন্তল
২ সাং গুনবাডাপুর
ল্কুম

মাতে বিতরি গ্রামে কেং ভদ্রনাক সাতে তাহা এ পশ্ধ তাবগত নহে ন মতে থকুম কলিপার দাবোর জি নেখা যায় যে ল বিতার ও গোবিদ পূর গ্রামে ভদ্র এবং ধার্মিক অপ শ্ব গাতি লোক কে আছে তাহা দিগের ৩।৪ জনার নাম নিখিয়া পাঠায় ইতি তাং সন ১৮ ৬৩ সাল ২০ জুলাই।

# ञामाजी श्मीर्फ मध मार् माज्यां उत्रं मिष्मश्र् নেথ কাদীর मार के के के छाम जासा তালুক সেত্ম কালমদী সেথ मार् वालवा भी সেথ জ্যাদাব নাৎ মাজ্বাট ও নিকেশ্বব ७ जना मार्की নেক দানেশত সেক মলিবউদীন

নেক দানেশত সেক মালর্ডদানত কালু সেথাত সাং মাজরাট ওঃ সেথা মগলত সিদ্দেশ্ব ৪ জুনা

## থক্ম

তালাব গ্রহাজীর। গ্রুম। দি বেস্তার থাকে। ইতি সন ১৮৬৫ সাল তারিথা ৫ জুলাই

## नर् १

মহামহিম শ্রীযুক জেলা ২৪ পর্গনার মাজিফেট সাহের ব্রাবরেড

দৰ্থান্ত

भागा आही शृद्धत् अलाका का लिया श्रद्धाना निकिन्ती श्रूत् आ कित्मत् श्रीमाश्राम् श्राप्त् ही भाग नित्मान श्रेष्ट् य माख्या श्रद्धानात् वामश्रुत् माकित्मत् श्रीदेवकुने नाभ माज्य नाद्मा हेडि श्रुद्धदं हेड मोग मांश

ব্ আমাব বসভ মৌকসী वलिया आजगाइ इंडिंगि कारी তে উদাত হওয়ায় আমি তিছি ষয়ের পুজুরে নালিস করায় उरामिलांव किकियां उलव হওয়ায় সেই আগ্রেজে আসা মী বৈকুল দানের প্রুমে গত ३৮ आश्राष्ट (वला जानमाज श 8 श्लांत् मञ्च मीटात् निश्चिष আসামিয়ান তপসীলেব লিখি ত মালামাল লুঠ তকাজ কবি যা লইয়া গিয়াছে, অভএব প্রা र्थना य नित्स्त लिभिन जामामी সাক্ষী তলব কবিমা বিচাব ক বিতে আজ্ঞা হয় নিবেদন। ইতি সন ১২ ৭২ সাল তাবিশ্ম ২২ आभाष

ভাসেমি
ত্রাসামী
সাজী সাং
ত্রাসামী
ত্রাসামী
সাজী
সাং
ত্রাসামী
ক্রানাম দাস
ক্রানাম দাস
ক্রানাম দাস
ক্রানাম পুর দি মান্তরা
ক্রানাম পুর দি মান্তরা
ক্রানাম প্র দাস
ক্রানাম দাস
ক্রানাম প্র দাস
ক্রানাম দাস
ক্রানাম প্র দাস
ক্রানাম দাস
ক্রানা

সপদীল জিনিস ভপদীল

সীভনেব মুটাইটা কাঁমাব পেলাস ইটা
কাঁসাব মাল স্থানা পাথব ইটা
গাঁডলেব কল্মীইটা পাখাব শাঁটী ইটা
কাঁসাব মাটী ইটা কোদাল ইটা
কাঁসাব মাটী ইটা নাবল ইটা
কাঁসাব মাটী ইটা নাবল ইটা
কাঁসাব মাটী ইটা নাবল ইটা
কালাব গ্ৰহী ইটা নাবল ইটা
কালাব মান হাজীব। প্ৰকুম। সিবেগ্ৰায়

থাকে মন ১৮৬৫। প্ৰজুলাই

#### न१ ५

মহামহিম শ্রীয়ুত জেলা ২৪ পী: মাজিট্রেট সাহেব ব্রাবরেঞ্

प्रथाख भागा आछी भूरव्य এলাকা মান্তবা পী: মাজবাট ওঃ সিপেশ্র সাকিনের জ্রীপ্রএদ সেক आयात् मिल्रम्न अंदे हा शङ জৈগঠ মাহার এক রোজ বাকি মা केरा जामधी हाँ प्राप्ता ७ छ। এক সেক আমার নিকট হুইতে जन अपिटितक विलिया कार् जीका লইয়া এ প্যান্ত বিভ্যুতে থাটিয়া तर्म नार्टे जाहार आधि एकावड ाम फाकाटा ब्लाक मिमि विलिया ं उ॰ गिलीन बारा ना प्रथम् य एं) প্রান্তে আসামীয়ানের বাটীতে

যাইয়া অদঃ জন দিতে হইবেক ব लाग्र पुष्टे अक कथात्र वन्ना कविया ভাসামীয়ান রাগান্তিত পুর্বক আ मामा शिवर्क माध्यक् ध्कुटम नित्यक নিথিত আসামীয়ান আমাকে পাশ ंड कविया कील, इंड, लाशी जारि बाता भाव शिष्टे कविशास्त्र अवर আসামী চাঁদ মোলা আমাব পা ছায় একটা বাঁশেব লাগীব দাবা মারিয়া দাগ জ্ঞম কবিয়াছে। অত এব প্রার্থমা যে আসামী ও সাঞ্জী उलव कविशा विष्ठाव आद्धा रूश् ইতি সন ১৮৬৫ মাল ভাবিথা ८ जुलाई

নং৯

মহামহিন শ্রীমুক্ত জেলা ২৪
পর্গনার মাজিস্টেট সাহেব
ব্রাবরেড দি

**म्बश्रा**ख

ত্রীব্যক্ত ধড় সাং মিদির পূর্ব পদ পুকুর আমার নিবেদ্ন এই যে আমি দাকিন মজকুরের জ্ঞানী न ठक ब्रुट्याभाष्श्रम मिशद्द्र नाष भाव निषे इउगापि वाबुद्ध नक ও আমাৰ উপশ্রী লালা বেও য়াকে মার্পীট পূব্বক প্রথমত কয়েদ, গরে ভাহাকে ওম করা वातूमी षिञीय अक मालीम क्वा य डेड्य त्माकप्तमा भूनिम उप्ड काद्रम भागा भिष्टित भुख्त् मूभ दिगेंगा नाद्दि निक्रें क्रांब

भ ३৮।३२ मिन शद् शद्ग्याना याउँ याय जिन रातुन्। य जमामाल व श्वला क्वाय अञ्क द्रिशिलेश करिया जमामान जाश्र किछ्मान তদন্ত করেন নাই। অতএব দ্রুথা ও করিয়া প্রামিত মে হুজুর হইতে এক কেতা তাকিদ পরোয়ানা যায় य मुभावेलिके माद्द स्रम् जामा व अ स्माक्षममा महात् उप्र क বিয়া ধুজুবে প্রার্থনা করেন জীয়ুত मालिक निद्यम्न इंडि मन ३৮७৫-সাল তারিঝ ২৩ নবেম্ব

গ্র হাজির হকুম নেরেন্ডায় পাকে – সন ১৮ ৬৫ নাল তাদিখ ২ নবেশ্বর

মহামহিম মোখু মহের পুরের প্রীয়ুত্ত এসিইটান্ট মাজিকেট দিছি বরাবরেণ্ড रामी প্রীকেলাসচক্র বিশ্বাস माकित भारता भारा उच्चे প্রতিবাদী ইশানচক্র চটোপাধ্যয बार भनाभी भाषा लाकुल भारफ त्याः शाह पाडा थाना छड्डे

মোকদ্মা জোবের সহিত সিমু কের চাবি ও তহবিল ও কাগজত কাড়িয়া লওয়া ইত্যাদি

विवयने अंदे वा भाष्माण आवा মন্দাকিনা দাসগৰ ভেজাৰতেব কর্ম কবিয়া তাাসিতে থাকায় তিদিধ্য নিকাশ লইবাব জা প্রতিবাদী ঈশানচক্র চট্টোপা ধ্যায়কে নিয়ুজ কবিলে তাহা ব মোকাবিলায় নিকাসী কাগ ज ७ नगम उर्श्वेल द्रक किर তে থাকা সময় গত ১৪ ভাদ তাবিথে বাত্রি 🤊 হুয় দছের সময ঈশান আসামী তেজাবত काववादव ननम उ भानभित् काशक ७ प्रलिला ७ नेशप २२०

अ पुरे मा उद्देश मिला मा **ভে ভিন আনা যাহা মান্ত্ৰত ছি** ল তাহা চাহিবায় প্রদিবস মু নিবৈৰ জাকাবিলায় দেওয়াৰ প্রভাবে উভয় আসামীতে নিন্দু क्व गवि उ उ इ विल उ कं। गढ़ांड काछिया लहेया लालावाहीत जिल्ल কে বামিয়া উজ গোকুল পাঁড়ে আসামীর হন্তে চারি বৃত্মিল। ঐ বাতে প্রতিবাদী হয় একযোগ হ र्श आभारक वक्षना कविया जा भार के नगम उद्दिल ७ मिलला ও কাগজাত স্থানত্ব কব্ত প্রতা বনা ভাবা মুনিবের বিষয় প্রমা स क्र्रे जन> श्रुदियम खलाँ > প্রহর্ সময় চুবি যাওয়া প্রকাস কৰিয়াছে, এমতে নালিস করিয়া श्रार्थना आज्ञान मिक्छे श्रज्ञानीपि लहेशा आजाजीशनक उठिड जा छि पिशा नशम उहारील ७ काशका ७ पिलाउ प्रसाहेट्ड आङ्का ह्य निद्यमन जन २२ १७ माल २० आज

नाक्री

काकाती श्रुक्त ।

भार विक्रम् नशृद्

मानीम भार भार भार भार भार भार मान ।

थाना टिट्र हे

মহামহিম জেলা নদীয়ার প্রীমৃক মাজিস্টেট দাহেব ব্রাবরেড়

বাদী সান্ধনী
প্রতাপচন্দ্র রায় প্রীদুর্গাপ্রসাদচট্টোপাখ্যা
মাণ গোও্যাটী প্রীনদকুমারবদেসপাখ্যা
মানা কোত্যালী শীভুবনমোহন রায়
প্রতিবাদী কালিদাস জোম
প্রীপ্রসাদিনরায় কৃষ্ণ পাল কবিবারী
প্রশিক্ষান্তন্তায় হারাধন বেহারা
মোণ গোও যাঁটী কেনারাম বেহারা

হরিশ বেহারা সাং মোণ গোয়াড়ি

বিব্বন এই যে মোং গোয়াড়ী আমা ৰ বসত্তবাটীৰ ও রাজ্যৰ দক্ষিন ও ভিনক্ডা বেওয়াব বাটীব পশ্চিম কা नोठाक्य वाणीय भूयं नियाकानीय वारीव উउव माला अंडे काइमीब म ধ্যে ১৮ কাঠা জুমী সমেত সবাশু গ্ৰ ব সম ১২ ৬৭ সালেব ১৭ আম্মিন তা বিশে মানিক বেওয়ার নিকট তাহার জমাই স্বস্থ ৪০ টাকামূলে বেজেফ রি ভুক্ত করায় আমি তাসেদ ক विया भातक जभीनाद्वर भवकात् আঁমাৰ নামে জাবি কবিয়া বাজ শ্ব আদায় পূব্বক উপশ্বপ্ন গো গ পূর্বক দুখলীকার আঁছি আমি

অএ মোকামে না মাকায় প্রতি বাদী গন আমাব অক্সাভ্ত বুল अकाम शृववक गड २৮ मार्फ তাবিথে বহুতব বাজ মজুব্জ हे कविया आभात ने भविमा जबाई वाँगेव मिक्कनार्भ जा माज अर्भ काला जभी मामङ আমার হ্স রোপিত কাঁটাল গাছ ও কলা গাছ সমেত উজ निक्र कालीच वाँगीच मामिल शा কা প্রাচীব দাবা যিবিয়া লইভ সর্হ কর্মম অগমি সংবাদ মত তাদ বাসায় প্রভূছিয়া প্রতিবা मी दश क ना ना अकात वलाश जारावा ना मुनिया जाउँवम र्हे या विवाम कविद्ध उप्रेंच इहेगा क्। आत्रात् भक्ष इट्टेंक बाजाव

म इंदेल माखिल्ल्य मन्त्रम महा वना। भाष्ठ प्रथाउं करिया भा विंउ य ध्कुत् मात् क्रिय य यः दृष्टि श्रवरिक आभाव निकरि श्रामादि शहस जामाप्रीभनक উচিত সাম্ভি দিতে এবং আমা ব ঘণ্ণ দখলি উক্ত জমীব উপর প্রতিবাদীগন অনগযরূপ যে প্রা हीव गांजियाह जादा डेवेरिया দিয়া আমাৰ দুখল কায়েম বা থিতে উচিত খেসবাত দেলাইত আজা হয় ইতি সন ১৮ ৫৭ সা ल अविश्व ७३ मार्फ

#### • न९>१

आवृक्षी क्वीकपावी दलका घला

বাদী উমেশচন্দ্র সর্নকার পর্যগ্রাম টোকাদাবঃ भार भवावक काण भूषिवाम आशासर श्री अञ्चाम श्रुव

প্রতিবাদী মহেশ চঞ্চ চাদ্ সর্দার भीठल देवताली । प्रश्नु भवमाव नविन विवाली प्रवि तार हाहका সর্বিসাণ্ সঞ্চব্পুর্ পি: এমাদ পুর

मार्की বিধ্ববাম নাই জানুর দেশ – वाखाव कुनी

১।গত ৮ **অ**গ্রহায়ন বুধবার 'রাদ্রি

আনাজ ৭ ঘনাব সময় ৫ টাকা মুলেগ্র ৮ পাঁচ আনা সোনা ওদ মুল্ডেগ্র ১ ভবি কুপা ও নগদ ২ দুই টী টাকা আপন গাতের এক পাটার মুডায় বান্দিয়া অত্র কসবা মোকাম হইতে বাটী যাইতে সক্লামী ব পুষ্কবিনীব পশ্চিম পালুডির প্র দিয়া যে বাজা কালাচাদ বামাতেব वाषीय पश्चिम शूर्वी कान पिया शि याक उभाग अर्थित भेडनिय বাগী প্রতিবাদী আসিয়া আমার গা ত্রে চাদ্র যথায় উত্ত সোনা কুপা ও নগদ টাকা বান্দা ছিল ভাহাধ विशा होना होनि क्रिया उँ अ प्रद শ দিগকে ডাক দেওয়ায় উহারা -আসিয়া মহেশ মজকুর আমার গলায় ধৰিয়া এক ধাককা মাৰিয়া

ডাইন পাছায় এক লাগীব বাড়ী ও বাঁ কানসিবায় এক চড় মারি লে আমি জমীনে পডিলে দিতীয় नाठी आचार माथाय मावित्व वा महश्च मिया लेकाई वाय अ इल লাগিয়া জথম হইয়া সোর সার কবায় সাজীগন মোজাহেম হওয়ায় উজ মাল ও টাকা কাপড়ের মুড়া কা छिया लहेया हिलया नियाह । এकार ন পুজুবে পর্ছছিমা দ্বুপান্ত করিয়া প্রার্মিত যেমং বিচারে উচিত সান্তি অন্তে উক্ত টাকা ও মাল দেও যাইয়া দিতে আজ্ঞা হয়। ধর্মা वठाव कर्डा नित्यम्न। देठि मन ১২৭২ সাল তাবিশ্ব ৯ অপ্রহায়ন

#### बर् ३७

महाभिद्य एकला नित्रात आयुर মাজিস্টেট মাহেৰ বৰাৰৰেঙ্গ বাদী প্রতিবাদী श्रीमभूत विश्वाम नवस्मात्विश्वाम (५३ ग्राने माः विकुशूव সাণ্প্রতাপ পুর भाना कृष्ण गर्द्ध । ज्ञानमहत्र मन्कान् মাণ কামার পাড়া মালু গ্রোষ ভাগীদার মোকদ্দমা ञनिधकात् अलम शूर्कक माः लागिन शूत धानं जाभिया भाना कृष्ण गञ्ज बील तुनानि करा । त्यार् करी श्राम ৰোফালি যা मार्क्रो সাঞ্চা মাধব মন্তল > কার্ত্তিক মন্তল > श्कू भाग । भार भक्षिश । ३ विवार्क्को देविको प्रत् वर्ष्मा अधि देविको प्रत् । लाञाल नाइक । नाश्मिश खन् शूनं । नवीन मस्टम । भाना क्षश्रास

विव्यम अंदे य मीन्नीवाम निवामी ভীয়ুজ রাবু রুদাবনচন্দ্র সরকার किसूनी मिलाव तक्त रेडिला कामभागेव भाल कार्यालयात कान माम्बर कुछी अ जबीमारी প্রভূতি থবিদ কবিফা কুটীব नीलावाम निमिष्ठ वीजिम् माम न उ दल्माद्य ना कवियां आ মাব আৰাদী ধাৰঃ বুনান ক্ৰা निश्वव निश्चिष्ठ ७॥ दिश ज्ञी তে গত কলা প্রাত্ত প্রতিবাদী 'भम २०१२० जम लावियाल मम ভিবগহাবে বল পবৰক নীল বি

ছন রুনাম করিয়াছে আমার নি কট প্রমান গ্রহনে আসামীয়ানক উচিত সাপ্তি দিকে আজো হয় ইতি সন ১২ ৭৪ সাল ১০ বৈশাখ

विश्वामी ज्ञीत होइमी आत्मव मकीन शूर्व मास जां कामी व मिक्रन इल ४व भड़लव ज्ञी व शूर्व भालवं अभिम उड़व नकवल्म धार्य वृत्यान ज्ञी जा विश्वा

न९ ३ ८

अश्याद्य त्वला मियान अश्यक माजित्यु में पि पि द्व वनावत्यक्ष প্রার্থনা এই যে জাসামীয়ান জন
রদন্তী পূর্বক যাতায়ান্তের রাজা
বন্দ করিয়াছে হজুবের নোয়ারি
ভভাগমন তামবা ইনন্পেকটরে
র দারা দৃষ্ট পূর্বক রাজা প্রো
লাসা করিয়া দিতে তাজো হ্য়
তামার যা তায়াতের ঐ রাজা
ভিন্ন তার্য কোন রাজা নাই নি
বেদ্ন ইতি

বাদী ক্ষেত্রনাথবায় সাংক্ষণনগর এফেসনকোওয়ালী প্রতিবাদী বামীকামারনী কেদার্ভ সাত্রী

ভাক্ষয় কোষ জয়গোপালভাচার্য সাং ভথা মোকদমা জবরদভীদারা যাতা্যাতের রাস্তার উপর গ্র করিয়া वम कवा जामि छिक्कर्बकाव ३ भाक्की श्राम श्रिक्कां ३ निवनमात्रदेवां । दीनना श्राम् ३ मीन डॉडि ३

विवेदन याँडे या दीननाभ जीजित ভাতয়বেব উওর অংশে আমার মাসী চিনম্ঘীর যাতায়াতের ৪হ ও পবিমানেব যে বাস্তা চিল মেই বাস্তা অদা সাত আট রা ज रहेल जामाजीभन २० वल्मा থবেব দেওয়াল জবব দন্তীব দা বা পাওন কবিয়াছে আমি নিমে দ ক্ৰায় শ্লনিল না আৰু ও মা विभीषे ७ भूने कवित्व छेमंत्रव्य আসামীগন জববদশু লোক কো न भेल चत् जामिल भारतिना

ধর্মাবভার জামাদিতার যাভায়া তেৰ ঐ বাজা জিন্ন রাজা নাই তাহা ৰন্দ হইলে এক কালীন मारा পिं जात्रजामामीयान লোকেব নিকটে আমাব মামী কে জবু কবিবে বলিয়া শদা ইয়া থাকে কথন ও খুন জ্থ म कविवाव जाएक नाई माजी मज्ञकत्वव वाषी इंद्रेट वादिव इहेरात जन काम मिक रा का नाइ आव २ हज़ मित्क ने দৰ আসামীয়ানেৰ ও অন>২এ জাগনেব বাটা দুফ হইলে বা क इंद्रेख ५ जने प्रभाउ वा वा श्राभिंठ व्य विवामी भाग অতি নিক্ট প্জুবেব সোষ্ট্রী ভভাগমন কব্ত প্রমানগ্রন

রাস্তা পরিষ্কার করিয়া দিতে আজে হয় আর প্রকাশ গা কুক যে এই রাস্তার বিষয়ে হজুরে দ্রুপান্ত দেওয়ায় জা লক্ষ লিখিত না হওয়ায় কা ন হকুম হয় নাই উচিত আ দেম করত রাস্তা পরিষ্কার ক বিয়া দিতে আজে হয় মন ১২৭১ সাল ভারিথা ১৮ সেপ্র

एकुम एकुम रहेल यो ज्ञीयुङ नः माजियों माद्द्व एकुत् माभर्म ह्य मन २५ ७८ मा ल आविश्व २२

# ন্ ১৫ মহিমাররেঙ্

তাত পর্ও্যানা তাদ্ ডাক যোগে গত ২৯ মার্চ তারিমে সরাব কোলাই ইইয়া আৰ इय नाहे ७ ७३ भारत जारी থে এখানকাৰ কৰ্মকাৰক ম নাজাব প্রায়ুও বাকমান দার ৰ কলিকাতা মোকামে যাও য়া ইতগদি বিববন আবুজী ব দাবা বিস্থাবিত কপে অধি न एकुत्व नित्तिष्ठ इंदेशाइ ধর্মাবতার কলের জোগে স वार कालाई इरेग भारेत्व দাবা ব্যু টপেব মৌজুদ স বাবেব সহিত মিঞিত হয় অধিন প্রতিদিবসের মেলাই

मराव श्रमक राभाव जन वावधाव निर्धिध कवार्ड ४ সাহেব মৌচুর্ফ ভাহা আম ल ना ज्यानिया नाना अकाव যে আপত> করেন তাহাতে পত ২৭ মার্চ তারিথের আ বজীব দাবা খুজুরে নিবেদিত इरेग्राक् अभव शेल ये नाव বেব প্রতি কোন চসম নমাই না হইমা আধিনেব যে অপ্র ४ अकाम देश अर दिखन। छिष नद्ध। अक्र ते अंगे जील মোহৰ হওযায় অখিন গন মৌ ক্রদ সব্যব ও থেশক জামদা দেব প্রতি মোভায়েন আছে ধর্মাবভাব অধীন এক শ্লুশ্র-চাকর আগত কাজের পঞ্জ

সতর্ক থাকিয়া প্রার্থনা যে অ ধীনের অপরাধ মার্কনা করিছে আজা হইবেক ধর্মাবভার ক গ্রানিবেদ্ন ইভি সন ১৮-১৬ সাল তারিথা ২ মে

ঘকুম হইল থে দাৰোপার সাবেক বিপটের সহিত পেম হয় ইতে তাং সন ১৮ ৬৬ সাল তাবিশ্ব ৪ মে

থকুম হইল যে প্রীমুঞ্জ কালেকটর সাহে বের থজুবে পেশ হয় ইতি সন ১৮ ১৬ সাল তারি-ম ৪ মে

2000 मार् आक्स्न त प्रम ३४ ०० प्रश्त यानक्र % कंकुया वि -> 4 6 008 8 ५ १ नः मशप्रशिष श्रीयुष (जला निष यात् मार्जिट्ये मारहर বর্গরবেঞ্ বাদী भेषाक्रम् भउत । काभानीव मार् जामल लाखा उर्थ प्रतेकार भाना हालका | वावरे शवांव

राआल देखिला दिअसीय क्षीशक

সাহেৰ ত্ৰৰ্ফ अंडिवामी त्याकाम ऋषी

মেং ছোট সহেব তাহার নাম অ C1 2189 প্রীহবিশ্বন্দ কর সাংভাতভালা দেন্তান खोयाम्बरुख रश কন্ত্ৰী छालाभास धार লাটিয়াল ब्रोमपन विश्वाम नारियाल ३ त्माः कृषीत्रेक्ष्र भाग मश्रा माक्री-ক্রীমন সাদ বিশ্বাহ্য জ্ঞী আবদুন মন্তন সা° আন্ত**্**পাতা

भाग काश्रक শ্রীতাক্ষয় ব্যক্ত বং সী MAY EYNEY মোকদ্দমা মোকদ্দমা জবব पञ्ची कावा नि स्तव माम्न भ তান ও মাবলীট কৰা ও কযেদ वाश्वर इंडामि বাৰত

বিৰবন এই যে পত ১১ পৌধ जारिला उक नारीयान जामा মীযান আমাকে টেপ্ৰাৰ কু ही छ इंड कविया संदेशा प्रथम ন ও সাহেব আসামীব নিকট দিলে দেওয়ান ও সাহেব আসা মী মৌচুক আমাকে নি**লেব** দাদন লইতে বলায় আমি অ শ্বীকার হইলে আমাকে কযেদ কবিয়া ব্যাথিয়া ও মাৰ্পীট ক विवान एकुम पश्याम लागियातं আসামীয়ান আমাদিগকে মাব পীট ও শুদামে কযেদ কবিয়া नाः जनमा भग्रा वाशियाहिन পুন্রায় সাহেব ও দেওয়ান আ সামীয়ান আমাকে ডাকাইয়া মাৰপীট দাবা জবৰ দন্তী দাবা नीटलय मामन मुद्दे छाका ७ शर्राकिया गर्जाइया हाछिया प्तन जाबि नागत इर्या था নেব ভয়ে টাকা ও হাভটিটা इन्हर करिया ज्यामियाहिलाम अकृत उंक छाका क्ला म সলিত হুজুবে দ্ব-মাও করি য়া প্রার্থিত আসামী সার্শ্বন দারোগা মাং তলব করিয়া-উজ ভাত্যচাবের উচিত সা छि पिछ जाउँ र्ग नित प्त देखि प्रन २२१५ प्रांत छा विश्व ३७ (भाष

म् २०१

বায়াচৰ্ন ভাঁতি দাকিন বাসেগড় নি: সাহাউক্রিয়ান থালা বাধার পাড়া আসামী মুর্ঘিষ্টির জাতি ৷ মুটিরাম জাতি ক্ষৰ্য়ন ভাতি 3 কাপ্তিকভাতি দুর্বোধন ভাতি 3 রাধাকত ভাঁতি দুর্গাচৰ্ন ভাতি > বানী ভাতি मर्वि मार्किन वाल मर्वि मार्किन नष् भाना राधा रात्न नष् भाना ब् भाषा গ্যাবাম পাল ১ भार्माजियाती :

वामी

মানা বাহার পাড়া দেবনাথ ভাঁতি भाः वाला भड़ाउ मार्की उदीव उन्नाकिक्षेष् বাহাবে পাড়া · 4

आभाव नासिक्षत विवदम এই যে আদামীগন ইতি প্লবের আবন মালে আমার যবে তাত পাতায় ও আমা কে মাবপীট কবায আমি इजद नालीम कविता म हे लेंड डेगेहेशा नहेशा व নেক ভদ লোকের বাবাসা মাকে উপাসনা কৰায় আ মি সেই মোকদমায় তদির নাক্রাম নম্ব প্রাব্জ হই যাছিল পুনবাম আসামীগন वक जारे इंडेया जामाक छिए। इरेस्ड डेशेर्या मिता त जना गेठ ७२ केंद्र उप বিখে আমাব বটীতে ম এক প্রামা আজগা গ্র

চিল আসামীগন জবব দ ব্তে সেই ঘরে প্রবেশ করিয়া গও কাটিয়া ভাত পাতিয়া কাপড় বুনান কবিভেছে। -আমি মোজাহেম হইমা দা शर्वे पिल जारो जश्राम कविया जामाक भानि भा लाक मिया भाव श्री किर्व তে আইনে এবং আসামিগ ন সববদা আমাব বাটাবা भव ये शख काखनावकी জমিয়ত হইয়া ভাছে। তা হাবা আমাব প্রারেব আ থাত কিমা আমার প্রমত भारात किया लुगे उन्नाक कवाय कियोग जाक। भ প্রাবভাব ভাগির উইগদির্ভাব

আসকায় থবেব বাহিব হইজ পাবিনা। বিচাবপতি আমাৰ গ্ৰে উহাদিশের কোন অধিকার ना भाकाल ও जववमल्ड-আমার গৃহে প্রেশ করিয়া ভাঁত পাতিয়াছে।একারন দ র্থান্ত কবিয়া প্রার্থিত ঘে মানা বাহাব পাডাব দারা शाव भाव कंटड जे जामगृ আসামীণনকে পাকডা ক विया अभाग लहेया माखि দিতে ও আমার ঘর হইতে डांड डेमेरिया मित्ड जाजा इय देखि जन २२ १७ जाल जारिय है दिसाथ

# নং ১৮ অক্র তারি ২৮ ৯ কেব্রয়ারি

मून्ड शास ७ शंके काउ जा लामक कामी त्युमिन मुल्या পাৰস্য নায়েব সাকন শে नश्री ताः दात्रुविना अपि याप्राञ्च (ए नाकिन प्राञ् छिना। त्याकष्मा फाकाइ कि अलाभा आननाभ राग् कियुवीमिशव पात्र्विना भाष स्थिशतन् श्रीक्षेत्र पुदे ध्याम मन २४ ७७ माल २० एक्क्यावि র্মা; ১২ ৭২ সাল তার্থ ২৯ 21A অদ' আমি সব ইন পেক্টর मत्मठ यपूनाय मुत्यानामा

कलाक्षेत्रम ७ भधुनाम ७ जिङ्ग भा । विव त्रिः क काळी वस भ পमत द्यामुजिना आत्म भर्ष ছিয়া ষ্ফীরাম থোষ ও ঘ हीबाम ध्याध मिशव भूकावि लाय वादीत वाही नुवे रुख्या य जानामड हुछ इड्रेल छा হাতে রগ্রমনি বাদীব বাশা याम् (वव वाँछीव वाहित्व का ছারি থবের মধ্যে ক্যেক্টা वालिश ७ श्रीष्ठाय अकरा वा লিশ ছেঁডা ও সতর্ঞি জা युगा वृत्र कायुभाय इंडान उ হাত বাক্স ভাপা কয়েক टूक्वा काके इंडामि ७ जा परे वामीत शत्र पत्कार मधुल्थ अकरे। मिल्रत् लिएंश ভাস্থা ও হরের মধ্যে নেপ कांना भाप्त शांड, रेनामि চ্ডান ও উওবের ঘরেব পী ডায় পুরাতন হাতবাক্স প্ল वर्व इट्रेंड कलन्भा रहा उ ঘবেৰ মধ্যেৰ দৰোজাৰ ক भांचे अं नकिंग भिल त्थाला उ ठावि विशेष भिमुक्त्व जाला ल्याला भालि मिसुक गत्वव माजियायः भाना कड़ ল কাপত বিচানা চড়ানা श्वालक । उ श्वरवं चरवं उड लात्मत डेशल नकेंग लग ও धान धत्व मध्य रहेल डेगाल भासान निहाय इ তান ও পীডায় বান্দা ইকা नाभामाला लालाय निराय

নং ১৯ মহামহিম জেলানদীয়ার শ্রীযুক্ত মাজিষ্ট্রেট সাহেব ব্যাবরেণ্ড •

ঠার্যাদী প্রীয়ধুসুদন কর্ম কার্সাং—	.সার্স্কা
ভেতিয়া ইকেসন	দ্রীমন্ত ঘোষ
কোত্যালী	প্রাসীতা নাম
	রেশ্ব-
আসামী	भामश्चर मसल
ভ্রীজয়হবি গ্রোষ	দ্রীতাপলম সেপ্স
প্রায়দু নায়েক	দ্রীমানিক সেখ
দ্রীদারিক মোষ সোঁড়া	সাং তেতিয়া
শ্রীহ্রিকন্দ্র সোপ	ইফেসন কো
গ্রীসাম্ব গ্রোম	ত্য়ালী
শ্রীসীভানাথ যোষ	
প্রীরতন যোষ	
প্রাদুর্মন্ত গোগ	
मार्डाञ्या इत्छमा काञ्याली	
কেত্য়ালী	•

### 'মোকদমা

আসামারা আমার কার্টীক্ত প্রবেশ করিয়া আমাকে মার পাঁট কর্ম প্রথক আমার ব্যবসার দোকান ঘর হইক লোহার হাতুরি আদি লুট তরাজ করিয়া আনা বাব ত নালিস

नालित्रन विवत्न अहे या धाम मज्जलद्वं पिव भारत्व कन्म गहिभाने दिश्म श्राम शाम धामहेहेळ काभाग गिगाहत अकल ग्राप आमिशाह जहार आमामीयान जामान जान देश गहिमनि दिश्मक काभाम कहिमां व गहिमनि दिश्मक काभाम कहिमां व अलाभामित्रन जनमम् कथा

क् काभाग नहेगांगगाहित আমাৰ ভাজ কখন বাটী ভা का इय भारे अधकार — আসামীরা আমার প্র তি রাগাতো ছিল এক্সনে গ उ २० दिमाभ जावित्य म ন্দাৰ পৰ উজ জয়হাৰ আ সামীর প্রুম মতে আসামীয়া ন আমার বাটীর উপর চড়াড इट्टेल जाभि एकुत्वर माराटे मिश শোর করাতে আমাকে চাপড কি ल जाि भार भी कित्या আমার ঘর হইতে ১ টাকা भूरतात्र इन्ड्रित ७ है। । । । । ना मुलाइ माङ्गी २ गाइ मूछन देखारि विना कारी २8 हो जादाद भूम २१ हाका यह

मकल जिनिम तुष्ट छ्वाज क विया लहेशा भिशाष्ट्र अम्बर श्राभित जामामी मार्की उलव कविया मुविनाव कावा छेहि उ माजा पिया जामाव जवापि प्रलाहेशा प्रनाहित मन १२ १४ माल जोविभ २৮ विमाश

নং ২০

स्थिम ठाकम्द्र विलंश देम निक लिशी

তানিথ ২৫ মেপ্টম্ব ১৮ ৬৪ মোণ্ ১• আদ্বিন ১২৭১ সাল

विववन

বাদী ঐপ্রিম মতি মহার্মী

মোকদ্মা दिक्ले आया भिक् जामक्ठ ना विश्व হওগ কবা ৩০২ धादाय निर्भिष ज পৰ্যধ

আসামী ত্রী হবি গোমা সাং कीत भारे त्धिमन जाश ন্যৰ্গদ

इंखक २७ ना९ २० (अल्प्रेयव এই বিষয়েব দৈনিক সকল एकुद्वं भागिन भियाक त्या जानमा १७५ नः किंग्रेक मन त् कन ध्येवन अखभभरा अहे व्याकम्भाव जात्व ज्वव वा ইস ও রক্ত যুক্ত কাপড় ডা क्षत्र माद्यदेव मारिकित ह महिल मीश्रेल कविया जामा ७ शित्काल मद्राद

র্ফেরত আসিবেক বাজ করে **अहे वानाचार्छत रकीक मानी** जामानलक् > क्ला भवा याना जनुमसादनद कार्य भक ल সমাধানান্ত आস भाम नीम भाठात्व जाप्म ७ एकूद्व ३ क्वा भद्रांश ना जाकी शन जिश्व दाव কি জনঃ গিয়াছিল ও বৈ कुले लाश्रामीव मिर्ड मी र्श्व काक ख़ब विवाम कि वहमा इर्गिष्ठिल कि ना इंडिशिम विश्य उपछ जानि शा निभागाम्य जामक र र्शक । ता मल मार्कोगक व कारा अनुमकात अकाम যে বল ৰাম সাৰ্কী আপন

भारतात दक्षण इहेस्ट माँए भ ক তাড়াইয়া লইয়া সাধ্চৰ न मामित वाष्टीत निकरे भ इंहित बाहित जामाप्रीक बाइम इल्इ करिया याईछ प्राचित्रम पुरल जाभन वाषी इहेट जाइन मनिव मिशास्त्र हाडी भाषशास्त्र का ही छ भाश्वा मिछ याउन कालीन शुक्रावेंनी त्व का अष् कार्रिक एशियाहिल। देवक ने अ ओश्वि काठ मुनिया राजि ५५५ अश्त्र नगर किविशा जाित्रशा मयन क বিষ্ণাতিল সয়ন কবিবাব अध रिकुरे में ठाकव क किश्मिष्ठिल य पुष्टे तमक

হার্ণম মকল জানিয়াছি জ क प्रांत सर्गालया मन प्रशादेव अदेक्त मामाइस छिल डेश नासुरवन मार्को থাবা অকাম পাওয়া মায় रेशक शर्वाद्र उच्छा का म क्का विवाम इउग्राव অনুধ্ব হয় এতদ্যতীত জা ত সুনিতে যাওয়া আসাব সময় কি তথায় কোন ক भाउंत रहेशाहिल कि ना जारा काराव बावा धकाम পাওয়া যায় না আর বৈকু के श्रुविभाव वाक भून इस के बाक मिरामन नगर का जन्म अ श्रिकान हिल अ उथव विमि जां के नित्तिम

उ इरेल। आर्व भठ कमा भा क जारल जन्म नाइम ७-আসামীর পারের রক্ত মাখা চাদ্র দ্রীয়ুক্ত ডাক্তর সাহে द्धर भरीकांत्य कला इहेछ প্রসন সিং কনষ্টেবল মাণ্ भएँ छित्न भूमि त्याकन्या म् अक्षं जावर जाम आम भनक अक्वाख्य क्रमा ও আলেজবর্ফ বাইস ও ব क भाभा छाम्य ८४९ नः हिकारमध्य कमश्रेवल भार्म का ৮ शंकाव मम्य ताना शर्ए व की जमातिक व्य वन कवा इहेयाइ जम् मिवा > शकाव ममम तम তাএন ৬০১ নংমহেঁত তেও

याति कन ध्येवन एक लग ए গলীব অধীন ফেসন চন্ডী जलाव असाभा भगामभूव পুর আঞ্জা প্রায় হইতে হ ভগ হত বৈকুণ্ট গোস্বামীর ভ্রতা অধ্ব চন্দ্র গোসগামী ও তৎ সঞ্জে সনাত্তন হটো পাধগয়কে হাজিব আনিয়া তথাকার সব ইন পেকটারের > কেতা পত্ৰ সম্মানত হেড कन धिवल्य कि क्षेत्र य पा भिल कोर्ने लिक अश्राठ श्र काम य उभ्दर भामसा वा भधन। उज्ज्ञाति। श्राप्ता नक्लाल। धनमहाभा भनिता হন। গোস্বামী প্রভৃতি ভাবং च्छ ३ श्रक्तांशम इज शहु श्रा

বৈকুষ্ঠ গোশ্বামীর সিদী দ্যাময়ি ঠাকুরান্ত্র মহিত তম্য কুত বৈষ্ণব শ্রীহার গোয়ালার শ্রমন্তি মাকা ও গত ২২ শ্রাবন ইইচ্ছে প্র वास या अया उद्धारण वाष्ट्री इंदे कि वाहि ৰ হইয়া আমা ও বৈকুন্ত ঐ প্রসঞ্জি व विशेष জानिस्ट भावास्ट बीह বি তাহাকে হভগ ক্ৰাৰ ৰ यान करियाट्स अयादाम है ও অধ্ব চক্র গোস্থামী ও উক্ত প্রতি বাসী সনাতন হটোপাখ্য ख्व ज्ञान वकी क्षावा अव भंड इरेमाम य डेराव भि দী দ্যাম্মী ব্ৰাঞ্জনীৰ সহিত আসামী প্রাহরি চাকরের প্র मिक भाका यथाय। जाहा छ এ१ ठाकत मध्य अका निशा सव्य अवाल भारत जात् अ

इंड्याय उंख कार्य मिन त क कवानवनी मिवाव क नः वानावार्धेत कीजमावी আদালতে প্রেবন করিয়া অ ज दिनिक ७ मत्व कमीव-নক্ষা ও গ্রেমন চন্ডীতলাব পুলিস আমলাব তদাবকের कशक एकुर्व ध्ववन कविला ম ইতি ফেসন চাকদহ হইতে পাস পাতৰ প্ৰাম দক্ষীন ১ শেশ হেও কোষ্যটাব বানা বা हे इडे ८७ ६ द्याग वश्व थान

#### मः २३

মহামতিম জেলা নদীয়ার আয়ুস্ত মাজিফুটে সাত্র বরাবরেড়

বাদী-আহুদিমোচ্লমনা নাং সামিন বাগ্যয় থানা কোওয়ানী

প্রতিবাদী চুমীর্সেখ দগুরী ব্রক্ষমোহ্ন মানী দাং আমীনবাণার

मार्की

বোমজান খাতি
আলীবকস নেখা
জুলুম সেখাত
মনি বেওয়াত
সমূহত বেওয়াত
সীহম সাহাত
সাং আমীনবাগার

### মোকদ্মা

ताजिकाल जमिकात वाही तं मध्य अरविष्ण भाव श्री वे कना

বিববন এই যে গত কলগ वानि जामाज ৮ श्रेगव সময়ে প্রতিবাদীগন আমা ব বাঢ়ীব মধ্যে অন্ধিকাব প্রবেশিয়া লাতী ও কীল ও খড়মের দাবা মাব পীট-करियाक विवादित कावन অপসামীর ভ্রাত্বপ্রভ্রকে আ माभी भानी प्रश्राय प्रश् क्या क्म उठाव जाजाक विस्थािम्यािक्त विस्था आ মাকে মাব পাঠ কবে আ দামী দাফী দমনেব দাবা

मः २२

মহামহিম জেলা নদীয়ার আয়ুত্ত মাজিষ্টেট সাহেব ব্যবরেণ্ড

বাদী প্রীঈসান চক্র চড়ো পাষ্যায় কার প্রদাজ জানবে শ্রীম তি মন্দাকিনী দাসগা সাৎ পাঁচ দাড়

श्राष्ट्रेवभि ब्रात्क साम हक ৰিখাষ সাকিন भार राष

মোক দ্বা চাক্ৰ হইয়া ৰিশ্বাহ্ৰ কাতকজা অক্সম গোষা श्चर्यक नगम उइविस ७ म । भवर्व भाकिम सिस इंड भिने | ऑह माड

नहें या त्रंबाब হওয়া

नाको भाषत शांद বানেশ্ব ঘোষ কৃষ্ণ মোষ-भागक धार

विवन भेड़े य अजियानि मज्ज्य आभाव भूनिव भश भगाव शाहमार्डव शाला वाषीव नगम ७ धानभाम् इ वि. अक जनभाव कान्यात

त्रन ১२ अ**४ माल इंद्रे**स्ड आ प्रशिति शक नियुक्त इह या कर्ब कविया आमित्ड शा কায় তাহার কার্যের প্রতি অবিশ্বাষ হেতু কার্বারি ममस कागक 'उ भारक भ বেব দেওয়া নগদ ও ধারে व अंड इंड शर्मी मिल लाउ । लोज्म उठ्यक्ति निकाम बुक कित्रा मिल्ड वलाय निकामी न मकल कामफ शालाबाहीत्ड जाशन ज भाष काभेषा अञ्च करि হেচিল তাহাতে অধিক টা कार पायक रहेत्वक जानि ষা গত ১৪ ভাদ্ৰ তাৰিমে त्रात्व श्रक इंडिशिम मिलिमा

ত ও মোজুদ তহ্বিল সমও मह र्फ दादे इंड्याइ अमल প্রার্থনা যে আসামীকে তল্লব কার্যা আমার হানে প্রমা नामि अइन कविया जामाभीत उठिउ पर पिया आभाव मुनिद्वव नगम उठ्विल उ मिलना का शक प्रसादेख আজা হয় নিবেদন ইতি मन २२ १० माल जाविश २७ स्थ

न १५७

মহামহিম প্রায়ুক্ত জেলা নদিয়ার মাজি কুট সা হেব ব্যাবরেণ্ড

र्क विश्वामीय नाम গ্রীমহেশ্রী मामा जानव श्रीकामित्री प्रवा मार বেড হবিমা भ शब्ह । भाना কোত য়ালী অগসামীৰ নাম श्रीकिक ने का ন্ত বসু জ্রীমা विक भाषित প্রামন্ত ভাতি नी जीभरा তাতিনী সর্ব মোকাঘ বেড

इन्दिनाभ भ क जाना रका ত্যালী সাক্ষীৰ নাম প্রীব্যমকুমার মিত্ৰ কোট इन क्लिक छ। व. बोहित काइ न वत्ना शास्त्र य आलाशी নোহন থোষ প্রাচপ্তার্থম ব त्मरा भा ध्राय প্ৰাকালীচৰন भकुभमात् औ বাজক্ঞ মিত্র

अल्डिक्सम वि चित्वकुछ ना সিং জাহব ম ওয়াডি বেড

यात्र जीवात्र भ वार्य जीवा हाँ प्र वक्षी भ वाग्री आ श्रीवाद्यश्रव नित् वागमी त्याश की कान प्रवंद त्याः ला नि मात्रश कि। इति नाभ भक्क ঈশ্বর দাস | মানা কোত্যালী

১ नम्रद्व अन्डिवामी जाभाग व मनिव विष इविभाशन स्त्र कामियों प्रवंशव म হিত প্রসক্তি কবিবাব চে छोय भागाविध नानाक्रल श्रु यक कवित्र भारक। পত ৯ চৈত্র বাত্র আন্তাজ मुद्दे अश्रुत्व मभग अन।

क्षा अंडि वर्गीवर अर्थ जिंबामीव वाजाय हतिया न बः उरभव भभराष्ट्रे वलं क ता ७ ७ घ अपर्जेत भनिव মৌচকাকে বলাংকাৰ কৰাৰ উয়োগী থাকা প্রকাম ক ৰা তৎপৰে ২৮ চৈত্ৰ বাত্ৰ আন্ত্র ৮ ঘন্যব সময় উ उ न क्रि जानासाय का मि या नाना करें कारें वा भानि भासाज ७ क्रुंग माविव व लिया भावित्व उपाव इव যায় অথবা প্রতিবাদীগর ৰ ঐ ৰূপ অওগচাবে জীত र्रेया प्रभाख किर्या था र्भिट या अक्रायं उपख इ इया अमानामी अइल विष र शर्वक जामाभी नेन क डे हिंड माखि मिक्ड जान्त्रम इ য তাৰ প্ৰকাস থাকে এ भड २० हिन्द्र जावित्य म ৰূপান্ত দাখিল কবিতে আ সায আদাৰ দৰপাশ্ত नानि इड्रेया याउदात्व के मिवन माभिल इय नाई। भ व कराक मिवन काछ।वी ৰন্দ থাকায় দ্ৰথাশু দাখি ল কবিতে পাৰি নাই অ দঃ কাছণৰী হওযায় দ্ৰুখা ए पाथिल कविलाम रकुर भारतक निर्दापन द्वांच प्रने ১২ ৭৪ সাল তাবিম ৬ বৈ MM

প্রাম্না জ্বাতার কোটাদি মা কায় আমাব এক থানি গ্ৰ ও এক ভম্ন দোললা মাকা য় উভযেব নামিয় টেকস আমাৰ নামে ধার্য্য মাকাষ আমি ও জ্রাতা তাহা তাদা ষ কবিয়া আমিভেচি ভ্রচা व के कारोपि विजय कि য়া ভাঙিয়া নইয়া সিয়া इ जाङ्गाट के ममुभाय টেক্স আমাৰ আদায় किर्वि । इंदेल এक कालि न भावा शहे अंकार्न

প্রমান যে के সমগু হ দত হইয়া আমার নগ য় ধার্য করিয়া আদা য় হওন পক্ষে অনুম ভি প্রদান হয়।

মহামহিম জেলা নদীয়া ব প্রায়ুপ্ত মাজিফুেট সা হেব ব্রাবরেঞ্

দ্রপাশু দ্রীতানর সে

ম দ্র্জী সাং কৃষ্ণ নগর

নিবেদ্ন এই যে আমার

জাতা পানর নেখের এক
টী কোটা ও প্রাচির আ

দি ছিল ও আমার নিজ
র এক মানি গর একশা

নি ভগ্ন দোচালা থাকাতে উভযের জায়দাদের টেকুস আমাৰ নামে থাকায় আ মি জ্রাতা পানের দেখা তা राहे जामाग्र कविक्रिला म अरव छिनीमार देप्ति ভाতाৰ नाम छिकी कार्वि कविशा जे काछापी विश य छाट्छ निरक भविन कवि যা কোটাদী ভগ্ন কবিয়া लह्यां शियाद्य अवः क्यां उ उथाय नाहै। इहास्ट সমুদ্য টেক্স আমায় আ मायं कविंछ लंदे ब्ल आप्रि এककालिन भारा याई अका বন দ্বপাশু কবিয়া প্রার্থ ত যে বিভিন্নত তদ্ভ হইয়া আমার নায় টোক্স আ
দায়ের অনুমতি প্রদান হ

য়। ধর্মারতার আমি নে
হায়ত গরিব নিবেদন ই

তি সন ১২ ৭৩ সাল তারি

ম ২৩ ভাত

म१२८ त्यालामा अड्डे व्य পুত্র নাজের পেয়াদা পা গল হইয়া তসং মাতা আমাৰ জাকে নাঠীৰ আ থাতে প্রান নম্করায় হ कुत रहेरा ज्याकात विश त् भागल भाका श्रमुक পুত্র মজস্ব জামীনাং ঝা लांग इहिवाद जारमण इ

इत्म एकुतं २३ ६० जाभा ব জামীন ও মাতবৰ্বী उपादकार्ड उपलाद्वर रेक াৰ্ফয়ত তলৰ হওয়ায় তা হাতে ডাক্তর, পুত্র মজঙ্গ ব্কখন ভাল ও কখন यम भाकाव कि किंग्र मि ल भित्याय भाकार प् कुम इरेश्राष्ट्र। विहाद श তি এক্ষনে পুত্র মজস্ব-উওম আবাম পাইয়াছে। অতএব দ্বুপাশু ক্রিমা প্রার্থিত যে এক্ষনে ডাফ বেব কৈঞিয়ত তলব ও-পুত্রকে দৃষ্টি পূর্বক আ भाव काभी गाउँ भक्ष्व श् ব্বক পুত্রকে আমার জেয়া य भासाम पिट जाखा रंग रेजि — हैं भरामिश्च टिला है रह अन्यान भाष्ट्र हैं भाकित्रु है माद्य हैं न्यादल्ड हैं

प्रविधाश भागा कालीशा दिव अलाभा भिर्म भूत भा कि त्वर खी प्राञ्च भराभप कि त्वर भा भाग कालीशा का भाग का निर्दर न अभूता का स्था का भाग का स्था क

কাব্রায় থানাব দারোগা গ্রেপ্তার প্লবর্ক প্রু চালান আসিয়া मानमं इख्याय छोयू দায়ের সাহেব বাহাদু বিচারে ও ভ্রীযুক্ত ম जामासंज माह्दव् र्कराया जनुमाद জন্র পাগল মাকা অব্ তাজ্ঞানে অপপন ক্রায় প্রমান ও প্রকা ल उँउ जभ्यास इरेट मुखि भादेश जाराम उनार्वे भागला गार्दा भा কনের আদেশ হয় এবং मजञ्ज् क जामीनास्ट उशामवात फनं उभन

जापालट िकी बिश्विसय তথাহইতে পুত্রকে জামা नारं छाडियां देश छा प्तम इउगाग्र श्कूत् इ इंट माद्यामा कार्य का মীনি ও খাতবৰবি ত দারকের প্রুম হওয়ায় थानात मुठ्दि पत् जभी त १६ हिंग जाभाव का মান ও মাতব্ববী তদাব কাতে বিপোট ক্ৰাম পা भना भारतिय एकि उत कि चिच्छ उत्तर इय्। अ হাতে পুত্র মজন্ব কখন ভাল ও কখন মন্দ্ থাকা ব কৈফিয়ত আমিলে জা त कार्य एकुम ना इहेशा

মেরেশ্বায় রাখনের গ্রুম क्ष्याछिल। जरभद् आ মি এক কেতা দ্ৰগান্ত ক ৰাঘ ভাতাতেও কোন হকু म इय गई। विभव्भिज পুত্র মজকুর অভি উওম আবাম হইয়াছে এবং অ श्रु २ वर्षी नारासक श्रुव जारह। जामि अंदे कुछ म मर्य जाशामिशक य मुन्थ মেহ্নতের দাবা প্রতি পা লন কবি এমন ক্ষমতা না है। जाउधर प्रभाउ क विया आर्थिंड ता अकत डे अत्वर किभियाज जलव अ एकुंत घरः भूज मजनत्क मुधि कविया आसाम मिशा নপরিবার তদারা প্রতিপা লন করিতে তাজে হয়। ইতি নন ১২ ৬৩ সাল তা রিখা ২৫ কালগুন গুরুম হইল যে

ভাজার সহের ও মহার্কে জ কৈর্ফিয়াত দেয় ইতি স ন ১৮ ৫৭ সাল তারিখ্য ২৫ জেব্রুয়ারি মোণ ১২৩৩ সাল ১৫ কাণ্ডন

भर्वाव छ। द्वाष्ट्र

रङ्काद्वर ध्रुम श्रमान अभ हर्ने आख निष्णिष्ठ स्मानम्मान् निष्णि उद्देश जानादान य स प्रम जादानरुद्ध विक्री अनु

मार्दे जन २००० मास्त्र ३० (छंड यावि जावित्य जामामीत অভায় জায়দাদ তদাবক पार्वाभा नवा जामत्म जा নিয়া চিঠীৰ জৰাৰ লিখিত হইলে ভাএন অপসন পুত্র নাজীব পেয়াদার পালাসীর श्वार्थनाय एकुत् मन २५-४८ मालव ३२ अक्टोवर अर् ल्म प्रभाख क्राय जीर নেব নিকট কৈ ফিয়ত তল ব ধ্রুম হয়। তদ্নত্র-অधितंत्र देकियं पृत्ये প্রীয়ুক্ত ডাক্তব সাহেৰকে চি টা লিখিত হয়। পরে ডাও্র मारइव डेंक चित्रींव कवारव नाजीत (भशामा भर्ध) २ छा

বাম ও মধে১২ পাগল তও্যা প্রকাস পাওয়ায় অন্য কো न एकुम ना इहेगा मात्रु য় রাখনের ধ্রুম হইয়াছে আৰু মোকদামা সংশ্ৰু इंश्वाकी विशे मकल क्वा नी भानायं जारह जात हा अन अरे प्रभाखे करिल অধীন ও ডাজব সাহেরে ৰ কৈ ফিয়াভ তলৰ হইয়া ছে। অতএব অএ কৈদিয়ত নমালত নমীৰ কাগজাত ঘ ज़ुद् (अभ कविंट्डिइ निर्दम न इंडि मन ३৮०१ माल जाति भ 8 भारा

> প্রাদুগচিরন দও মোহার্ফেজ

# एकुम ठ्रेस व

শ্রীয়ুত্ত ভাত্তক সাহেবের কৈ ধিয়ত আইলে তাহার সা মীল পেস হ্য ইতি সন স ৫৭ সালে ৪ মার

न २३

নন ১৮-৬৪ সাল ১৪ নবন্ধর মন ১২ ৭১ সাল ৩০ কার্তিক সোমবার

মহকুমা সাত খারার ফৌ জদারা আদালতের রোর কারী খ্রীয়ুক্ত বারু কালী চরন থোষ রায় বাহাদুর

## ८५ शूँगी माजित्युं हे डेशिक्ड

প্রকাশ হওক যে অক্রাধান देखिमन कासी भटछ द त्या जालक शामिश्रद्व विभू काउदानीत भूनि त्याकप्रम ঘাতাতে আসামী হার্থন কাওয়া ও দেয়াব পংঃ-अश्व कालीव भूनी का कम्मा याद्राक्त कानाह मर्मात् जामाघी धारक वे लाकप्रभा श्रवविष्ट् और्य क जिश्रुषी ज्ञांक व्यप्त मा द्या कर्ड़क त्ममन विघादत चाम्मं के ज्या इहार म क ५ मध्यस्य विभावन िमिन अंवधाविक इथ्याम्

মেমন আদালতের কথের অশস্ত্রাম জনঃ মাধ্বচন্দ্র ঘোষ আমলাকে মোডাএ न क्रा २्य। आमसार रु ७ ३० मतम्बर जाबिला প্রেবিত প্রতী দুষ্টে জানাগেৰ য়ে ঐ মোকদমা দ্বেৰ ন মী ও তৎ সংগ্রমন্তে কালে তাৰ এ পয়ত সেমন আ पालंख अर्घ्ह मादे। त्य छा उपछ नाजित्व विशे पृथ्धे अकाम य गंकीव ग ত ১৯ অক্টবৰ ভাৰিখে ने निय ७ का लिखात आख পোলিস ডাকে মেমন আ लस्ड ध्यान निमित्र डाक পুনসা তানুপস্তি থাকা

हिंचु पुरे नशी अक शुनिकार है स्थितन जार शीतात द्रा कम्छावल इत्रिक्ष काश्व मिगा उपदात एउ तिमिम श्रा थ रहेगाइ जिज्ञामाय ह उ कमछावल ये श्रीलेक्श প্রাপ্তে ডাক মুনসী के मिया हिल ज यथा नियम এल ला मिशाइ अकाम कविस व्यद्यु जात्कत् लानवा ছে এ विश्व उप उप उप नुप्रकान रुउया जावमाक অত্য-এব হ কুম

তাত বেশবকারীর নকল জ

ला २६ পর্গনার মহিমাব্র श्रीयुष भाषित्रधे मार्ट्स्त्र श्कुर्व পाठान याय। भानम যে ই নথা সাত্মীবার ডাক মুনসী প্রাপ্তানন্তর কি অব काय (काथाय भागे हे याद ७ भवित्मत्व नभी वा किंइ इस उदिश्यात उपछ अन भीव जानुमकान इउन भ एक विद्धि अनुद्धा अम त वाश्विं कर्तन। आव-मुलाह्यार्थ मिडीय नकल জেলা ২৪ প্রানার মান্ মান জীয়ুক্ত সেসন জজ সা प्राद्धत्वं एड्स्ट्रात् भागेन इर् इन्छ। एक्स मः अगन्छ कागन ना भिन इस देखि अन् ५८। २२ नत्यस्

### न् २१

गम २৮ ५८ भास २० नतंत्रत मम २२ १२ भास २ ठाश्रश्म

মহকুমা সাত শীরার কৌ
জদাবী আদালতের রোব
কারা ঐায়ুক্ত বারু কালীচ
বন ঘোষ বায়বাহাদুর ডে
প্রুটী মাজিপ্রেট
উপস্থিত

ठाजामालखन पीना प्राश्न मिं २ ही नभी गाइगन प्री नान विघादन मिन के नब भन जनभानिङ हिल के न भी ३३ नदम्बङ्क ना ली हाग् यभामन् मस्रद नभी

भावेपनारम्या ८ज नम २४ भव গনাৰ মহিমাবৰ ই।মুক্ত মা জিফেট সাহেবের অতীত ১১ নবেম্বর তারিশে নকল (वावकादी अमः उन्त्रिं इ हेल। जञ्चकाम ना भारत य अञ्चामालखर त्माभीमें-বিশু কাওবানী ও পদ না इन भानी भान स्मारक प्रा शश्रद की दात विभावत मिन ৮ नत्यभ्व अवशावित छिल ये आक्रमभा प्रयुवन वी जािम ज्ञा छ विश्व দৌৰণৰ কাৰ্ম্বাৰ আঞ্জাম দে उनार्य जामनीय आभनात পত্ৰ তাৰুসাৰে জ্বাত হইয়া उपछ भाजभोत्रत दर्धकन

धियल इतिकास आध के नयी जारित कुछ श्रुलिका रिमिष प्रश्न करा अ হেড কনসফাবলেব প্রমুখা ৎ সেওতাহা ডাক মূনসীক द्म-अया अरूपम भाउयाय श्वासिष कांक्यून भी भरतत् श वा ने विश्वात उपछ ३३ न आर्थनाय भठकता दर्भी य श्रीयुक भाकि स्कृति ज्या প্রীয়ুও মেসন জজ সাহে त्वव च्छूत् त्रावकादी-ध्यत्ने इर्गाट्ग। यमः ने বিষয় তদ্ভ ও প্রাঞ্চানন্ত্র त्कान मिम्मेन श्रास्ट इड्रेश ए कि ना कि मह ध्युन निमिल विमिष् एएट्सा इ

उ कर्नकी वल उ देखक मा उभी दा नामाश २८ भव्राना शय छाउ जाक मूनभी शत्नव नात्म भद्रामाना श्रान् क वा जाल त्य द्यू भ विनम् मूजा हव कवा आवश्रेक

হক্ম

মুগাচর মে তাত রোরকারি র নকল মহিমাবর শ্রী যুক্ত মাজিন্টেট সাহের র হাজুরে পাঠান জায়-

जिथकाम नाथाकुक धा

গোলযোগ হইয়া কআ

তাধিক বিশ্ব হইতেতে

ইহার কারন কি তাহার

তানুসকান হওয়া আব

শাক। এমতে

#### श्कुभ

य एक सात् यायुक जिक्कि करे मुश्रिकिं अने मार्ट् दित ममी श्रि दावकाती शाव्याम याय या किक्रमं यम्च श्रिक्य यायाम इकेट इ अकारात यूरीहिं य हे शालयाम इंग् जार्श न करिया यथान श्रीका न करिया यथान श्रीका

इंडि मन ১৮ ७८ माल जात् भ २२ नत्वस्र
बर् २ ৮
মহিমার্বঙ্
भाना काली शास्त्र पात भा शिश्मिकं भान आनुक नित्यम्म अहे त्य
ফবিয়াদী আসামী
प्राथम क्रियमित भारित्रीभन्त्र व भ्राप्त भा किन भिर्मे शून

মোকদমা আসামী মজ
সর পাগলহালে আপম

মাতা রজন্ন বিবিকে লা

ঠী আবাতে খুন কর্ন

अधीन श्रांति प्रत्वं श মৰ্তন ৰায়েৰ বাটীৰ ডাকা इंछि त्याकप्रायः प्राप्त प्र জুবানের অনুসন্ধান কার্ন স্থানান্তর থাকায় উজ মো कम्मा २० जून जावित्य भानात भाइ द्वत निक्छ उ পাছত হওয়ায় মোহবের भज्रुत् शालकात् लाम ४ অপসামীকে মায় আৰে জ बब लाठी एजुद्द भाषाई-য়া তদাৰক আমলে আনা

ध अविद्यापीत अजाश्रव ४ আসামীৰ একবাৰ ও আসা মীৰ জী আৰ্মান বিবি ও প্রত্র জত্রনদী ছোক্রাও प्राक्री उपीत (भग्नामा ७ म न्नी जान ७ त्रुमही विवि ७ কাতিক পেয়াদা ও ভোমৰ लियामा ७ प्रिंग लियामा ७ वाभकानाई जाकाद्व अ মোছার ও প্রজা হওর প यामा अनाकित (अयामा अ जार्रिकं लाशामा मि गंदर् নিখিয়া দেওয়া তদাবক नामा मुख्य श्रकाम इर्हेस যে আসামী মজকর আন্দা জ ৩।৪ মাস হইতে বাতি क अस्ड भागल इंउ याय जा

माभी भीजा कवियामी भ जक्त डेक नाम कानाई-ডাজগরের মাবা আসামী ব গাড়ে বেলেন্ডারা বসাই मा या कराइयानाना वि ধি চিকিৎ সা কর্ণতেও পী ড়া আব্দা হ্য নাই। উ क भारत्व माश जामाभी व बाल पुष्ठ जायभाष अ কাস আছে ও আসামী ঐ বাতিকপ্রস্ত হালে কথ न २ वाषी इष्टें कानाक ৰ যাইত তাহাতে একবা ব টালীগঞ্জে মাৰ খাই য়া অব্ধি আৰু কোথা य ना याद्या चत् था কিত ও উহাব জ্রী বাটী

इरेट कानाख त यारेगा जाममेन इइ त्ल जाइ। त्र नादमिश्रम नागठ इंदेड। वर्ष भान भारत् २० जून म जाशा जावित्य वी ला जामाज ११४ शमीव नगय आजाभी व श्रीका वाधीव उर्काउ भारि ला ক বাহিতে ও আসামীর की आवमानी विवि वा ही हरेट किছू उर्फाड शुक्रितिनेट जल आनि छ याउयाय जामाभी -भज्ञन्त उपश्रांक ना प থিয়া অপপন মাতা একা की वाही छ भाका य ड হার জ্রী কোথায় সিয়া

ছে বলিয়া জিজ্ঞাসা কৰা य कारतका स्म आर जा মিবেক না ও তাহাকে জ ज़ार्ह्मा निमाहि बला ८७ छ। माभी भज्ञत रागठ इड़ যা আপন ঘবেৰ বাঁশে व १५कां लाठी लहेश श নেষ্ঠাকে উহাব বাটীব লো श्राम धरत्त् मशुस्य जिन अवि या लागे मोवाय अक शा पक्षीन कर्तन उभव যে তাহার কালমিরা দাগ ये कत्नेव डेभव माभा भ র্য্যন্ত প্রকাস আছে ও দো मता या ने भार्ख मन्ड কেব উপব লাগায লম্বা जिन जंभली ७ व्हजा ७

भर्वा এक এक वुक्स क भम इरेश मखरकत ली जाकिया या अयाग् ल ই স্থানে পডিয়া তৎক্ষনাৎ मृथु इख्याय आमामी भ জন্তৰ আলে জবৰ লাঠী इस्ड लाई दान चित्रिल থাকাম আসামীৰ জী বা ही जात्रिया उपद्य प्रि या जात लास कताय প্রতিবাসিনী মল্লিজান ও मूमदी विवि ७ उभिव ल यामा ७ काजिय (भयामा ও ভোমৰ পেয়াদা ৰুটি তি তথায় পর্ভচিনে নাস তথায় পডিয়া থাকিতে ও আসামীকে আলে জ

वव बाठी शक्य चित्रिक থাকায় ও আসামী উজ-উমির পেয়াদাকে নাঠা মা বিতে উদ্ধত হওয়ায় কা তিব পেয়াদা সাহসী হই য়া পিছন তবর্ফ দিয়া আ দামীকে ধ্বাতে ভোমব ও उभीव उक जामाभीव इ द्भव नारि काडिया नर्ग उद्देशका जिन जत्न जामा ब्रीत्क प्रापिया शीह त्या জ কবিয়া আসামীৰ ঘৰে र पाउराव भूगीत राक्रिया ৰাখনাত্তে আসামীৰ পিতা এবং মতি পেয়াদা প্রভৃতি অনেক অপসিমা স্বলেকার लाम ७ जामाभी तक वसन

अवश्य पिश्याहिल। ४ আসামা মজস্ব আপন এ कवात डे॰ जाल जनक लाठीव वाडी झाविशा जाल न भाजा दालकारक मार्नि या भुनक्वा श्रीकाव जाह व्यक्ष्ट्र उपाद्क्र श्रावा अ অপসামীৰ একবাৰে আসা মী মজধ্ব বাতিক এন্ত भागन शास उँउ जास कवव नाठी यादात्व त्रा र हिरु इसे इड्रेग्राइ जा থাত ক্রিয়া আপন মাজ কে খন ক্রা পন্ত প্রমা ন। তাত এব তাগসামী মা য় আলেজবৰ লাঠী অংশ हासान इकाय कवियामि अ

नाक्रीनन क जानाम अनुयाया তদ্ভী ও কাগজাত সম্মানত श्कुर्व भागे हेश अव्मा नंगी হেতুতে আসামীৰ বনিজা তাব্দানি ও প্রতিবাদিনী ম विकाम ७ मुम्दी विविक्त धं विशामी शकित ना कवाश जाशिमिशक आक्षेत्रेड ना পाविया जुलाएकार्य नित्व मिलाम एकुंद कर्फ नित्व पन देखि जन ३५ ९२ पाल जारिय ३२ जुलाई মোতাবক সন ১২ ৫৯ মল ত্যবিশ্ব ১৩ আন্ধ ब्रोक्शनिष्ठं भा नार्या পানা কালী ঘাট

# श्रमात्व माक्री

সন ১৮৫৮ সাল তারিখ ৩ জুন মোণ সন ১২৩৫ সাল তারিখ ২২ জেপ্ট

बात्मार्श्नी जामानक उप मिठ रहेगा छो ठ १ तक वाली भाइत्व भावा अन ३৮80 मादलब ए जाकरंग्र विशा নমতে গমীব কপে সঙ্গ कर्न अञ्चल भूत्रक क হিল যে আমাব নাম মো हिनी जिन्दा का का भागा य গী বয়স আন্দাক্ত ২২৷ ২৩ বংসব সাং বেলতলা পে मा पुःभ भाइन्छ

#### **जउ**याल

র্যুবর দাস বৈরাগীর না লিসী চুরি মোকদমার কি জান ইতি

জবাব

भारतात ताता आप्ता त श्रामी ताशानाथ यूभी आभाव माक्षाल वालिया हिल, य व्युवत त्वनाभी व भाल हूवी कविया आ निव। आप्ति भारतिया आ निया उठाक हुवि कविछ निया उठाक हुवि कविछ निया उठाक हुवि कविछ निया उठाक हुवि कविछ भारतिया जाता भानिया जाठाव भारतिया वार्वाव

रे श्रद्ध नम्य कविया पूर्व अरु ५ वर्ष वर्ष के वर्ष के प्रमुख्य वल जालाय वन क्रा अ करें। जिनुक दृति कविशा আনিয়া দাবাম যে ভাভ भाष्ट्र आहा, जादात्र छिउ ব রাখিয়া উপবে মাটী हाला पिया व्याभियाहिला আমি তাহা দেখিয়া পাজ ব লোককে বলিয়া দিব ব लाय जाई जाय वादा के मि পুক তথাহইতে ত্রলিয়া বা हीत नमुल्य य दीन जझ ल जाक्षे ठाठात छिठत्र क निया जामियाछिल। ये मि मुक य पुरेष जाला रम हिल जार्ग भुलित्न भारत

नाइ जाइगळडे जाहार छ তৰ বিকি জিনিসপত্ৰ ছিল তা इर जरिम प्रिमाइ । के जिसुक मिश्रयाय कार्रीहरू আব কোন মাল আনে नाइ। প्रवित्र आउ-আমাৰ স্বামী ৰেলা ১ টাব সময কর্মে গেলে-মানাব লোক আমাব বা টাতে আগিয়া আমাকে जिजाना क्वाय जामि अ है मकल कथा बलाउ-भागाव लाक के मिन्तक भिरुक्त वम भाका जेव म्हाय ये जम्रात्व छिउव হইতে বাহির করিয়া আ মাকে খানায় ধবিয়া ল

र्ग भियाहिल। उन्तर अ ৰ অগমি অগৰ বাটা যা देख भावि नादे, अदे क था मुनिया जामात् यामी काभाग भाषाद्या भिया ছে। অগिম এই জানি এ भिमुक एकुत् हालान जा भियोछ । शेख भोजूम भि मूक प्रिया ठम श्रेषामी अ मिमूक हूर्ति कत्राजा ना रालिया जिनाक करि ल। देखि त्माइनी

अमः कविश्वामी वश्चवन्ता म देववाशीव अजञ्च अ जिल्ली माकीव जवानवनी প্রীবনান্তব

## প্ৰুম হইল যে

श्कित त्यादिनी मार्की उस त्याद्य श्कित इत्यन मत्रख त्याद्यात्य तिम्य भाय अ मात्वाभात नात्य भत्याश्या ना इय त्य ज्यामात्रीत वाषी त्व मर्वतमा मृक्षि त्यात्य वाषीत्व ज्याप्रात्य वा । ज्य नुमकात्म भुव कविया भा भाय देवि नम अन्दम माल जाविश्व २२ त्वार्थ

অদ্য পেস হইয়া

যেহেতুক ৩ জুন তারিশে আসামীর অনুসঞ্চান করি যা প্রেন্ডার করিবার নি মিও দারোগার নামে প রোয়ানা হইয়াছে কিন্তু আদগাপি আসামীকে প্রে ভার করিয়া পাস্য নাই তাত এব প্রুম হইল যে

मार्वाभाव नाम ठानीम् প্রোয়ানা হয় যে फ्लंल र्फ उत्र मार्वक প্রোয়া নার গ্রুম তামীল করে ইতি সন ১৮৫৮ সাল জার্থা ২৩ জুন

#### मर ७०

সন ১৮ ৬৪ সালে তারিখ ৭ মার্চ মোতাবেক সন ১২ ৭০ সাল তারিখা ২০ র্ফাস্তন।

মহকুমা সত্থীরার ফৌ জদারি আদালতের রোব কারি প্রীযুক্ত বারু কালী চর্ন গ্লেষ রায় বাহাদুর ডেপুটী মাজিফ্টেট

ভাত্রনান ত্র চ্চ্নী দৈবচন্দ্র বন্দো হরিনাম বিশ্বাস পাশসম দীপর হেমচন্দ্র বন্দেগপ্রা

### মোণ জাল সমোপ্তার নামা তদ্ভ বিধ্য

हावना भन् आश्रील मृत्य उ মেখিত মোকদমাৰ মুলন মী মহা মানঃ হাইকোটে প্রের্ম জন্ তথাকার জী যুস্ত আপিফান্ট বেজেফার বারুর ১৮৬৩ সালের ১জু लाई जाविध्यं नकल त्या वकर्शवंव जारमभानुमाद **८**ङ्ला २८ ट्रिक्टमे श्रुगमा র মহিমাবর ত্রীরেও সেমন कक मञ्चित् २० जलाई তাবিশের নকল রোবকা विव के जिलाव भानध्यान बीयुष्ठ भाजित्धृरे नारइत बद २० कुना है उतिस्थत धकुम यूटक शामानादम्दम অগেত হওয়ায় ২৯ জুলা हे नकल द्रावकारि प्रश् अ भूल नभी श्रेमश्री औ युक भाकित्ये माद्दत्व एकुट्व भागान मियादहा अठके ये नभी कंत्र अर्घ क् नाई। ज्यायत के मम क्र हुडाउ आदम कि इहे याद्य ठाइगद्धा कान मन्या म जाभाज इय नगई

প্রবাস না থাকে যে পূর্ব স্থিত হাকিমান এ সম্বন্ধে ক্যেকজন আসামী হাজির আনিয়া মহামান হাইকো

त्व हुड़ाड आदम जला काय भेंछ ७० जामधे जा রিখে ঐ হাজির আসামী য়ানকে মাসকাবার হইত খারিজ দিয়া মোকদ্মা मूलउरी जाशियादहन र्वत के हुए। खादम्ब क्राञ्च इ ওয়া ভিন্ন ঐ মূলতবী মো कप्रमा निकाश शक्त का न एकुम प्रथम गारेस्ड भार्तमा । अञ्चव

### **প্ৰু**ম

তাএ বোৰকাবীর নকল জ লা ২৪ চোৰিবন প্রগদাব মহিমাবর খ্রীযুক্ত মাজিথেট मार्ट्द्र एकुद्र भागान शश्, भानम या के प्रम्नाम महामानः। हाई काएँ हहेल हुए जा प्रमे क्षमान हुई शा भाकित्स मञ्ज के आ मास्ट क्ष्यने भक्ष उँ छिड जन्मि क्षमान नाशिक कर्नन। है जि

#### <u> थ्कुभ</u>

कान अश्वाम आित्रशाहि कि ना श्राभाष: प्रश्नाक क जाश्व किर्फाण प्रश रेजि मन २४-७८ माल जा विभा २० मार्फ

#### म९ ७३

त्रम ३५ ७४। ७३ ८म

वामी भाषव काविक व शिक्ष व व्हेशा ३৮ ४०। ८ आकरे भटा श्री श्री कि श्री के श्री का भारक जाका कि श्री के श्री क

আসামির মোজারের সও

क यथन नर्कत् ७ किनु र जियाय पूर्वला तिहे বীব বাটীতে ব্যথে তখ न नमी टिकिंग्व अप किकीमात ७ तुधुरे कोकी দার বাতে ব্রার্র আমা त् निक्छ भाश्वा पिछ। य द्रांक अथभ मुर्वता व वाँठी दन याई, ज्यान का हाकीन क्रिकामान जाभाक नाटंड कविया सर्था यात्र । देखि

शद् राष्ट्री आश्रम र्हेश श्रकाम कर्तिल य अश्रद रातू आभारक हाष्ट्रिंग प अलव श्रूभ पन । नर्धव

মাধৰ কাৰীকৰ X

न९ ७२

সন ১৮৯৪ সাল তাবিখ ও মার্চচ

মাষৰ কাবিকর ঘ্রুরে হাজিব

इंदेशा ३৮ ४० मालात ८ जा क्रे मल श्रीज्ञा करिया कहिल, नाम मास्य कारी कर, शिजा नर्कत कार्तिकत यम ७० वरमत (अमा का अड़ दूना। मार नीकमारि भाना उट्टे

#### म ७ ग्राल

जाभाव कि अक्षश्व क वाव जाविश्व जामि विल छ भाविमा এक भाभ भड़ रहेगाहि, जामाक जाका हेजि भाकमभाग स्थव के य हैनिस्मकंग्व ध्यक्षात कविया भाविषा पृहे पिन

बारम जाकाइंड धरिया दम नद्धा कर् विद्या মুধ ও চড় ও মাভায বা छि प्राख। भर्व उिक्रिव भी खर जिमाय जामाल চুড়িয়া দেয়। উদ্ধির আ प्रात्क कर्ट जाकाइंडिव भारत् मकान जाक मि<br/>
रिंड ইইবেক। পরে 8 द्याक वाषीत्व भाकित्स গোপাল ব্বকন্যজ আ भारक धविषा करीम श्र त्व देखत वातुक निकछ ल देया भारत देनिस्मक्डेव ও সব ইনিপেকটর কা लिकानम् मुल्याभाष्यभ्यः १ জনে আমাকৈ গাঁৱে ল

ইয়া শৌকমাবি গ্রামে আ সিয়া আমাৰ প্ৰানা ভা लाजी कविया ठंठे ३ भा ना ७ वाँछी ३ छ। वाछि व कवित्स जामि माविव ভয়ে ডাকাতি মাল ৰলি যাছিলাম। পরে ঈশ্বর य जामारक लायमा न र्क्य मर्पात किन काटभत् किया कविया मिला आ হারা আমাকে সাত দি न नम्न भुद्र पूर्वसा । भट्ट नर्फ्ट मर्मान् अ मारक मर्ज किर्या त्मल র পূরে অগনে। অগমি উপবে কহিতে ভুলিয়াট্

আমাৰ প্ৰান্তলাসী কৰি য়া আমাকে ঈশ্বরায়-मार्ट कविया मक्षा शुन् भारम लंड्या शिया अके लाकानीय मन्द्र जामात का ७ वाकिय। एवक मविभाव देउन मिया छिन। वाभिष हिल किनु जातं शटा श उ किं के खत त्राय मिया তামার চকে তৈল দেয়। शीके लाशे पिया त्यापाक मिय जामि पिश्व भाइ ना। ठाइगढ़ जामात् पूर् शुरुव क्वजाव भिन हू के मक्षांशून इक्टेंड नमन शूद्व लड्यंतियों माज

मिन पुर्वतला देवखेंचीव वा हो द्वारभ। भरव जा भारक नर्कत मम्प्रेत मध कविया ८५ शुष्टी माछि छेटे मार्ट्स्टर्य निकंप स्मर्ट्स शुद्द भाग्य। भद्द देवम नाभ वातुव विश्राप्ट मण्ड আমাকে নন্দন পুরে বা मार्वाणी खिशाल देवम्भा थ ছिल्लन उथाय लहे या याय। उभा इङ्ख पुरवनात वाषीक वाशि या याय द्राक आदा न र्फ्य मर्पाव दशाद्यन्। अ मानिक द्याध उ किन उ कींत् भीत आत तुभरे लिकिमंत्र ७ देवमां भाश

বাবুর একজন চাকর ক্রাক্ ন আমাকে বেতাই প্রামে नाजित मज्की अयानात् वा हीटि सर्मा याम । उथा य जामि नर्कत् ममात्ला व्यक्तात् तम प्रट नाजित् সদাব আমাৰ সহিত জ काछि कवियादम् वसाय अ श्रांक ध्यक्षात् कृतिया पुर अर्व दिलाव नग्र नन्न भूत आनिया के त्राक देवप्रभाभ वाबु जामात त्मरहर् शुर्व हालान दम्य। ভাষাকে প্রথম গ্রেম্ভারীর १२ (बाज अर्व अश्ववं वाय চালান দেয়। আমি সক ल कथा आयुक रहतूरी

माजि क्षेष्ठे मारहर्वत १ क्र त्व जाना है। अत्व आ मारक भानाम दमन

भाधव कार्विक्व

## গ্ৰুম হইল যে

वामी क पृष्ठे ७ ठम्छ्व प्रकः भर्द आभाव कावा जिम श्रिमित् प्राञ्चा द्वा निक्रें भागान याग् रेडि प्रमान २৮ ७८ प्राल जावे भा ७ मार्क

#### ন্ত্ ৩৩

#### ১৮ ৬৫। ২৬ আপ্ৰিল

वाषी आहेग मल श्री छा करिया कहिल आ मान गम मश्र कानिकत भेठात गम मश्र कानि कर्म जाि जाि जाि न्य म २६ वहमन जाि गम नुगानकत्म लाभा भण्म जािनमा नियम माख्या भी भामा क्यालिश्युः

भठ २१ टिड जानित्य त ला २ श्रद्धत् मग्रग् शोके त्र जामाभी निवादणाक

লৌবে ও বক্স পাহারা-ও আলা ও অনুপঞ্চিত আ भीत পाश्रावाष्यांना अ हैं। प भाश्वाअधाना उ मा नारे भाराया शाला ত্যামার বাটীতে গেল এ दः जमामात् भिवादनाक किछामा कवित्वन इति र्घ काविकरवव अहे वारी कि ना। जाङ्गातः इतिस त्कंत वत जानाई ज्या इयादिल । ये इविकं आ দাব চাচাত জ্রাতা হয়-এবং বাটীব মরে বাস কিন্তু পৃথনন্ন হইতেছে। उपनख्य जमापाव श्री ৰ্ফকে ধবিয়া আনিতে

एकुम प्रथाय इविकं जाशन धर्वे प्रवादा ज्जाद्या मिल आभीत ওবক্স পাহাবাও্যালা ঘ द्व भाषा अदम कवि या जाश्रास्क वाहित्व आ বেত দাবা প্রেট ও পা किल ठउ भावित्व नाशिल । जाभि वादिन इंदेश पा शक् भाखन प्रशंश क माम्। व श्रुम म् अयाय व कृम जामाने हुल शतिया त्वेउ भाविल जेवः छाविभ ষ্ট ভিন জন পাহারাওয়া ला जामारक किल ठफ

माविल। अम् मग्रा भ वान क्लिकिमाव के भान कवाव कावन जिल्लामा কর্ময় বলিল যে গত্র विरुटं माल (भालायु आ লমাল কৰ্ম্য এক্স অ তগচাব কবিয়াছে। পর जामना थानाय कार्रे अ वः मादाशाव डेअपम মত এপানে নালিশ ক বী। চাদ কাবিক্র ও মা निक विश्वाम उ उपूर्व का विक्व ७ जामीव कावी कर पिथिया ए। इति जामाभी मिरालार को বেব গভয়াল মতে কহি

स आभामित्य डेरेटल छ स्डलाय मांडा हेया भाव श्री के विट्ड श्कूम प्रश्न या याय। हैडि

न् ७ ८

১৮৬৪।১৭ ডিমেম্বর ১২ ৭১। ৪ পৌষ

भर्कुमा माठिभिनात की कर्मात जामालख्त त्वाव कार्ति छोग्नुङ वातु कालि हर्न त्वाथ ताथवारापुत द्वभूषि भाकित्यु उनिक्ड

इउनाम माठभीवाव की

किमावी छाक्रज मभुनीय उर्शनिमात श्रियनाथ भा लिंड जाभन कर्मा इहेड ভারসর হইয়া কৃত ডিশ জিট ৫০ টাকা পাওয়া প্রাথিত হইয়াছে। সদ্র वक्जीव ३३ जिस्ने मुद्दत् বিপেটে প্রকাশ যে তত্ भिनम् ३५ ५७ आत्नत ২৬ মে তারিখে ঐ কমে त जािंघनीत अविवर्ष एर राका जिलाकि कवाय व य त्नर् > ज्ञन अवित्थ क লা ২৪ পং দ্রীয়ুক্ত কালে करें आद्द्व भूजुत् माभिन इहेशाइ अवे उ हमील माद्वव ये क्यांभाषा

मिश हिनाव किछाव निष्न छि इहेशाट् । कान वाव छ डाङ्ग्र श्रिष्ठ कान म या जार्म नाहे । या इंडेन उहाँगिन मान या कर्मान नि ग्रीष होका छिमालिए वा श्रियाहिन, डाङ्ग्रं इहेट्ड छा वमन इस्थान इस्ल होका उसारमह प्रश्रा कर्डवन

## **एकुम**

আত্র রোবকারীর নকলা জেলা ২৪ পর্গনার মহি মাবর ঐায়ুক্ত মাজিফুট সাহেরের হজুরে পাঠান যায় যে ঐ ৫০ টাকা ও

যাপেয় দেওন নিমিও এ

আদালতে প্রেবন পরেচ
উচিত গ্রুম প্রদানে ঝ

ধিত করেন ইতি

#### न९७०

भूक श्रम उश्किका उलाम काव उ तलाय प जिपिया मृष्ट्र इख्या। मृज अक वाम क्रिकिपाव की आलापी किश्वा मार्कि म जाकी भवतान भिल म भालि अलाभा मूभ्य य मूल्याभाषाय किमल व भक्षिम डेखव का म २ माहेल वंश्वधान २৮७० माल जाविश २० जुन मन २२१२ माल जाविश १ आखल

ञाप्र मिवा ५ वनेगव-মম্য জ্পম্পথ পূবেব জ भीव किंकी भावं खें अन श किया पिछ जारेमन का लिन छ भिंठव छ भव भा বৈব বাভাব নিকট অখ র্ম গাছের তলে তথাকা व এक व्राप्त क्लिकिमाव श लाय ५७ (मय विवद्भ বাচনিক প্রকার ক্রনান্তর অধিন সমেত চন্দ্রকান্ত মি ज ११७ कन छिरल ७ व लाक कन खेवल ७ ५%

क्रमीत ७ जातीक क्रिक व ७ जमनाय शुरुव है স্ব্চন্দ্র মন্তন ও খাতেব চোকিদাব ও ডগতীর পা চাই কাহার প্রভৃতি উক্ত भाइडबाग् अइहिंग ने भा एक श्वर्विम्लिव भ्याना जांक मुख्य भनाष ला ক বাকা তেতাবিয়া > গা हा नुउन मिंड रमें का कू सान डेश्व भा प्राधीक्ष ३॥ इंग्ड उँ इंह अ अलाउँ म हि ये जाल इहेट राम्श उं नीतः पृष्टि कविया भे मकल वर्शिशत्व दावा बाँगेट नामा हेगा डे अत्वा उ. वंशिक्षात्वत् । मृद्धत्

म्रमुव काम विकादा उ भाम उ कॅप्रित उ जाम्य उ मन ল বেহারা ও ভগতির জা नाम भाँ ७ लाल भाँ ७ जा वजान ७ जात्मान भा ७ ञाम् वमी अवमान ७ अक्रा न मन्मान ७ भारती ७ **প্রেম্পাল** পাজি ও রুফ ক र्यकाव उ यक् भ आभानिक उ अनुसुष अवाभानिक श्रेष्ट्र जित्र त्याका त्वलाग जशक क कार्त्या (मभा भान (य মূত্তের বয়স আন্দাজ ৪৬। ४१ राज्य । महाभन्ने भश म मित्र एक मुन्डि जिट्टा गहित रहेग्राट् । भला त धा २ जाअति छ उड़ा मिछित

दांश रामका कारिया विमया গিয়াছে। স্বীবে কোন দা গ জন্মম নাই ও মৃত্তের হ স্তের সড়কী ও এক খানা कांचे नांची के भाइजनाय পড়িয়াছে। উপবেশ্ব ব किश्वत् निक्रे किकामा -नाम कविया उम्छ क्वाय ও অনুসঞ্জান মতে জানা গ ন যে মৃও অতি গবিব ম नुश्र । १। १ मार्टी भविवाद वरमव प्रश्लं । मुद्दे जिन मित्रम अ शेविकाव गदनव ও নিজেব আহাবের কম হওয়ায় গতকল বাতে চা বুটা ধান জানিয়া ভাহাত य गर्डल इरेगिहिल जंश

বি ভাত পবিবাৰ গনকে पिया अ निष्क किछ आहे वा उन्नः कीव नास्ड स भका कविया भए जिल्ला जाभना रहेत्ठ भनाय पि पिया भवियादछ । इंदा रूप তিত ওস> মবনের প্রতি -ত্যন> কোন কাব্ন বাই। এकार्न भूट्यत लाम प्रभ ল ক্রনার্মে তস্য ও্যারে त्मव त्क्रमाय पिया मृत्क त कीव अकाश्त अभा লেক জামিনের পঞ্চের এ एउला मह निर्वापलाम है छि भन ३५७०। २० जुन

## মং ৩৩

महामहिम श्रीयुष कार्ने माकिट्यु माट्य कला कम्य बेरायद्य -

मत्थास श्रीयस्ट्रियाक्त् स्माकाय बाङाव काली भ अ भव्यास सङ्घ्याम माहि नित्यम्न अङ्ग्रीयम काली भक्षत जावड श्रुक्तीय जाय ला भने द्याप्तेवका इङ्ग्री-जायाव वाणीव भव जानिश् काव क्षत्यम श्रूवंक जाया का भाक्षा कविया भावा स भावतम क्षम वाश्रीया व টাকা জৰিমানা কৰিমা ল ওয়া ওচুবি মোকদ্মা গো পন ক্রা ইভগদী মোক দ্মা থানা কোভওয়ালীব

लमा भाना काउ उपातीन দারোগার দারা তদভেব श्रार्थनाय जात्री एकुद्व प्त খাও ক্রায় মোকদমার ত मात्क जने नाथव मार्वाभा मश्मम् नाकानाद्या थे जा কদমার তদারক জনঃ ঐ भागान माद्य माद्राभान मि करे अव्उद्याना वाश्विद्यादछन ধর্মাৰতার উঞ্জ দাহেৰ দা ৰূগাৰ ঐ মোকদমাৰ তদা রক পঞ্চে আর্মা নিভান্ত না

ৰজ তাহা হাবা মোকদ

भाव उठीठ उपादक इर्ब

ক না কাবন আমাব আ मामी डेंड भाना कली भ क्षत् नाथत पाद्यभा क्बीनी কান্ত ৰায় ঐ সাহেব দাৰো গাৰ নিজেৰ পালিত লোক এবং আমি এইকপ ভাহার नात्म प्रभाख क्राय मार्ट्व माखामा माद्य जाश्राक व ই সংবাদ অপ্রেদিয়া সাব্ধা न करिया प्रजुमाल जामा भी उंछ भावत माद्रामा अ ভূতি আমাৰ মানীত সাজী मातुम गत्नत् जद्य धरिया भा দন কবিতেছেন এবং আমী वह प्रभाख क्राय छेउ ना এব দাৰোগা আমার পর অ ত্যন্ত হইয়া আমাকে

प्रस्ति। नाना श्रकात् उरुभाउ कवित्वद्भन जाइग्र उत्भाद्ध र जन्मनाग कान मत्र छ हाय शाकित्व भाविमा श्रका বন দৰ্পাও কৰিয়া প্ৰাথীত य जामान धरे कारु मेमन তদাৰক জনঃ মানা কোতও यानीत प्रवंदेनिम (शक्रोंत प्र रामन्द्र नात्म श्रुवाना अ हार कित्रक जारका इस इंहि अस ३२१२१४ तेष्ट्र

म ७१

मवर्व भाकाम वाक् हे शृद्वा मध्कूमाव क य्यमीव आश्रीम মহামহিম শ্রীয়ুত্ত জেলা ২৪ প্রথমার মাজিট্রেট মাহেৰ ব্রাক্রেণ্

দৰ্মাশু অপৌল রসার জেহে লথানাব দোসবা ভগবানপূর माकित्नव औराभधन भस्रलव नित्वम्न अञ् त्य कंत्रिशामी नवकुमान वन्साभाधभाष्यं ना लिमी काशफ़ इतित त्याकर्ष मा त्याः वाकरे भूदवव औ युष्ण अत्रिक्षाण चार्षिदक्षे मा क्व जन ३४:३८ जा त्लर् भठ তারিপ্সে আমার ৬ মাহার্ম याम मियाद्धन अ ध्कुम आ মার পঞ্জে নিভান্ত অনগ্র হন্ত্যায় তাহার অসমতিতে

निस्मान निभिष्ठ दङ्गुनादम् छा श्रील क्रिट्डि श्रिनिशादन বিচাৰ অপজ্ঞা হয় । । वामीत अकशत ७ ७म भुक्त्राया मार्क्षीमत्त्रं क्रवान वंकी शत्रकात जलका इथ्या य वाहित वाही जावह्थ ना इउगात इस टायाम म्डिया নিতান্ত অনগয়।-।२। वामीत ७ उद्यान मार्की গনের দারা প্রকাশ যে আমী यरकालीन वक्त हुवी कविया ছিলাম তৎকালীন তথায वामी ७ जंगः मांकी ७ मादा গা ও অপর্ ২ বছত্র লোক উপাস্থত ছিল কাশুবিক আ भा कर्षक द्वृति यभात्र इरुस

उरक्रमारं रख मत्मन जनमः हं প্রপতার কবিত। তাহা নাক রায় এবং ৩ংপ্রতি সাহেব मनुमुक्तं अनिश्रान ना कविया लियाम प्रथम जामान नम् त तिश्वना विलिट्ड इन्डेटवक।-191 जंगांमे महाविद्यु भनु ধ্ তাহা বাদার ও আমার मानिक अञ्चराया माक्रीत म বা বিধিমতে প্রকাশ হওয়ায় च्रा जाभारक निव्भवाद्य মেষ্যুদ্ দেও্যুগ ভালঞ্চ -181 वामीत मार्का काला की কিদাবের এজাহার মতে বা না কাওবা ও জদুনাথকৰ वम्भार्यम ७ ज्यांहिनाय मा द्राशा हालान मिरोय आभि

े बन्दी पिशदंब व प्रापित श কে সার্ক্রা দেওসায় ভাহাতে के वामी मिशव भालाम इ हैटल এবং प्राधित नकत् व काली क्रीकीमाद्वत् नादम टाका काडिया लश्यात मान **তে নালিস** ক্রায় আমি के क्रीकीमाद्व विभक्त नार्का (एउश्राय के नमस् ञाहिलाय पाद्यामा ७ की কিদাবৈর সহিত আঞ্জে থাকায় উহাবা বাদিব স হিত যোগাযোগ এই মি भाग घटना करा छिन्न नक । ८। माद्य प्रदुमुदक्व वि हात्उ र्फ्यकालाय ७ वापि द कामर जाकीत मादा

श्रकामा य पारवाशा जाया কে নিজে ভেষ্ডার করিয়া ছেন কিন্তু যখন দারোগা नाट्य मध्मुदर्भत इकुद्व राजित रहेगा रलक्ने अल হার দেন নাই তথ্ন সা कीत् श्रि निर्णेष करिया মেয়াদ দেওয়া অনগ্ৰ ও অবিচাৰ বলিতে হটবেক। । ও। আমা কর্তৃক চুরী য भार्भ इक्ट्रेटल इतित माल जामि निटक लेट्या याइ তাম। তাহা না লইয়া আ মাৰ ভানাত্ৰীয় ও ভাচেনা ভিন্ন প্রামবার্গা বাদীর এজ হাবি ছোক্রা রাপাল আ भाभीत निक्र हुनीत रेख

দেওয়া ভাতি ভাসম্ভব। এ গ ভিকে ভর্মা আছে যে হ জুবের বিচাবে আসিফান্ট সাহেব মহসুর্ফের অনগয় বিচার ক্রমন্ বলবৎ থাকি तक ना -191 यपिष्ठ मार्ख्योगन क्षका म कद्व या थे कान करिया জলপান করার সময়ে কা পट्डव गार्वि निक्रे वाश्रि शाहिल र्कलंड: मड इंडेल ये भगेवि अधिक हृद्यं शा কিবাৰ সম্ভব নহে তাতি নিকট বাসিবাব সম্ভব। এ গতিকে আমা কণ্ঠক চুর্ यथार्थ इंदेखः वादी ७ मा জাগন আমাকে সরাসর

नासस्विका पारवाशाटक कार ও ভাষিक प्रदेव खामादक धा প্তার করার কারন কি। বা ही अ प्राक्षीशन स्यर् र ह বিব কালীন ভাবশাই ধ্ত कविछ। खाव २ विद्याविङ भि छिलं कालीन निदर्मन करि व । , ठाउथर जाशील करिया প্রাথিত যে জিম তলবান্ত সুবিচার অনগয় প্রুম বহি उ शूर्वक कान्। आरत्वं माग হইতে মুও কবিতে আজে হয় । इंडि मन ३२१ माल २२ की खन जन ३५७८। • मार्घ एकु घ

काशीरलं विश्व नम् मि

७४ मान ४ मार्क अम् आभी ल मिश्र लिम इत्या ताथान ह्या करापित व्यम मिश्र ह्या करापित व्यम भाका का ना याय ना ठाटा कामा आ न करापित व्यम कठ ठाटा निश्चित्व करा क्लास्त्व मा रम अस्तायाना कावि द्य म न अम् ३४ माल ३५ मार्क



**म**१७५

ম প্রীয়ুক্ত বি দি দি ও প্রগনার বি দি উর সাহেব দি দি বরাবরেড় দি দি মহামহিম ভীযুক क्तला २८ প्रवंशनाव কালেকটর সাহেব

वामी শ্রীব্রজনাথ বায় খ্রীনবিনচন্দ্র নন্দী সাংআহিবিটোলা श्राएकेरोडिकी সহর কলিকাতা ডিহা পঞ্চারপাম

श्रिवामी

भिन ना॰ लाय उनदित् राकि जाज़ आजना माय मुम् काः 8> টাকা नालिएन् विवत्न अ रे व्य डिश् भक्का आत्मर्

प्रक्षा उंगी हु कि बाद्य आ-मात्र श्रविमा अकत् सूमि य आष्ट् - उन्म (४८ % विधा जि पि रेखक जन, ১২०० जा-লের **মাহ**, ফাক্ণণ লাংসন ३२१७ मालिब मार् माघ ४ ज़ित्र अन प्रशास क्षि वामी मङ्कूत मात्रिक त्यार् ३०० **धेका रिभाव** आसियाना ३३% तेका छाड़ा याजाना अवशादित्उ प्रन ३२७० मा-লের ১০ তাত্তণ তারিমে আমা বরাবর পিরি মেন্ট क्रबलिं लिथिया पिया दा-জন্ম আদায় পূর্ববিক দখলিকার आर्ष्ट् जादार्ख देः प्रम ३२१० मा-নের আশিন লাংশৌষ ৪ চারি

ঘান্ তলতের বাকী তাড়াখাজনা (कार्8॰, धाका । उ किन्ठी (थला नि मूप > १क रोका धकुल 83 টাকা আমার ওয়াজিবী পাওনা তলব ভাগাদায় আদায় করেনা খতএব সন ১৮৫৯ সালের ১০ আইনের ২৩ ধারার ৪ প্রক त्र घटा अधिवापीत फ्रिक क वूल छ माश रिमाय प्रप्तिज नालिज क्रिय़ा आर्थिनेय त्य क्रिड मंठ প्रठिवामी प्रक्रक्र रक र्जुद তলব করিয়া আমার নিকট প্রমানাদি প্রহণে মায় मृদ मा-বির টাকাত আদায় তক मूफ थर्डा भरमज अ आर्न मज जा मिज़र म र देवला रेख आखा

হয় নিবেদন ইতি সন ১২
৭০ সাল তাং ২৮ মাঘ
আমি প্রীক্রজনাথ বায় প্রু
রে জানাইতেছি যে তাত্র তাা
রিজির লিখিত বিবর্ন আমা
র জ্ঞান ও বিশ্বাস মাত্র সহা
ইতি প্রীক্রজনাথ বায়

ত্কুম হইল ডিঃ কালেকটার আবদুল লগী ফের হজুরে সোপদ করা থায় ১৮৬৪।১৫ ফেব্রুয়ারি হকুম

আগত ১৭ মার্চ দিন ধার্যাত্তা মতে সমন জারি হয় সন ১৮৬৪। ৮ মার্চ্চ

### मर् ७ २

মহামহিম জেলা ২৪ পর গনার প্রীয়ুক্ত কালেকটর সাহের ব্রাবরেড় ২৪নং বহিং ৫১নং মোই দাখিল খারিজ ১৮৬৬।৬৭

দ্রুপ্রশেশ তালুকে নাম জারি র প্রাথিনা প্রতিগ্রহি টোধুরানী জন্ত-জে ও গৌর্গস্চন্দ্র রায় টো ধ্রী সাকিম আজিজপুর, গ্রগরে সাইহাটা। নিবেদ ন এই যে স্বামী মহাশয়ে র সৈতৃক তালুক অত্র জ্লো

র তৌজির নিথিত ১৮০ন : মহা-न कीः भवगरम भारे श्रीत भा-তে সাজিজ পুর দিগর মৌজা-श्त जाश डेक नंबद ब्रज, त्रघू, क्राम, क्षा, ताज ताज जुक नाम कान्यानि ७ >> ٧ ৮ ोका जमा लिया जाय ये अलु-क आभी घरामायत भीठा छन জ জুক্ত নামের মধ্যে এ ক্ষর অর্থীৎকৃষ্ণ দৈবরায় মহাশনে वक्म काना ने क्षा का तिवत ৩ প্রত্র জে স্থ লৌরাম্ম চন্দ্র মধ্যোম ताम् लाग कर्निष्ठ भाकि हे हवन द्वार **७ विधाप्र** श्वामी डेक लोवाश्र-एक वाम महागरमब निकार्म রক্ম (৭×৪ সাত গোল্ডা हाति एंखी रहेत्उए यात्री

মহাশয় উক্ত রুক্মে দ্থালি-কার থাকিয়া অপুত্রক সন-**>২৩** সালে লোকান্তর গমন कतात आपि उंधाधिकाती विधा-য় স্বামী মহাশয়ের তেয়-উক্ত রক্ষ তালুকে নিলতারা ও হর মো-হিনী চৌধুরাণী ও কালিনাথরায় - अ स्पर नाधाताप्र को धुति अ कालिकाउ ७ निल कमल ७ षाक्रि কা নাথ ও মাধব চন্দ্ৰ রায় চৌধু-রি প্রতৃতি সরিকানের সহি-ত এজমালে দ্থলিকার আছি अठवर अरेक्षण के जानू क আনার নাম জারি করা আ বশ্যক একার্ণ মত্র দ্রথান্ত क्रिया आर्थिंग ए डेक तक्र अल् क औ- মার নাম জারি করিতে আ জো হ্য। নিবেদন। ইতি সন ২৭৩ সাল তারিখ ২৮ ভাত্র

তপদীল
দাখিলা

দাখিলা

দাখিলা

দাবী ও ২০ জানু ভারিখের

থারী ও ২০ জানু ভারিখের

থাজানা আদায়ের সহি মা

হরের দাখিলা দুই ২ কেতা
মাত্র

মহামহিম প্রায়ত হৈ চি জেলা ২৪ প্রগ্নাব দি কালেকটর সাহেব গি ব্যাবরেও দি

# वामी

श्रीत्राप्तक वत्माभाषाय तार् जानत्व श्री वृत्ताव्न प्र प्रारक्षी भः विविद्या

প্রতিবাদী শ্রীরাধা মোহন মন্তল সাং বেজাড়া ওর্দের্চ বানেষর পুরু পং ববিদ স্টী

দাবী সন ১২৭০ সালের ইং বৈদাখা নাণ্ সন ১২৭২ সা লের আম্বিন তলাবের বা কী খাজনা আদায় বাদে মায় সুদ কোং ৪৭৮৯ টা কা ও ডামিজ পাওয়ার প্রার্থনা

যেহেতু মনিব মহাশয়েব श्रविमा हरू शः प्रयमा भो জে বামনগাছী যে আছে उपार्थः > रत्यः माली १ বিঘা জমাব কাত সালয় ना २० टेका जनाय श्रवि वामी मजञ्जू मन २२ ७० मालात २२ ट्लिक जातिला भनिव भश्भाख्य नाभ ब वाद्व अक क्षा क्रूनि पिया हाम जामि हार्ग জিমি জমায় এতক দুখা नीकाव चाट्य, म मल े जमाय मन २२१० माल व ३१ दिसाभ नार मन ১২৭২ সালেব আশ্বীন ত लर्दित् जामाय काटम् वा

की भाजना आभल ७৮% राका 'उ किसी ध्यामाशी मूम २१४० छाकं। अकंत 894% राका अिवर्गीव न्हादन आभाव अधारिती भाउना पर्काउड उबार जाभाषा य जाम्य ना क वाय ३৮৫२ मालव >• মতে বাকীব হিসাবে ও मूलम्लील अिव्यामीत मी घडे क्वलंडि अम्सिट ज এ নালিস কবিয়া প্রার্থ ন্য যে সমনের দাবা প্র ভিৰাদিক তলৰ কৰিয়া श्रमानामि श्रइतने वाकीव् भবলক মজকুব আদৃথ্য उक सूम थवंछा उद्यामि

क प्रलाइ का आका इंग इंडि मन ३४-७९ माल ७३ জাক্টব্ৰ অগমি কাদী ইহুণ প্রকাশ कवित्छि । अर्थे आवृद्धीव লিখিত কথা আমাৰ জা ন বিষ্পাস মতে সতঃ ই ভ শ্রীবামক্রপ্স বন্দোপাধ্যায় এজলাস জ্রায়ুক্ত এ: মেকা की माद्य डि: काः ज লা ২৪ পর্গনা ध्कुभ इरेस य

उसवाना माभिल करव ना क्रीड़ देक: ८५३ इंडि সন ১৮৬৫ সাল তারিখ ৩১ ত্রীসগমাচবন বন্দোপাধগয় মোহরের

থকুম হইল বিচারার্ম ডিঃ কাঃ দ্রীযুপ্ত মৌলুরী দলিল উদ্দীন শ্র্মা বাহাদুর সমিপে অপনীহ্য সন ১৮৬৫। ৭ নবেম্ব দ্রীসগমাচ্বন বন্দোপাধ্পায় মোহবের

4: अयुष्ठ त्मोलवी म्लिल उद्योग भा वाश्मृत एड श्रीकालकरेत्

প্কুম হুইল যে

२० नरवस्त जातिक विश द्वं दिन भाग्रज्ञात श्रिज्ञ वादीत नाट्य সমन জाति कता याश हेि मन २५% माल जातिश्र २० नट्यस्त

ठाड ठाविकी मिर्ड मा भिली प्रानिक फिर्निश भारेश विभिष् लिभिश मि लाभ रेडि मन २४-५५ मा ल जाविभ २ —

खोत्रामकक रत्न्। भाषाया वः दीन नाभ त्राय भाष्ट्रद्व

छामः दव ला प्रहे अहत र णेव नमय वासी आभन माकीत शक्तित माभील क রায় অনানা মোকদ্মার কায়ে লিগু মাকায় ডাদ जवानवनी इठेट ना भा বিষা হকুম হইল আগত २० नद्यस्य जातिस्य लाम হয়, ঐ দিবস বাদী আ भन नाकी शिक्तदा जाल इंडि जन ३५७९।२३ नत्यभ्व

नर् १२

মহামহিম প্রায়ুপ জেলা ২৪ পর্গনার কালেক্টার সাহের ব্যাবরেঞ্জ বাদী জ্রীকাশীনাথ গ্রোধ-দাং জ্বিট পং মণ্ডব্য

श्रुविनामी श्रुवादिन मालाभादलन म्थ श्रुवादिन मालाभादलन म्थ लीकान श्रुव ज्यो अहिं आँख़ भार गढ़ा क्लीशून शर मु डागाँहा भाना जाहीशून

দ্বি গজা চন্ত্ৰীপুর প্রামৃত্বি ত শেবাজি ১০ বিহা জ মার ফি: বিহা ১০ টাকা হারে কর্লাতি পাইবার প্রার্থনায় সালিয়ানা জমা ১৯৮০ টাকার তায়দাদ ৩০৬

टाकादश्च अहे या मुखामाना প্ৰগ্নাৰ গজা চ্ট্তীপূর গ্ৰা मित्र अभे जिलाव मन्त् आ मिनी जामासक्यामाध्यीत्र নজারীর কাবা আমার দ্খ ল প্রাশু ভুমির মধ্যে ভ পर्नीत्लव किश्मी चिष्ठ त्थ राकी अक लखें ७।० विशा क्रिकिट शिविशमी मक्किव দশলীকার আছে। ঐ জ मिन् भाजना मालियाना ७२) টাকা মহেম্বীদাসী क पिछ। जाशंद्ध छा भाव के नालीजनाट डेङ मद्भवीत चड तिरु र ওয়ায় ঐ জমি আমি আ भाव डिकी मुद्द कांत्र न

ছাৰাৰ দাৰা সন ১২৭২ मालित २४ जाक जावित्थ म्भलक्षास्य इहिंशा हि । अका প্রতিবর্ণদার কেগতে জমিব क्रभा जरभार्श्ववर्षा क्रिय হাবের কম মাকাম এবং उँ कि अक्षिय निमा পবিশ্রমে উবর্ব ও সসঃ ও মুলাঃ কৃষ্ণি হওয়ায় ফি: विद्या प्रालियाना ३०) छ।का হাবে উক্ত ৬। বিদ্যা জ মিব কাত ৬২॥• টাকাজ भार कत्वां मिट उभा का लहेक अठिवाह। व लि তাবে: ৰাব্যাব বল।্য স ना द्वारा ठाइम्ब नाम ३४-७७७नः विष्य ७०७न

मालिम कविदल उँ उ पम न माइन क्लीड क्राय न মোকদমাম উক্ত প্রতিব। मिरक जामाधित व्यमीष्ठक क्वाताव एवधाउ क्नारे काल विलघ मूट ये.धा কদমা গত ১৬ এপ্রেল भाविक इंश्याद्य । उर्भ त्व के करिक्ड क्षेठिवासी त नाता मुख्न नालिम করায় পদাতিকের কেত न माभित्लव देशिमा य भाविक इङ्गाइ। ज्ञान अहे अनिवादीत म्भटल उँक क्रिमे शाका य उद्याद नाटम नालम करा जातमाक अकारन

के अ। विचा जिमित मालि काना ७२॥० छोका क्रमाय कत्लिंछ भादेवाद कादन उभजीदम्य जायमादम् ३५ ৫৯। ১০ জাইনের ২৩ ধা ৰা ১ প্ৰক্ৰন মতে প্ৰতি रामीत नाता अहे नालिम कवित्छि । इंछि मन ३৮ ৬৬ সাল ভাবিম ২ মে ভপদীল জমি **अट्रेस**र्छ ४ वल्म ७१ विशा

इंश्त कोश्ली तमनि एमी त जामीत एकिन लगल कर्णप नक्षत्त् ७ छ।कन त तमञ्चाद ७ तमनी एमी त-जमीत शूर्व मन्नर्थाः ড়ার ও মানিক কবিরা জের জমির উপ্তার দে বিচরন ঘোষের ক্রশ্নতে জমির ও মুচদীন মোগ্রা র জমির পশ্চিম

जलनील भाली ७ तमारे अकत्य वाशान ७। विद्या कि: विद्या २० रोकात विभाव मालियाना ७२॥ रोका कमानं कत्लि शा रेवान वावज अयमाम् ७००

এই নালিসের কাদী আ মা স্থাকাশীনাম ঘোষ ইহা দারা জানাইতেছি যে এই আর্জীতে যে সকল কথা লিখিত জা ছে তাহ। জামার জান ও বিস্থামমতে সভঃ।—

न १८२

মহামহিম স্থায়ুও জেলা ২৪ পর্গনার কালের ট্র মাহেব ব্যাবর্ড

म्त्रभाखन्त्राचित्रभाखन्त्र वि श्रेश्व निवामी द्याकासाण प प्रक्षांत्र निवामन के य जाक क्लान कालक प्रतीत कोकीकुछः । ১১৮ नर्शनुक श्रत्राक्त श्राहे याचय स्माद्ध बाङ्मात् पि গর যাহার সদ্র জমা १४४ छाका अञ्चलनात्राय्व त्राय को धुनी मी भन मात्म तथा यारं वे अनुका আমার রকম ৩১।২ আ नार काउं काम्मानी २०10 ৩ টাকা সদ্ব জন্ম আ भार नाम जाति जाटह अ जाल्द्र जाशवाशव मिर्वकान भालखंखा को जा पाय भक्क मर्वपा भूठी कविया भारकन जाशास्त्र আমার অংশের সদ্ধর্ম शनी इइवाव मसावना विषय अन ३৮ एवं अ लित् >> छाई तन् >० श

কাৰ বিধান মতে হিসাৰ अञ्चर क्रा आरीम क प कार्न फिट्मर ३४ छाका ও नाम जातित दगतकाती मम्बिंड एउभाउ क्रिया প্রার্থিত যে আমার অং শের বক্ম ১১।২ আমন্ব উত্ত হিসাব সহন্তব ক ব্নেৰ পক্ষে বিহিত আ দেশ প্রদান কবিতে আ प्छा इय नित्तमन इंछि म ন ১৮৬৬ সাল তাবিথা ১ সেপ্তেম্ব वक्ष ४३।२ जानाव काउ मात्व क्रमा २०।४७ हाका प्राव द्याजानिकनाथ ह्या वडी विकंदड अ ८का छ

बर् ४७

মহামহিম জেলা ২৪ পর-গণার প্রীযুক্ত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

प्तथाष्ठ की काछिम म खल ও গ্রীতারা চাঁদ মণ্ডল 😉 শ্রীছাদেক মণ্ডল ও শ্রীজা কের মণ্ডল সাং ধাড়া ও শ্রীরাম হরিমণ্ডল 😗 শ্রী अभित गाजी नाः छ्डी পুর ও শ্রীপদ্ম মণ্ডল ও चो उपय नाताय न प्रखल দাং বামে ও গ্রীরামরতন মণ্ডল ও প্রীণোপীনাথ ন-कत नार भाँ निशाम विषय मकि भः भारे वा श्री में

विष्न थे हे य भ्रति भाग प्रक्रम् ख्र डे ক্ত প্রাম দ্বায়ের ওমৌজে শাটরাও বাড় जुनि ও घाष भूत ७ में म পুর ও শতু গাছি ও লোবি-प शूत ४ का निका भूत पि পরের তালুক দার শ্রীরা भा बल्लव ताय े जी प्रिक किना प्रति पिनत आ মাদি লের এবং অন্তহ্প্র जागलात शाल शूलवनी দিগরের থরচা সমেত ফি-विधा भरेश छोला आना দসকভার হিসাবে জমার অক্ষে জোর জুলুম আ-फित बाता यामाय कांत्र-য়া লইতেছেন কিন্তু উ জ গ্রাম ছায়ের 'লোনা

जन आर्कावात जनम भारता माप्रक य र्वाम ছিল তাহা মেরা মতাদি না করায় ক্রমে নিন্ম হ देश ७ श्रांत २ जिल्ला लामा जल डेरिया डेक দেশ পয়সাল পুৰবিক यतक यतक प्रकारक রার হইয়াছে এবং আ-भा पि लोंबे तजा ज आता मोज মিতে লোনা জলের ছয়লা शीट नामा मि ना रखशाय লোক সানী জমা সরবরাহ করিতে প্রাণান্ত হইয়া তি ि एक भारितारे। जानू-কদারান তাহাতে কোন क्य मं लाखाने कदान

36-6-

नाहे, धर्म अवंशत। प्रन কের মালিক আমরা দী न पूर्शिक्षाक्ते भाजपाव प्राचाल कर्षशा कर्मा त्य व भारत व्यक्तिमालात প্রতি কুপাব লোকন পুর্মক श्रुल वनी जारंदात प्रति উক্ত গ্রাম দ্বয়ের পুলবন্দী क्रिय़ा फिट्ड अथवां जो श्ट ए जुद्र प्रतिकी नी श्ट्रेल डेक अनूक पार्ती-নের প্রতি হুকুম জাত্র র হয় যে উক্ত বাঁদ মো স্তাকিম রূপে বানিয়া দিয়া সনক্ষন মেরামত করিতে থাকেন তবে আম রা ডিফিতে পারি। ত্রী

युक धर्म अवजात मा निकं हेश नित्व प्रनं हेि मनः हैर ८७ माल जा तिथ २२ एक

न९ ८८

মহা মহিম জেলা ২৪ প-রগণার শ্রীযুক্ত কালেক টর সাহেব বরাবরেষু

वामी

শ্রীগোপাল চক্র ঘোষ ও
শ্রীবামাসুন্রী দাসী জওজে
ও বৈক্ষনাথ চড় চড়ি
সাং বামুন গাছী ও জয়রা
মপুর পঃ বালিয়া

অন্ত গত ১ বন্দে ৭/৪ বি-ঘা জমীর কাত ৩০০ টা কা বার্ষিক জমা ধার্ফ ভায় সন ১২৬১ সালোর

२३ भाषित जातिद्रथ धा তি বাুদীর বায়া গঙ্গাধর जिल्ले निकरे क बुल छि षिश **भारती** अश्ले वन বাস আদীর দারা फन्न आमाय श्वर्वक मा थिला प्राप्त प्रयेनिकात আছি।প্রতিবাদী মজকু র সন ১২৭২ সালের ফা ल थून माश्रुख भा निकी श्वव श्रेतिम कतिया भे व মির মধ্যে আমাদের বা ही आमाजी भ कारी वादम বকী কমবেশ ভা৪ বিঘা ष्ट्रिष्ठ आमादम् वाँभ ७ कला पित वागान ७ भू ষ্করিণী থাকায় গত ও বৈ

শাথ তারিখে প্রতিবাদী মজকুর জবর দ্বী দ্বারা ঐ বাণানের ফলাদি পা ডিয়া ও বাঁশ ও রক্ষাদী কা টিয়া ওছর পাত করিতে থাকায় আমরা মোজাহে म रहेल अिउ राषी मज कूत यो मानि गरक शंकारे या पिवाय भे अविशे इ टेटा विष्यलित कात्र १ ररेश एर। स्मा उठ मन ३५ एक माल्य >· पारे तत ২৩ ধারার ৩ প্রকরণ মতে भूल पिलल भाषी ७ पा थिंला मश्रनिउ नानिम क রিয়া প্রার্থিত যে প্রতিকা বাদীকে তলব প্রবিক আমা

दम्द निक्रे अभागापि धक् নে দাবীকৃত ভুমিতে পুর্ म्भल भाग भव्भ म्ला इंटि जाखाइग्र जार अ কাশ মাকে যে তছ্কপা তেব নালিস পশ্চাতে ক विव । निवंदमन इंडि ज न ३৮७७। उपिय ३२ জ্ঞন उम्मील काइमी उउद ३वल्म १/8 (जाता<u>फ वा</u>खा शुक्त पश्चिम श्रम्हीभ जागाएं वाखा (कं कीव्याव) जावाधिम (মাদের জমী)ও মধুসদন ওরজেন্দ্র মালেব্ৰুমী मन वाषी

ज्ञित्रीलम्लील.

मन ३२७३ मार्ट्सत् २३ जासिन जानित्थत् १४ सास्त जानीत् लिथिया एए श्याप्र अठी भाष्ठे। २ क्वजा मन ३२०३ मालन्म् भिला २ क्वजा रेखक मन ३२०२। नाः मन ३२१२ मालन् ए थिला २० क्वजा मन ३२१२ मालनं माथिला १ क्वजा

১৭৭ সংগ্ৰহতা

आिं बी लाशासम्ब शाय ९ बीरामामून्दी मांनी हैश पाता जानाहेट्डिह य उप आत्रकीत मिथिंड विव्यन आमारम्द द्धान ९ विश्वाम मेंड मंड! हैडि ब्रीलगभानाम्य त्याव ब्रीवगमामुन्द्री म्या

न् १८

মহামহিম প্রায়ুত্ত জেলা ২৪ পর্গনার কগলেক্টর সাহের ব্রাবরেঞ্চ

रामी

প্রানবিনক্ধ বসু নিলাম থবিদা জমীদার মহল থড়ফা সাং শোভারাজার সহর কলিকাতা

প্রতিবাদী প্রাক্ত ব্দাপ মাজন रेजातामात भर्ल भएमा मां भ्रान्थों प्रस्त किल रुपा समी मन २२ १० मा दलत् र स्वर क्षिय मन २२ १२ माल् किल किसीत् उल दत् जामल २००४ मूप् २०४५२

३२१०५००० विवत्न अहे या कलिकाला शः ३३८४ नः आभात भ तिमा ज्ञाम मश्रली भड्ल भण्या जालुक याद्या मत काद्व भाम जामत्व श जितामी मङ्कुत मालिया नां काः १९४॥४८ छोका

জনা ধামস্তাম ২০ বংগৰ मुफ्द जन ३२ ९४ मादल র ৬ আসাড় তারিশে भवकात इरेट - १२ मर्स्म ইজারা লইয়া সরকার হইতে আমল নামা প্রা छ श्रवंक कतुला लिथ या पियाछित्नमे त्य क्व লভিব লিখিত কোন কি हीं अलाभ इइ लाई मा ल जात्भवी जात्भका ना कविया थे मलव मक्ष्र भाषा तिह्छ इट्टेंबक, अ श्रुट श्रुटिनामी मज्जक्त गन २२ १० मार्बात किछी क्लीव छाका जामादाव विघ्न कंत्राय अ भइल भ

ज्या जासूक अजिंगापीव নামে জোত বৰপাতেব बालीभ कविषा जन ३३ १२ मात्सव त्वमाश्र मा হাস ঝাস দখল পাইয়া हि किछ अछिवामीत है জাবা সময় দুখল আ शादम्य देः मन २२ १० मा त्सव क्षंग्छन नाः जन अ १) मात्मन देखा उत्तद्व किन्ठीत जामल २१२ १४ राका ७ किसी अला भीत त्रुप ना॰ जन २२९० मारलवं जामाए २०४५० हाका जक्त ३२१०५०३० हा का विः दिनाव श्रविनामी त निकर भाउना उलव

जागाम्य जाम्य ना क রায় নালিশের কাবন হ ইয়াচ্ছে ভাতএব দন ১৮ १२ माला २० आहे तन् विधानना वाकीत हिमान मयलिङ श्राञ्चामीवं ना म नालिंग कविक्रि श्रमानामी शहलं रामी भाग भवा जामल मुम ও ৩৬ আইন মতে ডা मिक प्लाइंट चाखा হ্য ইতি সন ১৮৩৩ সা ল ২৬ আগম্ফ जावकीव निभिष्ठ विवक ভাগমার জ্ঞান ও বিদ্যাম মতে সঙ্গ अनिविनक्छ वनु

## न १८७

মহামহিম জেলা ২৪ পর গনার প্রীয়ুক্ত কালেকটর মাহেব বর্যবরেঞ্চ

वामी

ख्यात्किनिष्क तम् भूर्ति कानत्व ख्याकाकीकाख त्राय काभूती ७ ख्याकाकाकुमान त्राय किथुति मा९ रु१९ ना उल्लंश अ९ थाम शुन

প্রতিবাদী
প্রামপুরা মোহন সরকার
নাএব সাংহাং বোড়াল
পং মাগুরা

वाही है: मन २२ १० माल ना९ २२ १२ माटल ते . माठ मादा शयर टिंग्स निकासी काशक श्रमित्व जाहे जात २४ भारानुमाद भारे वात श्रार्थना जायहाद दका९ ७०० है। का

विवर्ग এই যে ना এব প্রতিবাদী মজকুর মান ব গনের পৈতৃক জাম দারী ওনং তালুক লম ব পুর ওগায়রহ মৌজা হায়ের প্রজাগনের মাজ না প্রাদী এবং গোমজা ও ইজারাদার ও বিকাদা ব ও গায়ের হর খাজ

मात होका भनित शदनत छा॰म त्क्य भे छाना जार्ल जामाग् उन्नीत्न व कात्र भन ३२७१ भा व्यव ३८ देश छ। वार्व स्थ কবুলভি অর্পনে বডিসাব मम्ब काछावी 'आकाष्त्र नात्यवी कंट्य निकुष ३ इया कर्म कायः निव्वक कविया जामिएकी भक त जन २२ १० जा दलके हैं। देवमाथ ना९ ३२१३ मा লেৰ মাহ মাঘ তক সে विछान नया किया क मा भवह - अर्फः मध র আদ্যো টাকার জমা अशमील वाकी अ शिमा

वी त्याका इंडामी कांश জাত ও তহ্বীলের মজত टाका गाउव अछिवामी भक्तत् अञादना भूवर्वक নিকাস বৰু সমৰ কৰিয় ना पिया अठ २ काश्रन अविश्व इरेट कर्मा भ विडमन कविया नियाह एकुद्र नालिम राजि ड क निकामी काशक उउ श्विलव भक्रुउ छाकात् निकास भाउरा पुरुत अ कार्न एजुद् अम्लिज अहिन्द रेष्ठ धारुष प्रश्न नुमार्व अन्य नालिम क्रि যা প্রাথিত যে ৮ নম্ব विवरंभन ३४७९ माल्ल्

अञ मः ३० डारकिएव स्मा कज्ञाय श्रिकामीव यीक उ क्रमञा अञ मुखे श्रुवर्व क नायव मभुवादमाइन श्रुविश्मीत्क नमन कारि त कारा धजुद्व जलव कविशा जाभाव निकर श्रमानामी धर्त विष्त श्रुवंतक डेभरवाउ, काङ्ग उ दिलाई छ जाका इंग बीयुङ प्रांतिक निद्यम्न इंडि नन ३४७७। २० मार्फ

बर् ४९

মহামহিম প্রায়্ত জেলা ২৪ প্রগ্নার কালেকটার সাহেব ব্রাবরেও-

**भृतश्रा**ख छोज्जीत्मी लग्नत उडी আক্ৰৰ পাজী সাং আ বগাছিয়া প্রগ্রে মাগুরা आश्रामिलाव निध्वमन अह যে কি: পর্গনে মাশুরা उः किः ठाम शुन अभाग বহু ২৩ নং তালুক যাহা ्व मम्ब क्रमा १७५ छ। रेगना छाज कासकरेगरी जल्खाय लाभा याय द क जालुक मध्ध निक्र লিখিত কিসমতের বক্ষ ১৯ ভাষা ভাষৰা পও নি তালুকের পাটা পাই য়া দুখলীকার আছি অ তএৰ প্ৰাৰ্থিত ফিস ২৫ )

छाका लहेगा विस्मय दव ब्बर्धिती केतित्व आद्धा इय । इंडि प्रम २२५१ प्राल जाविश २२ ल्या ध-১। भः মাগুরা ২। তালুক পওনির পাট্টা ৩। কি: কৃষ্ট্রাম পুর 8। 8-11२ छ- विशा किम-उँअत न्यूटम्य श्रव श्रीक्रम आवगारिया ७ मार्ज्य पाछि पाक्रें। कार्य प्रइल अकलिनग्र श्रुवर्व प्यूची शून ७ पित्रकारा १। मालीयाना भारतमा ३० णेका देखमुनानि कला भागः इर्गाट्या ५। प्रम २२७१ माल्ल र १८

আশ্বীন পওনি তালুকের भाषा इड्रेशस्ड । १। क्रक्रांन कंतरा ৮। ७ वर्ष्ट्रामधीम् वाय छ ধুবা বেমাম বাধা মোহন मुद्भाभाभाष ये वानहां क ব মৃত্যুর পর ভদা পুত্র े कालीयन नाम की भूती -পত्रिन मुख ज्ञीन मीन ৯। ক্রজমান দেবস উপ্ত वाधिकावी अभ अधिका त्री इट्टा अका प्रभल कविद्राष्ट्र । भश्रामे मुख क्रीवृद्धीने ३ आकर्त्शा िक এই দর্খান্ডের সহিত म २२७१ माल्लत् २८ आस्यान

তারিখের লিখিত পওনি भाषा এक किना माभिस কবিলাম इंडि डोकनार्मन मध त्याच्न भवकाव व्याक्षम् डेकिल যোগমাথাদাসী न १८ । १४ (१) भरामिक अभियुक्त १४. क्हला २८ भव्रानाव कात्त्र पाक कानदर छोमिछ वा भभाषा सभी भार म्मन एइ शः आकिमाराम

अखिवामी श्रीकालगाम आफ़ा जार कमन मृश् शर काकिशावाम

न्मि वाकि भाजना माग्र तुम् ४२७) होका

आप्रात् मालित्यत् विवत् ने अक् व्या आफियानाम् श्रुश्तात् कार्यक् हम्म प्रकृश्तात् आयात् विम्श आप्रकि व्याश्वयाया म्या त्र क्रीष्ट्रत् अतिमा क्रियी व्या आह् ज्यात्थर् आके नामी जककृत्वत् क्लाव्डन् न वर्षं वास्त्र क्षावा ए।श्री

महक्रां ि ७। १ विद्या जिन्त কাত সালিয়ানা কোস্পানি मिका २० छात्। क्रमा अव ধারিতে প্রতিবাদী মজকু तं निकाद नाम न्तान्त भन २२१० भारतित् २९ देव माभ जावित्य प्रलक्ति का शिक्त राज्य मन्त्रभेट भा रेम मुद्ध क्वलिं निश्चि या पिया शाष्ट्रा श्रञ्स क्रि मक्तूत्रय प्रश्ले कंपन आकारों जाभि विम ञा मज्जुद्वं जाम्। य याजील क्वाय इंसक मन ১২৭০ সাল নাগাইত সন >२१२ जात्सन देव अया माल वाद्य विः हिमात्

आजल वाकि अन्मिका अ किसी स्थलाशी तुम् क्तुलिब्ब मक्ट २०४. छ। का अकुटन ४० छ। छ।का अिकापित निक्टे उयाजि वि भाउना, उल्द जामा माय आम्।य कत्व भाई। এकार्न ३৮०२ माल्वर > आहेतार २७ भारात् ४ अ क्तन मुख्ठ भूल म्लिल श जिवामीत मुआं क्रूलिं अ वाक्ति श्रिमाद मयलिङ अ -१ नालिजी जावकी माथि न किरिया आर्थना य अ जिरामी क ममन जावित ना ता जलव कविषा जामाद निक्षे 'श्रमन्त्रि अव्दन

मारी भाष अन्हा जामा

त्या जातिभ उक मूम अन

मन २५- ३२ माला । जा

देन भरा प्रामिक मह म

लाहरा जाका द्या द्कृत

भालिक निर्दानन देि मन

२२१२ माला जातिभा २८६०

आमि श्रीनिवन हाँ ए एउ इट्टा जानाई छोड़ द्य गरे आर्वाकंत निभिष्ठ विवत्न आमात ज्यान अ विमाम भटा मठा इंडि

क्रीनिवन घेम मछ कात् अवस्थित अज्ञास क्रीयुक विवासी

# प्रात्व जिश्वी कात्सक्षेत्

হরুম ত্ইল যে
তলব জানা দাখিলের না
জির কৈ: দেয় ইতি সন
১৮৬৬ সাল ভারিখ ২৯মার্চ

জ্রীর্গমচক্র চট্টোপাধগয় মোহবের

গ্রুমহৃহল যে
বিচারাম ডিঃ কাঃ প্রায়ুগ কুমার হরেন্দ্রক বাহা দুরের সমিপে অপন হয় ইতি সন ১৮৬৬ সাল ভা বিশা ও আপ্রেলা

# স্থার্থমচক্র চট্টোপাধগায় মোহরেব

এজলাস ভীয়ুও কুমার र्द़िक्क रूक्ष राश्मूत् अपर ल्म रहेश एकुम इहेल व्य फि:काः आंभेड ३७ এপ্রেল বিচারের দিন धा য্পেয় বিভিন্ত সমন হ য় ইভি সন ১৮ ৬৬ তারি শ ৪ এপ্রেল क्रियं किंद्री बर् ८० **प्रश्नारिप र**क्तला अल्यानक्8 २८ भर्भमात् छ। युक कालकृष्ठ माञ्च ব্বাববেঞ্চ

**प्रभा**ख कलिकाका भन्भमा अभग र्र क्रिम्रात् भानीश्राणी नि वामी छाधानकृक व्यव्हा श्रुषित नित्तम्य अहे य ष धित्व कात्रज किर्मित्री प्रथाख जांपालक रायत्-मादमला साक्षम इंडग দিব ভদিবাত কর্ন জনা मन २२७२ माध्नत् २५ आधि न जारिक मित्रार का জ্পব প্রাপীতাম্বর ঘটক उ छोरोइसिम र्नाभाश य ७ ब्ल्ला बिष्यात श विलि मञ्त अनुभनात का हजा भाषा माकित्व की युक केंद्र इत्न मूटभाशा

ধ্যায় ও কলিকাতা পর भ्रमात् शानिकाषी माकि निव विश्वस्त दाश कोधुरी ७ উङ পর্গনার সুকচর माकित्व छोलाविक्छ भूटभाभाषाय এই भाँह জনার নামে আমি আম মোজার দিয়াছলাম তথা धा डेक विश्वास्त्र राश क्रियुवी क्लोफ कवियाक वरः कारिक हक मुत्रा পাশগ্য ভাতি কচকিতেব লোক ও বিস্থাস্থাতক জানিয়া ভাহাকে আম कारणवी कर्म इहेट र कडनक कविया रुजुदन प्राथा प्राथित

যে অদ্যকার তারিখ হইতে উক্ত লোবিন্দ চন্দ্ৰ মুখোপাধ্যায় যাগপি আমার তরফ কোন আদালতে দ্রথাস্ত আদি দ্যথিল কি কোন ভদিরতি অথবা স্ঞাল জ্**ওবা**ব করে তাহা হজর আদালতেগ্রা হ্য যোগ্য হইবেকনা সুশোচরার্থে प्रेथाञ्च कविलाम बीयुञ्मानिक নিবেদন ইতি সন ১২৬৭ সাল তারিশ ১৩ আষাঢ় **श्कृप श्**रेनया

সেরেন্ডায় থাকে ইতি সন১৮৬০সাল

নং ৫০
মহামহিম জেলানদীযার জীযুত কালেক টর সাহের বরাবরেয়ু বাদী প্রতিবাদী
স্বরূপ চন্দ্রপাল স্র চন্দ্র দত্ত ও গয়ারাম দত্তের পক্ষ
বর্ণনাপত্র

১। ছোট হাতিশাল প্রামের ৩৪।৩ विद्या जिल्लीत 3911/30 की कार পৈতৃক এক জমা আছে ও ১২১৬ শালের ২৫ ফাল্ডণ তারিথে প্রাত্তা প্রতিবাদী হরচ্ছ দ্তর নামে ৪ । ত বিঘা জ-মীর কাত ১৯৫ টাকার এক-ज्या लहेशा अकृत ३०१२) টাকা জনায় আনি ও প্রাতা হর চন্দ্র ও প্রাবুপ্যুত্র বল রাম-দত্ত দিগর এজমালে দশ-লীকার আছি ও আছেন, বাদী জন্মা জন্মী কন্মি বেশী

করিয়া দাবী করিয়াছেন र। वामी ३२७१ माल २)३७ আনা অংশে পত্তনি সূত্ৰে দ-থলীকার ছিলেননা। প্রাদের जरिक जभीमात विश्तीनान ও মৃত কেশব দন্ত রায়ের অংশ १/२॥= भाना भाषाने श्राह्यश्राद्धः বান থাকায় উক্ত সনে বাদীর প্রাপ্য ২५১৮। টাকা গোমস্তা र्व लाविक वज़ालंब निकरे আদায় করিয়া দাখিলাপাই-য়াছি, উক্ত সনের বাবত কিছু-भाग प्रतानारे।

্ এতি ১২৬৭ শালে উ দাম্য়ী বর্মণ্যা ডি হীর প্রাপ্তাংশের মধ্যে /১৬।— আনাবাদী পর্তান

नरेशा प्रथल शान नारे। जेक ডিহী প্রাপ্ত সরিকের বিপক্ষ সরিক উশান চক্ররায়প্রসূতি পূর্ব্বমত অংশানু সারে দখলী-কার থাকায় ঐ অংশের থাজানা डेक निर्देशका निकरे आपास করিয়া আসিতেছি এবং বাদীও शूर्व अः भमत १/२॥= प्राना রকমের পগুনিদার ছিলেন। য়। ১২৯৮ শালে বাদী পত্তনি কোন অংশে দখলীকার নাই। कांत्र डेक विश्तीलाल ७ किनव-চন্দ্র রায়ের অংশ দেন ডিক্রীর নিলামে উপেক্ত নাথরায়ওযদু না থরায় ও দারিকানাথ ভটোচার্য थासिएक विशा वा मीत পछनि ध-शिक्र विलिशा वामीक विष्यल

করিয়া থাসদথল করে উক্ত নিলা ম থরি দারের গোমস্তা গণের নিকট আদায় করিয়া দাথিলা পাইয়াছি

৫। সরিক জমীদার মৃত विनयाती लाल ताय मीगत्र अश्म র জিক্রীদার নব রূষও রায়ের निकर्र १/३७ - आना ३३७४ मा-লে বাদী পত্তনি লওয়া কহেন এবং ঐ অংশও উপোরোক্ত वप्यली उ प्तानता अः भ ধরিয়া ।পঠ। আনা দাবী করিয়া-ছেন আদৌ নব ক্লফ্ডরায় আদা-লতের কোন নিদর্শনের দারাগ্রাম দ্র্যালীকার হয়েননাই ও বাদীও আপন পত্তনি পাট্টা কি আমল नामा अंहात करतन नारे। उंक.

অংশ বিরজাম্যীবর্মণ্যা দথলী-কার থাকায় তাহার আপ্তিমত ঐঅংশের থাজনা কোন পক্ষকে দেওয়া হয়না। উক্ত অংশের দেনা ঐ জমার থাজনা ১২৬৮ मालित २०% होका ७ ३२.५७ শालের নাং তার্দ্র নিপ্সী তলব সুরত ১/৫ টাকা একুনে৩২/১৫ पेका **आर्टन म**रू एक्द्रे प्रिश्न कविद्धिष्ठि, धे म्हानू मादा वामी স্থপ্ত সাব্যস্ত ব্যতিত অত্র নালীসে অধিকারী নহেন।

৩। ১২৬৭৫ ১২৬৮ শালে

মালের সামিল কোন জমী

ওটবন্দী জোত ছিলনা বাদী

যে জমী ওটবন্দী করারে নালিস করিয়াছেন উক্ত জমীর

প্রথম বন্দে চৌহদী অনুসারে কোন জমীনাই দিতীয় বন্দের চৌহদীপুণ্ড ৫॥ বিঘা জমীআছে
ত্রুদ্ধে সামার সারেক জমাসুকে ১ বিঘা এ হাল জমাকৃত
হাত বিঘা মায় সদ্দিরী ডাক পাহকের চাকর রাজ চন্দ্র মুচির ১
বিঘা যাহা আমি পাইকস্তাজাত
রাখি অভএব ওটবন্দী যেদাবী
করিয়াছেন তাহা মিথ্যা

৭। বাদী তাদ্র ও পৌষদুই কি-স্ত্রী ধরিয়া যে হিসাব অনুসারে দাবী করিয়াছেন সে দেশা চারের বিপরীত। উক্তপ্রামে কি: তাদ্র । গানা ও কি: পৌ। আনা ও কিঃ চৈদ্র। আনা এই ৰূপ কিন্তী আর্বহ দান প্রচলিত আছে। অতএব দাথিলাও পাটা আলাহেদা ফি-রিস্তী মুক্তে দাখিল করিলাম বা-দীর অন্যায় দাবী হইতে মুক্তি দিয়া থরচা মায় সুদ দেলাইতে আজ্ঞাহয়।ইতিসন ১২৬৯ শাল ৩ আখিন

প্রীণয়ারাম দত্তপ্রতিবাদী আমি ইহা জানাইতেছি যে অত্র বর্ণনা পত্ত ঘাহা লেখা আছে জ হা আমার জ্ঞান ও বিশ্বাষ মতে সহ্য প্রীণয়ারাম দত্ত \* নং ৫১

भश्मिश्रिश्चीयूजरङ्गानिष्यात कालक् देव जाट्यवंतावल्यू

प्रथा की पूननी निष्मिष्न তালুক ব**লেশ**র পুর **আমার** গারজ এই বলেশ্বর ও ন্যেমত-পুর দুই প্রামের সদর জমা ৫১৮৯/১৮ টাকার জন্মা-আ-মাদিশের ও কাষ্টদাহার সাকী-নের প্রীকালীনাথ বসুর ভালুক निमनी तकम २००८० छोका জিমাসর বরাহ আমি ও২৯৯৯৯ জমা সর বরাহ্ বসু তালুকদার এজ মানীতে করিয়া আসি-তে ছি কিব্ৰু বসু-তালুক দার কিন্তীং মালগুজারির আদা-য়ের গাফিলতি করাতেএক नारे श्रेल आपि प्रवल्ग णेका कांजिल पिशा ला छे

तका करिया जात्रिकां : जाउँ ९ বাট্টা মারার কারণ বসুতালুক-দার প্জুরে দ্রথান্ত করেনদা স্থার মাল গুজারীর গাফিলি-তি ক্রার মতলব এই তাহার ठारे जीव जनाथ वम मक्कात বাহাদরের -উকীল এজ্যরে হামে-मा राजीत थालन नारे रहेल उँ र जिशालय देश उरे अन अनोक् आं प्रोत्क भवल ग रोका - जाहात वाकी आमारक দিয়ে মহাল বজায় রাখিতে र्शेटिए। त्रम भविक जान्कपा-র বার্টআরার কারণ দ্র্থান্ত पिंव पिष्टि करिया रोलमणेल করিয়া দেননা একারণ গো-লাম হুজুরে দ্রথাস্তকরিয়া

তিমেদ্বার যে মাহাফিক আইন জোরিফ আমীনমো-করর করিয়ামক: সাল বাট-গারা করিয়া ডাউং আলা-হিদা লেখাইয়া লাইতে হ-কুম হয় ইহা আরজ করি-লাম ইতি সন ১২ ৪৫ শাল ডারিখ ১৯ অগ্রহায়ণ

रेमामी

श्री त्याम । श्री भराप विश्वाम । जार जारा भर्त । जार श्री भराप जार श्री जा

## न९७३

मश्मिशिक्तना न पीयात শীযুত কালেক্টর সাহেববরাবরেষু প্রতিবাদী वाकी শ্রীসরপ চন্দ্রপাল শ্রীহরচন্দ্র দত্ত সাংচক হাতীশালা শ্রীগয়ারামদত্ত थानानाकामीलाज़ ) जार्श्वरंश्वीगाना থানা নাকাশীপাড়া पति वावरु दे अन १६ ७१ जाल नाः १२७० मालव छाप्र उनवी বাকী থাজনা মায় সুদ ১৭/১॥ टाका नानिप्नत विवत् ७३ (य आभात পত্তনি তালুক পরগণে বাগগুয়া-নের অভ:পাতী ডিহী নাকাশী भाजात जामील मोहक शर्

श्ठी नाना आत्म श्रिठवामी গণের প্রাতা মৃত গঙ্গারাম उ अठिवामी गशांताम म् उत् ना भिक ए०/ विषा जिसीत का-उ जिमा ३५५० टोका उ अ जमात को ज पाती (৮ गणा हिमात १२) ३३ याना अकूत ३०।/३७ छोकात जियां उ निरुव को राष्ट्रीत लि-থিত ওটবন্দী সুরতে জোত ৩ ৷ বিঘা জমীর থাজনাং৮১৮ छोका अकुत्न ज्या ७ ७ छेवनी-त्ठ १२०/३८ ठीकांत्र मास्य जामा-র পত্তনি অংশ স্ন ১২-১৭ পাল ৩১৩ আনা রকমে থা-जरना राकी ए।ए रीका अनन ३२७७ लाल के जन्मी ३३।१५७

हाका । नाट्य लिथिक १% বিঘার থাজনা গাপ টাকা अकृत्व २२,५२० छोकात्त आ-মার পত্তনি অংশ । পঠ।— आना तकरम वाकी २। १४॥== छोको उ जन ११७३ माल अ জমা ১৯।/১৬ টাকার আমা-त शविन के। ग्री - जाना সংশ পরিমাণ লাগাদভাদ্র जलवी वाकी ७५०% । छोका त्यां छ मा अ अरे वसी दं जात्रल ३৮१२/३० = छोका उन्रद्ध डेजून विः हिजाव २५२ ७ । वादमें वाकी ३०॥२॥= টাকা ও হিসাব রোক তদ্যসুদ अ। रिका एकूल ३१/७॥-ट्रीकों अठिवामी गलत निकरे

भाउना मा ना ना किया প্রার্থিত দাবী মায় সুদ থর-চা সনগহতহ শালের ছয় আইন মতে থেসারত সমে-उ एमलाहेर आखाह्य। नानिष्पत मून प्लिन प्रन ३२७०।७७ जात्नत् ज्या-उ याजीन वाकी पूरे नशीजाय আরজী সহ দাখিল করিলাম इंडि-मन १२७२ मान जातिय ३५ जोड

নং ৫৩ त्यार् लगयाहे भश्मिरिम द्रला निष्मात् म

বাহাদুর বরা বরেষু

प्तथा भी ताम हाँ प मारा বিলাতী সরাবের হোল সেল দোকান দার মোং গোয়াড়ী ক্রে-ला निर्मा आप्तात निरापन ७-ই যে আমার উক্ত দোকানের পাট্রার মেয়াদ আগত ইং১৩ আপরেল মোতারেক ৩০টেত্র प्रम १२ १८ भी त्नत् १ विभार्य গত হইবেক, এবিধায় -অত্র দর্থান্ত দারা প্রাথিত্যে আ-গত সন ১৮৬৮ শালের ১১

(A. X.)

আপরেল মোতাবেক ৩০টির পর্যন্ত এক বংসর মুদ্দতে প্র-নরায় আমাকে পাট্রা দিয়া রীতি মত ১৩ টাকা আমা-র নিকট লইতে আজ্ঞাহয়। লিতি সম ১২ ৭৩ শাল তারি-

यः ८८

মহানহিম প্রীমুক্ত চবিবশ দি দি পর গণার কালেক্টর দি দি সাহেব বরাবরেষু দি

দর্থান্ত প্রীরায় প্রিয়নাথ চৌধুরি দাং শ্যাঘনশর পঃ নকীপুর আ মার নিবৈদন এই যে সুন্দর

বন সংক্ষাত্র ১০১৩ নং ভৌজীভূক চক সুমানতলি আঘার ওবাঘাচ त्र अधिकाती पीगख्त नात्मभूम्ब বণের কমি সনরিতে বন্দোবশু रहेशाए के महात्मत तक मारेजा= সানা আমার নিজাংশ ওরকম প্রত।— আনা ঈশ্বরী পুর নিবাসী প্রীবামাচরণ অধিকারীর অংশ े वामाह्य अधिकाती के ने ना-আনা আমার নিকট বয়-বাতে বন্দক রাথিয়া টা का कर्ज लहे आएन। এইফ লে वर्ड शान प्रन <u>१३</u>१३ मालव लार अध्यक्षं তলবের বাকী রাজস্মতা-হার নিজ অংশের ৩০/১ **जिया गा**थि एव त पिन गवर्न

भिष्ठ इर्ड अपर अवशाविक হইয়াতে এ টাকা আমার রয় বাতের বিষয় নম্ব করণের মত-नत प्रियिन कब्रित्नकना, अ কারণ প্রার্থিত যে বামাচরণে র ৩/১৩ ৷— আনা রকমের थाजना ७०/७ होका जाम त निकर लई या निलाम तका করিতে আজা হয়। আর ঐ রকম মজকুরে জোক সা জ্ঞাল নিযুক্ত দারা আদায় তহসীল করণের পক্ষেবিহি उ ्रेकुम अमान रश निलम्न ইতি সন ১৮ ৬৫ মাল তারিথ ১২ জানয়ারি एकम रहेल य अतिकान मृथां अ अर्थन होका

দাখিল নাকরিলে, ছাএল টাকা দাখিল করে ইতিসন ১৮৬৫। ১২ জানের

জোনাবেম্ব निस्त्रमन अय ऐत्या एउट লিখিত ক্তির টাকা গ্র लानुशांति ३२ ७० नः द्विशि वीत्ठ एप्रनाथ छात्र छाज त्त्र रहु नाउ तिविनिषे द C5 - ৩৩ / ৬ টাকা জমাহইয়াছে अध्यलां कात्र नित्वप्न देखि নৰ ১৮ ৩৫। ১০ আপ্তেল শীদারিকানাথ ঘোষ হুকুম হইল যে म्द्रिकार्य ताथा योग्। इंडि जन ১৮-৬৫।১৩ আপরেল

### न १ एए

भ भ श श हिम एक ना न मी शांत শিযুক্ত কালেক্ টর সাহেব বরাবরেষু

of the

রুশয় বিভার-भाः ठाँघ वजन श्लोपन

কোত্যালী

अठियामी "

वाम्यामाभ कराकेशको हिएकोल प्रमुकी ামস্ত্রণ ্ - গুস্তাদার

उशाल्य औं अन्यस्य । अष्ट्र मान पत्रकी र

भारक्षं नगत ই ফেসন কোত্রমানী

মোকৰ্দমা प्रभावेन जिक्की जाती करिया অাসামীর মাল ফোক করায় যোগামী বল পুর্ববক জ্রোক বেদখল করিয়া মাল লওয়া,

ৰিবরণ আমি মনিবের পক্ষ হই क अठिवामी गलात नाम > नयात्व जिक्री काती कति-या पिन्दाखंद भान दंगक क-রিয়া পেয়াদার সমতিকাহার গত ১৫ বৈশাশ তারিথে বে-লা ও দ্ণুর সময় আমার ত-রফ মালের পাইকও সাক্ষী গণকে পাঠানতে আন্মর পঞ্চের মালের পাইক আ-माभीव देवठेक थानाव ६ ज्लाड़ा क्लार्छ उ भीकल ३ अकरी नि শান দিয়া পেয়াদা তাহা ক্রে क कतिया के माल डेंगेर्या আনার উদ্যোগ করিলে প্রতি वामीगग उ उ जियाद ন্থার চারি পাঁচ জন লোক

ज्यार वनी इहेश (भग्नापाक जाज़ार्या पिया काकी मान छिनारेग्न लरेग्नाटक, जिकी জারীর পেয়াদা তৎবাবত कालक पेत्री उ अङ इशत क तिशारहे, अभे धार्यना আমার সাক্ষতলব করিয়া विठात श्रुक्त अठिवापी भव क उंडिठ माछि पित्उ आखा र्य । रे ठि प्रनार्श শাল ২০ বৈশা থা

> माकी গ্রীরামনাথ দেনব আরীপ সেথ-মধু সুদন ঘোষ आ हैं प्रमण्ड

THE SEPTEMBERS OF THE STATE OF

মহামহিম জেলগ নদীয়ার শ্রীযুত কালেক টর ' সাহেব বরা বরেমু

प्तथास ही रमः किम्म रिल माध्य स्मार्क्री निश्चिम भूत

याद्राद्र साम्र भाष्ट्रवाती कियार क्यांत्र संस्था । 十万のの大十 के जारमात 古いるのでは र्रुटीर केंक ट्य अस्टियान, नामकावी, अकारमाय माना माना 一~5 त्विकेती, नाम, नाम, त्विक्टीह, नमत्. मः, जन्नणा महान ह्उग्नामानिक्द ङ्या नाम २०१० वालगायाण, वालगायान, कनवस्त्रांम, वनगाने

मात्र काहि नाम् भविष्ठ हिन मारहर्षह

विबद्धन अर्थ या बालायान जा कि-নের কেশব চন্দ্র রায়ের ২১৭১ नः उोजीत वामा वडीत मश्न उ वालाग्नान िमगत प्रत भयनि : **२कूक** - 3 अन्जन्य दल्पावसी मशल आभात निकर्छ के কেশব চন্দ্ৰ রায় বয়বল ওফা ताथिया टीका लहेया काराला निथिया (एयं। नियम काल टीका -आमाग्न नाकवाग् व्यवाञ জারীর দারা ব্যবাত সিদ্দমতে উপরের নিথিত মহালাত দ্থল পাওন বাব্ত অ্ল জেলার প্রীযুত জজ সাহে रवत ,रजूरत ३० नः नालिम कतित्व ३५७० मात्वत् १ ভিসেম্বর তারিখের মোকর্দ্মা

দখল পাওনের ডিক্রী হয়। পর डेक डिकी जादी बंदिया आभित्रिष्टि। এऋता प्रेरंभ नः जिजीत के वालाग्रान মহালে কেশব্চন্দ্র রায়ের नाम পরিবর্তে আমার নাম জারীহওনের বাবত দ্রথান্ত कतिया आर्थिङ अयानाः पि গ্রাংশ পূর্বকি কেশব চন্দ্র-রায়ের নাম পরিবর্ত্তে আমার नाम जत्री कतिया किनिप গৃহণে আমাকে পরওয়ানা क्ति आखार्य। त्नावन्त्र ताराव निथिया फिउस कावाना দাখিল করিলাম। ইতি-प्रम 32 95 1 . 33 आश्विन

### नर् ७१

पश्मिरिप कि ला निर्मात श्रीपूठ का लक् ऐत प्रार्व वता व दत् घू वादी श्रीठ वादी श्रीश्रक्त श हन्द्र शाल शिनक ही खाघ भार हक शिल्पाला भार वाष्यां कहित शाना नाकानी भांका भाग नाकानी भाजा

> দাবি। বাবতে ইস্তক্ষসন ১১৬৯ সাালের তাদ্র তনবী বাকী থাজনা ৪॥খনল ট্রাক্রা

নালিসের বিবরণ এই যে আ-মার পত্তানি তালুক পরগণে রাগ থানের অভঃপাঠী ভিহী

नाकाशी भाषात जामिल मी-জে বাঘ্যা তহর প্রামে প্রতি वामीत निजा मृज, इिमाम पाष्ट्रक नामीय ए॰ विधा जमीव काङ जन्म ३१ १८ १। टीका उ এ জনার ফৌজদারী ফি টাকায় ए नखा हिमात Vo प्रकूत २१ भे हां। **टीका ज्याम उंक अठिवा**पी ও তথ্য প্রত্যি আনন্দ ঘোষ ও বাণেশ্বর ঘোষ এজনালে দ্র্যলী-কার আছে, তাহাতে সন ১২৬৭ সানের আমার পত্তনি অংশ अभा तक भ ना नि साना थार्जीना वाकी 815 होका उनाएए উক্ত বাণেশ্বর ও জানন্দর খলে त राजा १४/१। छोका वाल अछ-वाषीत निकर टपना २ १०/३० %

होका · अन १३,७৮ शालब्र आंगात अवीने जाः म । जेश- जाना बेकरभ के जन्मात भाजना ताकी ११३ होकात पत्थ के वालबर अ जानमत रपना ४ भेग होका वादम वाकी श्रिष्ठ वापीव दिमा-रामिक ५७ ३२७ व जात्व आमीत लक्षा अश्म के भिक्षा महि-मार्प वाको १।२ छोकाव मध्य डे-क भानम अ तार्पश्रव रामन 8 लेग रोका वाटम शहरापीत त्मना राजेभ्य । एवन प्रत्थ नागारेप जाम उपला अभि ১ ১৩ ৮৮ টাকা একুনে আসল (,381 टीका जनात्थ जेमूल विः शिमाव ५ आना वादम व्यक्ति शाक्षाल धाका उ मार

10/284 आना त्यां है। ११०० हो-কা প্রতিবাদীর নিকট পাওনা মতে নালিস করিয়া প্রাথিত দাবি মায় শ্রচাও সুমেও মন ३५७६ जात्मेत ७ आहेन मुख থেপারত সমেত দেলাইতে আজা र्ग । नालि स्मत भूल प्रलिल भन ১২৬৫।৬৬ সালের জ্যাওয়াগীল वाकी अंध वामी शिविष्ठ का য়ের মোকর্দমায় দাখিল করি-या हि अभू कि वि होत इस निवपन रेठि

এই আর্ক্তিতে যে দকলক থাই আর্ক্তিতে যে দকলক থা লেখা খাছে তাহাঝা-ঘার জান ও বিশ্বাধ্বরক্তমক

## नर् ८४

সহমহিম জেলা নদীয়ার শ্রীমুত কালেক্ টর সাহেব বরাত্র রেঘু বাদী প্রতিবাদী স্করুপাদ্যপাল র্মানাথদীগ্র

> সত্র মোকর্জমার প্রতিবাদী সীতানাপ রায়ের পঞ্চের বর্ণনা প্রা

্য বাপুয়াডহরি প্রান্মবাদীর আরজীর হন্যা টাকার জনায় ১১১/১। বিফা জনীতে আদি ও আমার জ্যেষ্ঠ প্রাহা প্রভ রান্তি রমানাথ রায় ওজনালে

385

पथलीकात आधि, वापी अलमात ৬০/ বিঘা জুখা যে লিখিয়াছেন তাহা মিঞা २। यामी १२७१ माल जेक প্রামের সরিক জমীদার বিহা-রীলাল রায় মৃত কেশব চন্দ্ররায়ের অংশের ৫২ ॥==- আনার পত্তনি चद्य प्रथलीकान थाकास उक जत्म के प्राप्तात वावन वामीत প্রাপ্য সমৃদ্ধ আজ্বো ৩৮৫৮। **राका रामीत लाध्या श्रहणारिक** বড়ালের নিকট আদায় করিয়া पाथिला भारेगाहै। उंक मतं वामी थ्रोऽ आमा अः ला य দাবী করিয়াছেন সে অন্তায় ঐ সনে বাদী উমাময়ী বর্ম নগ जिकी श्रास्य रहेल रें।

आना वाही अउनि लरेशा म्थन भारताहे के अः तात कठकाल ' প্রশান চন্দ্রবায় প্রতৃতি সরিকা-ন এক্ষণতক দ্থলীকার আ-ছেন এবং বাদীর পত্তমি ঐ প্রা= আনা অংশতুক १ (ह गरा आरष्, वादी अध्यक्ष पारोता **२)**३७ जोना अःस দাবী করিয়াছেনা ७। ३२७৮ माल वाषीत পশ্তনি কোন অংশে দ্থলীকার नारे। कात्रन डेक विश्वती नान उ कि गव ह स्मित् अर्ग पन ডিক্লীর নিলামে উপেন্দ্র নাথ ও যদুমাথ রাম ও দারিকানাথ তটাচার্য্য পরিদ করিয়া বাদীর পত्रनि अजिक विलेशा वामीक

বেদ্থল করিয়া উক্ত অংশ থাস দ্থল করায় নিলাম থরি-দারের শোমস্তাগণের নিকট ঐ অংশের দেনা খাজানা আদায় করিয়া দাখিলা পাইয়াছি। 81 ১২৬৮ সালে সরিক জ্মী-দারের মৃত বনয়ারিলাল রায় দি-গের অংশের ডিক্রীদার নবরুষ্ণ शास्त्र निकरेवाची ग्रेश-আনা অংশ পত্তনি লত্ত্ত্যায়কহেন এবং তদংশ সমেত ঐ সন হইতে । পঠ।— আনা অংশের দাবী করিয়াছেন। উক্ত নবকুষণ রায় আদালতের কোন নিদর্শনের দারা প্রামে দখলী কার হয়েন নাই এবং বাদীও পত্তনি পাঢ়া कि आमल नामा अनु कखनगरे

্র তাংশে বির লাক্টা বর্মণা দথ-লীকার থাকায় তাহার আপত্তি মতে উক্ত অংশের থাজানাস্থ্য সালে কোন পক্ষকে দেওয়া হয়-नाई राकी आएए अमञाबन्धाः বাকী সত্য সাব্যস্ত ব্যতিত অত্র नालिए जनिशकांती ৫। বাদী কিন্তী ভাদু ও কিন্তী পৌষ দুই তলব ধরিয়া হিসাব অনু সারে যে দাবী করিয়াছেন তাহাদেসাচা রেরবিপারিত।উক্ত প্রামে কিন্তী ভার 11- আনা কিন্তী शीय I जाना 3 विस्त्री टेंघ ने আনা আবহমান কাল প্রাচনিত। অতএব প্রমাণাদি প্রহণে অন্যায় पावी इरेट मुक पिया आमात প্লাদ থরচা মায় সুদ দেলাইতে আজ্ঞা হয় ৷ — নং ৫১

মহামহিম জেলান্দীয়ার প্রীযুত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

দর্থাস্ত প্রীতারিণী চরণদাস মোজার নিবেদন এইযে বাঙ্গালা সন-১২৬৩ সাল হইতে মোজারীকর্মেনিয়-ক্ত হইয়াবাঁশ বাড়িয়া নিবাসীগ্রীয়ক রার হরিশ্চন্দ কুণ্ডু ও ক্ষঞ্জনণর নিবাসী গ্রীযুক্ত বাবু বামাচরণ চৌ-ধুরী প্রভৃতি জমীদারের তরফ নানা আদালতে আম মোজারী কার্য্য করিয়া আসিতেছি অধুম্

मश्माना अप्त वार्ड्य िठीव বিধান মতে মোকারী শ্রেণাতুক হতনের জন্য আলাহিদা ফারম মতে হজুরে দ্রুথাস্ত করিয়া প্রার্থি ত যে আমাকে মোক্তারী প্রেণী-বুক্ত করিয়া সন ১২৬৫ সালে র ২০ আইনের বিধান মতে त्रीठि मठ नार्टि किरको मिट আক্তা হয়। প্জুর মালেক निखपन रेंछि जन ११९७ माल তারিম ৩০ বৈশাম

## नः ७०

भश्मिश्म जिलानपीयात শ্রীযুত কালেক্ টর সাহেব বরাবরেয়ু বাদী প্রতিবাদী **श्रुक्त अ**ठन्द्र भान তিনু ঘোষ অত্র মোকর্দ্দিশায়প্রতিবাদীর পক্ষের বর্ণনা পত্র 3। वामी ३२७१ माल भन्नि मूख २) ३५ आना अः (म ५थनी कांत्र हित्ननं । डेक मत्न পৃথ= আনা অংশের প্রদ্রন-দার থাকায় বাদীর আরজীর লিখিত জনায় আমার অংশের **दिनां** जानिशाना .५३५ आने। मध्य डेक मल रामीत कथिड

५० आना लामछा इत लाविक ব জালের নিকট আদায় করি-गाहि। अन्त जिकी श्रास्ट भविक ज्ञीमात उमामशी বর্মণ্যার অংশের /১৩ ৷---আনা বাদী পত্তনি লাইয়াতা-श्ट प्यल পान नारे, अफाली উক্ত ডিক্রী প্রাপ্ত সরিকের বিপক্ষ র্গার্ক ঈশান চন্দ্ররায় প্রতৃতি পুর্বি অংশানুসারে দখলীকার থাকায় 😅 তাং শের থাজানা উক্ত সরিকা-নের নিকট আদায় করিয়া আ-সিতেছি এবং বাদীও পূর্ব্বি অংশ মত নৈ শানা রকমে পত্রনি সুত্রে দ্থলীকার ছিলেন २। ১२७৮ माल वामीत প্লান্তনির কোন অংশে দখলমাই

सातम प्रश= जाना जर लात मान লিকের দেন ডিজ্ঞা নিলাম সুরেজ-गण राष उ पात्कानाथ रही हाय उ यम्नाथ राष्ट्र यदिम् क्रिया वामीत পरानि अजिन्न विनया गरीक तन म्थल करिया थान प्रथल कराय डेक निलाह भंतिम्सद्य लाम्बर गलाइ दिक्ते के जान अज्ञाला व थाजाना जाएएम कविया परियंना পাইয়াছি এবং সরিক মুত্রবনোয়া-রীনাল হায় দিশের তংশের ডিগ্রী एत्त नगरूष्क दात्यत मिक्टे ४००-भ्यास अः का वाही अधानि लखमा क ट्न अंबर के विवाधी स छे शासास खमथनि-उ प्रांवाज्ञा अःग न प्राप्त ३२७৮ माम रहेल्ड । ४२।— आना র পত্তবিদার করায়ে দাবি করিয়াছৈ

कन्छः केळ गरकक आंधानहरू कार्न निम्नित्त बादा म्यानीकार र्यान नारे अदा नामिल अविन भाष्ट्री कि आघल नामा प्रमास क-द्धनारे भे 'अर्ल विवृद्धा प्रशी वर्मिका एथलीकात थाकाग्र जा-হার স্গাপতি মতে কোন পঞ্চক ये अः त्यस्याज्यस्य तम्असा इस मारे। जे अरा । इ वावज आ মার অংশে ১২৩৮ সালে॥ वाद्य होका ७ मन ३१७% मा লের নাং ভাদ নিশ্লী তলব मुत्राह्य 1/ अकुल ५२/ आना ন্যাফ দেনা আছি, এমতাক স্থায় বাদী সম্ম সাধ্যস্থ ব্যতীত अय नामित्र अन्धीकादी ক্ষততাৰ দাখিলা ফিরিজি-

यूटक माथिन करिमाम । आरमाक मछ आमागापि लहेशा अन्धां मा বী হইতে দুক দিতে আজ্ঞাহয়। ইতি সন ১২৬ ৯ শাল তাংও আমি প্রীতিনু ঘোষ 'আমি ইহা জানাই-छिष्टि य भद्दं उसना लाखन कथा সকল জ্ঞান ও বিধাষ্মতে সত্য

প্ৰীতিৰ শোৰ - সাজগার্মধ

76:32

यः श्रीवाम धाम प्रवकात् स्माछन् মহামহিম জেলা নদীয়ার দি श्रीयुठ ६५ भू भिकालक्रित्र क्र সাহের বরাবরেষ্ট্র

দর্থান্ত সী গোলাগ আজগার मिश्रा नियमन এই य आधार দর পতনি বসত ডাঙ্গা প্রামৌর

क्त्राति 'ऋभीत नीकि हत वजन जा-मात जभी घारा भवनि एवळीछूठ চারু চন্দ্র ঘোষের বিনাম দার শামাচরণ ঘোষের নামে সরকার হইতে সন ১২৭১ সালু তক মেয়া-मी वत्मावल छिल। अ प्रयाप শিতীত ক্রয়ায় পুনরায় সন্সং-१३ जाला वधि वत्नावङ इर्रवार কারণ চর ফলকুরার ভুন্নি জরীপ তদ্প্তর ভান্য শ্রীপুর্কিট্র মুগো लाखाय आधीर स्माकत्त्र श्हेशा খাগার বে মোকাবেলায় জ্রীপ তদ্ভ ক্রিয়া সাবেক বন্দোব্ভীর होइमीत अञ्जितिक आन्माज अ०/ विघा आभात हुई **अ**छनि তালুক বনত ডাঙ্গার, করারি आहिति एकाल नामक ७००%

विचा जभी अज्ञा अल्याहर জঘাতে হন্দি করত কাশজ দা খিল করিয়াছেন। সেইজ্রীপ অনু সারে আমার অজ্ঞাতে পরতাল হইয়াছে। ধর্ষাবতার পশ্বনিদার শ্রীফুত চারু চন্দ্র ঘোষ े वन्छ डान्ना प्र পछनि प-ওয়ায় আমি সন ১২৭১ সাল श्रदेख अ रमज जामा पित्र প্রামে ও ডং, নক্তি বন্দো বস্ত্রী চর বসন্ত ভাপায় দ্থলীকার आष्टि। अरे कल डेक हत জ্মী আমার সহিতবদোবস্ত হওয়া বিধ। কিন্তু আমার কো ন লোক কি আমি ঐজরিপে त राष्ट्र किष्टे जाउनिह। धमहरू आर्थना के कताति क्यी

जिया हत जिमे रहेल वाम पिया भारतक वत्मा वस्त्रत हो-रूपी प्रज आप्रीत्मत ज्रिती ह्या बक्री ज्यो आप्रात महिन् वक्री ज्यो आप्रात महिन् वत्मा रुख क्रिक्ट आखार्या निविधन हेति. भन २२ १६ भाम ज विसास

দর্থান্ত ওয়াজরাত্ প্রীপ্তমথনাথ ঘোষ ও প্রী আশু তোষ্ ঘোষ পত্তনি তালুকদার নিবেদন এই

যে মহারাজা শ্রীযুত সতীশক্ত বাহাদ্র আমাদিশের নামে ৩ नम्बद्ध ३५, १०॥ ३० हे। क्लांब भविषा-নে যে ৮ আইন জারি করিয়া ছেন, সে নিহাত অন্যায় হাহা निंद्य निख पिखिष्ट । । মহারাজ্য সদ্রথাজনার **ोका**य, त्रृप वात कतिया नानित्र করিরাছেন, নিজান্ত সন্পায়, কারণ পত্তনি কবুলতীর **স্বত্তত**্ত করিয়া সন ১২ ৫৭ সালের ২ তাজ তারিখে মোহর দৃস্তপতি य प्रजिल लिथिशा पिशा ट्रिन, তাহাতে স্পণ্ট স্বস্ত্ব লিখিত আ ছে, যে সদর থাজনার টাকার त्रूप ठिलिखकना । धे प्रिलल भन ১৮-৬২ সালের ২৯ নবেম্বর

म्उशित भाकर्मभाग्न मक्यल रहेशाष्ट्र। अकला अ जिल्ला क्यान नास न्न भाहेरा भारतना

২। বাদীর মুনাফার্ক্থান আন্দিন কিন্তীর সদ্য় থাজনা ७७०७ होका हां ित्राद ४%-तार्द्भ, डेक ठोकांस भरण म-দ্র থাজোনার টাকা বাদী আ ঘার নিকট পাইতে পারেননা উক্ত টাকা সন ১২ ৫৭ সালের १७। फ्र-अदिस्थर े प्रनिलर अशान जात आमराकालक वैशेख पिछ वाश आहि। **अकल** श्रे मक्साल प्रनित्नः মত্ত্রের বর থেলাপ সদ্র্থা-कानात डोका वादी आप्रादिला

নিকট পাইতে পার্ননা। ৩। বাদীর মুনাফা বর্ত্তমান সনের ই: বৈশাথ নাং আমিন ৫৭৯।১৯ টাকাও তাহার স্দ ारी होका अकूत (१००५) ही-का आप्रापिशात निकरे পाईखन, গ্রহা দিতে স্থীকার আছি। ৪। বাদী যে কয়েক ব্যক্তির नाम ৮ आईन जादी कित्राह्न, তন্মধ্যে আসালী কামিনী দাসীর मूकु रहेशारह। मृद्य नारमनानी-স করায় বাদীর এই নালীস চ-लिए शास्त्रमाः प्रमार्थभान তারিম ১৮ কার্ত্তিক

भश् भरिभ छीयुङ दक्रना নদীর কালেক্ ট্র সাহেব বরাবরেশ্র দর্থান্ত গ্রীগ্রীহরি চৌধরী আছালতন ও অছিয়তন জানবে ब्री श्राग कृष्क की भूती नावानग उ গ্রীরাম গোপাল চৌধুরী ওগ্রীক-नक भिष पामा ज्या शका लाविन को धुती भाष्टतः ত্রীবিজয় গোবিন্দ চৌধুরী ও হরে-হৃষ্ণ চৌধুরী নাবালগান জালুক-मात घोडिं ज्यानत भूत गाय মজফা গোপাল নগর ও মৌজে श्पा भाष्ट्री दुका आधा निलात नि द्रवपन अरे अञ रङ्गलाद अधीन

প: রাজ পুরের অত্ত: পাতি ডিহি-বেল গড়িয়া যাহার সদ্র জ্মা काम्मानिव - १ १ १ २ १ रोका वालि श जा निवामी श्रीतापना थता-य ও आभाषीलात नाम अप्रलिङ এজ গালাজে কালেক টরী দেরে-স্তায় তাহত লেখা যায় ঐডিহি-র পামিলাক মৌজে জমদের পুর মায় মৌজাফা গোপালন গর সদর জমা ৩৩৫৮০৯টা का ७ स्मोद्ध एमा भारी दुकार जमत ज्या २०२०२ ठीका अ-কুনে ৬৩৫/৩ টাকার তাত্ত ও মৌজে গড়ড়া ও গোপাল-পুর ও গায় রহ প্রাম হায়ের হ-কীয়তে উক্ত রায় তালুক দার ম প: সল দ্থল কার থাকিয়া পু-

ज मानिहउ एजुदा मानछजा-রীর সরবরাহ করিয়া আসিতে-ছেন ও আসিতেছি। একণে णां गिष्टां र्कीयळत्-जाष्ट्र বাট্য়ারা করিয়া লওয়ার আবশ্ব अकार्न आर्यनीय त्य अहनिङ আইনের মর্মানু সারে হজুর श्रेष्ठ जत्नक आप्रीन नियुक করিয়া ডিহিমজকুরা জরীপজমা-वन्दी अ ब्रीति प्रज वर्गक करूउ डे ङ भोरङ जन जन भूत भाग মৌ জাফা গোপাল নগর ও মৌজ भाष्ट्री वृकाद जात्र माल छ जात्री छे-পর উক্ত ৩৩৫/৩ টাকার পূথক তাতুত কিন্তীবন্দী আ-मापिलां कात लिथारेसा ल्हेस्। भान एका तीत अत्रवतार

লইতে আক্তা হয়, তবে মামারা আপন হকে বজায় থাকি, ইহা নিবেদন ইতি সন ১২৫৫ সাল তারিথ ২৬ চৈত্র

रेमामी

শ্রীরাঘট্ড চটোপাখ্যায় মোকার শ্রীসম্বর চন্দ্র গাঙ্গুলী মোকার শ্রীরাজকুমার সরকার মোকার শ্রীরাজ চন্দ্র সরকার মোকার そうち

দর্থান্ত শ্রীনবীন চন্দ্র রায় সাং फदर भूत निरुद्ध उहै (य हाँमाफ्ट হইতে মহেশ পুর পমন্দি যে রাস্তাহই-তেছে, ঐ রাস্তাব মধ্যে মৌতের একার পুর প্রামে জামীনের জরীপী চিঠার লিখিত ১৪ দালে আমার ১18 বিঘা বন্দোবন্তী জমী প**ত্রীত** रहेशाएए। अ ऋषीत मृन्ध उक গ্রামের মন্যান্য সকলের সহিত य क्ष भून्य धार्य इदेशाए, उ-দ্রুসারে আমার সহিত মল্মবধা- রণ পূর্বক আমাকে মূল দিও আজ্ঞাহয়। নিমেদা ইতি ১২৭১ সাল ১৬ চিত্র

नः १८ ८

प्रत्थां श्री निया है कलन १ शिश्रे प्र भिश्र १ शिश्रामा प्रखन १ शिश्रे जान प्रमा प्रकल मार् प्राण्या है, प्राप्ता-निलात निर्दापन १३ ५०० नह मार्थ थता क वास्त्र वास्त्र वासी अ ती प्रश्र मतकार वाश्रे प्रति वासी उ ती प्रशिक्त वास्त्र वासी उ ती प्रशिक्त वास्त्र वासी अ तो प्रशिक्त वास्त्र वासी अ तो प्रशिक्त वास्त्र वासी अ तो प्रशिक्त वास्त्र वासी

জ্যেত আবাদ করিয়া প্রতিবাদীর निक्टे ज्यारे शांद ॥ आटे जाना ७ ७ वर्षी शदं ५ वादा जाना प्रान छजाती कतिशाष्ट्र। भरत छ-ক্ত জন্মী সরকারে থাস হইলে হ-জুরের তহসীলদার শ্রীউমেশ্চন্দ্র ঘোষ আমার দিলের স্থানে এহার নিরিথ বাহাল রামিয়া সন ১২৫১ शालंद थाज्या जाए उ जन হালের নাং আঘাত তলপ সো-प थाजना नहेमा खराक पेकार कवज पिशा हिल । এই करण अ তহসীল দার বরথান্ত হইয়া অ-ঢ আট রোজ হইল হ'জুর হ-रेट मुजन उर्जील पात এक जन তাহার নাম জ্যানিনা, মফ:সল शिशा के भावक उद्योभपादक

करजी डेमूनी ऐका मज्जा नामि या वे टीको प्लाकत आमापिलात স্থানে তলব করিতেছেন,এবংহার नितिथ उत्रिप्त कतिया जियापा নিরিথ সুরত থাজনার তলপক রিতেছেন। আমরা কবজী উসু-न प्रजुता फिसा थाजना नदेख वलाय ना खनिया आभा पिशरक এবং অন্তঃ জোতদারকে পে-য়াদা মোসুল দিয়া কয়েদ ক-রাতে আমরা কোন গতিকে পা-লাইয়া আসিয়া দ্রথান্ত করিয়া উমেদার যে তহসীলদার মজকু রের নামে এককেতা পরোয়ানা খ্য় যে আমাদিলের কবজী উসু-লের টাকা মজুরা দিয়া দাবেক হার नितिय प्रज्ञाजना नन १२०२। लेजाज

মহামহিম জেলা নদীয়ার শ্রীযুত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

प्रथास श्रीवामा , म्यीवर्माना অলি মদার শ্রীরুষ্ণনাথরায় না-বালক সাং নাকাশীপাড়া নিরেদন এই যে আমাদিগের এক মালীর জমীদারী নং ১৭ ডিহির আনফা पि गत नीरहत लिथिउ पशलाउन আমার নাবালগ পুত্রের অংশের সদ্র মালগুজারী নিয়মকাল ম-ए पार्थिन कतिया हि। अर्मीवंजन প্র সকল মহল আমাদিগেরবণ্ সরিকের থাকা বিধায় কোনসরিক क्उ ठीका प्राथिल प्राथिल क्रिया-

ছে তাহার নিরাকরণ করা যায়নাই। **अकरा उम्छ जाना इड्ल नीता** লিখিত মহালাভে বাকী পড়িয়া-ছে। ঐ বাকী দাবীতে নিরাপরাধে আমার নালক পুত্রের সমূহ ক্ষ-তির কারণ হয়। হজুরের ক্লপা ব্যতীত নাবালক পুত্রের বিষয়র-कान उभाग विदीन। आपि उध কষে নীচের লিখিত মহালাজ-র বাকীর সংস্থান করিয়া প্রাথিত, ৩-জুর অনুগ্রহ পূবর্কি বাকীর মবলগ মজকু র আমার নিকট হইতে দাখিল করিয়া লইয়া নাবালগের সম্ম বজায়বাথিতে আজা হয় ইতি সন ১২৬৮ সাল তারিথ ১ মাঘ उभनील । ३१ तर छ जानका ७३ भनेन

३৯२१ देवतम পूत १०००।

३०२२९ कला द्वाछमा द्वारम्य

भूत ५०॥।

५००२९ जेष्य्रुष्ठ भूत २००१

५०३२९ इ.ज. २४॥२०।

२०५०२९ थामभूत हेळापि २० ५००।

स्था

মহামহি শ্রীযুতকালে- ছি ছি ছি
কুটর সাহেব জেলা হি ছি ছি
ফুটর সাহেব জেলা হি ছি
ফুটর জি
জি
জি
জি
জি
জি

प्तथास श्री पिशवत ताय, मिकिन मृर्णेक् थ भः नलपी नित्यपन मतका तित गटक आश्री हत छाड़ी आली छानी वल्पावस जन्ध १ क्तूर पकःम

न श्रागमन् कतिया डेक हत्र कि য়দংশ সূমীর প্রজাওয়ারি বন্দোবন্ত আমার সহিত্ত করার ওকুম দিয়াছেন ধর্মাবতার তাঁহাতে আমার প্রতি অন্তায় হইয়াছে। তদ্বিস্তারিত নি মেরনিবেদন এবণ সাজাহ্য। ১। দফা : মের সাহেব कालक् हेत्व करी भी ७७०% বিঘা ভূমি আমার দখল থা-কা স্পষ্ট প্ৰকাশ থাকাতেও গ্রহ ক্রমে ৩২৯/ বিঘা-ওরাম-কুমার বসুর ও জরি ৫০% বিঘা ভূমি আমার সহিত বন্দেভিন্ত করার জন্য গত > মার্চ্চ তা-রিথে খজুর খুকুম দিয়াছেন, তাহার মধ্যে -ওজরে ৫০/বিঘা এইক্ষণে ৩২৬/বিঘার মধ্যে

হাদফা আমার প্রাপ্ট-তুমি মজকুরা বর্ণ্টোপাধ্যায় ডেপ্টাকালেক্টর কারু পরগণার
কেওরাজী ২২ ইঞ্চী হাতের ৮০
হাত রশীর দারা জরীপ করিয়া
১৮ ইঞ্চী হাতের ৮০ হাত রশীর
জরীপে ভূমি পাইলে মবলগ
ভূমি কমী হয়, স্তরাং গরীব

বজায় থাকেনা। একারণ প্রার্থি ত ২১ ইঞ্জী হাত্তের ৮০ হাত রশীর মাপ হিসাবে যেজমী বেশী হইবেক তাতার সত্ম করি-यो पिरु आखा इय । ा पका भागान आभा इ-ওয়া ৮।১।১। দাশের ভূমিতে ৫०/ विद्या त्य लिशी ऑएइ, ঐভূমি আমরা ১৮ ইঞ্চী হাজ র ৮০ হাত রশীর দারা জরীপ कतिल २१ विधा स्त्रीम रहेल। বিচার পতি প্র ৩ দাগে কথন ৫०/ विद्या कृषि इहेरवकना, जाहा গুজ্র হইতে জনেক আমলার দারা জ্রীপ করিলে প্রকাশ হইবেক ৷ একারণ প্রাথিত ঐ अमाशक्रमी श्क्रुत रहेता क्राय- क आप्रमात पाता जतील कतिया Co? तिमा भूता रेशा पिएड आखा इय । रेडि 8 एका । श्रुकिष्टित श्रीयूत-বাবু মহেশ্চন্দ্র বন্দ্রোপাঞ্চায় ডে-পুটী কালেক্টরের জরীপে রা-म क्मात वन् पि गरत नाय २०/ विद्या ष्ट्रिय त्लथा आरह। এवः তদন্যায়ী ঐ ৯০ / বিঘা পুমির তৌল বসুগলের পক্ষ হইতে ন-থীতে দাখিল, তদনত্তর মে: জে-র সাহেব কালেক্টর বাহাদ্রের फ्रिक्री (भ ३०/०) विद्या जुपि निथित তত্রাচ ২৮০ বিঘা ভূমি ঐ বলুর স-হিত বন্দো বন্তের ত্কুম ত্তুর रहेल रहेशाए। विष्ठात कर्जी যে স্থলে মোট চরে আমার

পথ, তাহাতে প্রশংসিত মে: সের-সাহেব রুত জরীপে আমার দ্থল ৫৬০ বিঘা শুমি লিখিত আছে, নে-क्ल जाश्वं नूत्र क्री शास्त्रव প্রুম হইলে আমার প্রতি অন্যায় হয় কিনা তাহার বিচার হজরেই হইবেক। **এতার**ৎ কারণেদ্রখান্ত করিয়া প্রার্থিত উপরোক্ত কয়েক দফা আপত্তি প্রবণেও হুজুরের শুতাগমনে যাহাতে আমার প্রক্রি অন্যায় না হয়, তাহার মত বন্দো বস্ত করিয়া দিতে আজা হয় ধর্মাৰতার কর্তা নিবেদন ইতি अन १२,७७। ३ किंग्र

প্रठिवापी বংশীবদ্নাগ্রাষ্ঠ অঞ্চুর নন্দী 🧸 সাং শোভনা সাং লোভনা भर मलहे भर मलहे মেং তাৰ্প টাকাবাবতে বাকী থাজনা ঐ মোকর্দ্মায় সূতীয় পক্ষ প त्रगटन पलदेत त्गालना निवानी গিরিধর পদারীর পক্ষ হইতে মো জা হেম হেন্ত ্যা বিরোধীয় করের তুমিতে यापीत रकान ऋख नारे । भत्रगण মুন্ইর তর্ফে শোতনার মধ্য

पीननाथ घिटाइ निक्रे जन्ड গাঁতির সত্তর্গত ৫ বন্দে ৫.বিঘা ভূমি আমি ও পিতানিত্যানন্দ भनाति । ठोका जना लहेगा তদ্নু সারে ২ বন্দের কাত ২1. विषा निक कार्कीक - 9 वकी ও বন্দের কাত ২৮ বিঘাত্রমি প্রতিবাদীকে বর্গা জেনত দিয়া তাহার ফসলের ভাগ প্রাপ্তে দথলিকার স্বস্তুবান্ থাকিয়া ताजम आपाय शूर्विक भिंपर्यनापि প্রাপ্ত হুইয়া আসিত্তছি, তির विदासीयं कदात महात्न वामी এক দিনের তরেও কথন দখিল কার নহেন। ২। প্রশংসিত মিত্র গাঁতিদার মহাশয় আমার নিকট বেশীকর

চাহিতায় ভাহা নাদেওয়ায় তদাতো শে জমা জমী হইতে আমাদিশ কে নিরাশ করণের মানলে বাদীর সহিত যোগ ঐক্ততায় ইজারা দেওয়া বাহানা করিয়া বাদীর দারা আমাদিশের প্রাপ্ত ৬ টাকা র জমার অভগত নিজ কার-কীতে ২০ বিঘা ভূমি ৪ বিঘা जे जारथ ७ छोका अधाकतात পিতার নাম সহিত আমারনামে ৭৮৪নং ও আমাদিগের বর্ণাইত প্রতিবাদীর জোতের ২৮ বিঘাজ মীকে ৪০ বিঘা বলিয়া ও টাকা জ মা করারে এ অযথা নালিশুকরায় মোজা হেম দাখিল করিয়া প্রা র্থিত বিচার পুর্ব্বক বাদীর অযথা म्वी श्रुम ७ आमा मिला क्रमा दे

মন্ত্র দ্থল বজায় রাখিয়া আদালত শরচা সুদ্র্রাহ্ন দেওয়াই তে আজা হয়। ইতি সন ১২ ৭২শাল ভারিখ ২৭ অগ্রহায়ণ আমি গিরিধর গেসারি ইহা জানাইতেছি য়ে এই মোজা হেমে যাহা লিখিত হইল, তাহা আমার জ্ঞান-ও বিশ্বাষ ম-তে সত্ত প্রীণিরিধর পসারি

**ब**् ५८ মহামহিন জেলানদী- দু য়ার প্রীমৃত কালেক্টর, দু সাহেব বরাবরেষ্ দু জ णातकात्र कानाव वामान आशीलाचे-রেসপাড্যান্ট প্রীগৌরচন্দ ঘোষ গ্রীমে:রবার্টনারমোর मा॰ कुला न स भूत সাহেব মগনজার জানৰে বাঙ্গাল रेलिला काम्शानि ঘোং কুটীকটণড়া দাবি ৫12- টাকা বাবতে বাকী থাজনা অত্র মোকর্দমা মোং বএতার ডেপ্স্টী কালেক্টর প্রীযুত বাবুরুক্ষ বিহারী

মুথোপাধ্যায় গত ২৯ এপ্ৰেল তা-রিথে যে ফয়সালা করিয়াছেন জন হার নারাজিতে এই আপীল করি লাম, আপীলের হেরুএই 🗂 ३ एका । প্রতিবাদী মজ কুর জ্রীপ জমাবন্দী স্থীকার প্রব্রক क्वूलजी लिथिया प्रथम - अ भूत्रं मान छजाती कता घथा-যোগ্য প্রমান হইয়াছে ওপ্রতি-বাদী তাহা তরদিদে কোন বিশি-ये अभागापि मार्थिन क्रिंड পারেনাই, ইহাতে তেপুটীবারু আমার পক্ষের গুজরায়া সাক্ষী-গণের প্রতি কেয়াছি হেতুতে ৬-বিশ্বাস করিয়া নাহক প্রুম দে-उग्ना पानन प्रवस्तात विभन्नीठ অন্যায় হুইয়াছে, তাহা প্জুরের

তজবীজে অপ্রকাশ থাকিবেকনা। २ प्रका । अठिवामीत लिथियापुरशा কবুলতীর ফ্টাম্প অপর ব্যক্তির নামে থরিদ থাকার স্থলে যে অবিশ্বা সের কারণ লিখিয়াছেন, তাহা এন-ছাপের বিপরীত, যে হেবু বংতর প্रজा এককালে দলিল निश्शि দিবার সময় দলিলের ফ্রাম্পে য়ে২ ব্যক্তি কবুলতী দিবেক, তা-হারাই যে থরিদ করিয়ানা আদি-ल त्म प्रिलेल य अमान रहेत्क, এমন কোন আইন প্রচলিত নাই, বং তর প্রজা কবুলতী দিতে হই ल, नाम १ खेळाला थार्रम इ उसा সম্ভব কোন মজেই নহে। তাহা १ जु तः अवििष्ठ नारे। हेठि আর ২ বিস্তারিত উমাকান্তরায়ের

নামীয় আপীলের মোকর্দনায় লিথিলাম, তাহারি স্বিচারে তেপুটী
বাহাদুর অন্যায় হুকুম রহিত পুকিক আমার হক দাবী দেলাইতে
আজ্ঞা হয়। ইতি সন ১২৬৮ সাল
তারিথ ২৯ বৈশাথ

नः १०

রোবকারী কাভারী কালেক্টরী জেলা যশোর শ্রীয়ত মেংএন্,এম, সুটার সাহেব এসিষ্ট্রান্ট কালেক্টর সন

ত্যেজীর ৪২৮৮ নম্বরের মহাল পরগণে সিলমা বাদের অন্তর্গত কিশমতে ঝিকড়ার চিরস্থায়ী রন্দোবন্তের বিষয়

d	<u>.</u>	· . · .				, '		4.	
ब्रत्मा ब्रङ	، المنظ	**		•	-	अंश्राम	मुस्था भाष्ठाऱ्र	अवनाभर विकास	मक्प्रमाद
बत्माय छ द	श्रुकार् ७	टमब्रीट				अन	সালের	ऽदेनाथर	केल हिन- श्रीति
6 भार				٠		<b>3</b> 2			
त्राक्षानाटे	्भवा कर	<b>₹</b>	भूठ ९५६- होस्क्रो	N CO	c,	,	Angele (1965) y Le Principal e e e e e e e e e e e e e e e e e e e	Marie Marie VIII (1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1944 - 1	
वाकी	40	भूदकाद	नद्गुरु	Allegar Care of Gr		3/2/202	बांद ३७	३६ भथे.	
राम्म भिक्स	मानिकार्या	भद्रश्रुमि	ona. A pullifoliologi alterature au-logi		•	कार्यक रिकामक रिकामक	i <b>&amp;</b>		
थ्राप्र	क्रमा					ashso			
中	Court Court					5 M. (03 m.c		1	
4thfrig	80. 1-	A STATE OF THE STA				_			
आर्टेस्से यमगड	हैं. आरक	TANK TO		•		? ?	e.		

১ ধারা বন্দোবজ্য কারণ শারম্ভ এবং তাহাতে সরকার বাহাদুরের যে সত্থ আছে তাহা

মোকর্দমার বিবরণ এই যে হর-ठन्द्र दठो**र्**द्री पिशद क्षक नाथ त्रिश्ह দিণরের নামে ৪০ টাকা পরিমাল জমা বেদ্থলীবাবত দেওয়ানী আ-দালতে নালিস করায় সিংহ গণ এ সূমি শাপন নিষ্কর এ জ্যোরে জেওয়াল দেওয়ার সকর নিষ্করের বিবাদ মীনাংসা কেন্ত্ৰ উক্ত মোকৰ্দ-मा भूकि छिउ बीयूर कालक् ऐरमा হেরের হেজুরে আগত হইয়া প্রশং সিত ত্রীযুত কর্তৃক ডিসমিসের স-তিপ্ৰায় যুক্তে কাগজাত দেওয়ানী আদালতে প্রেরণ ও ক্লোট আপীলে -র বিচারে উক্ত আদেশ স্থির তর থা-किया विताधीय 808 विवा जुमित वावज ३৮।३२ जात्नत २ आहेन মতে মোকর্দমা দায়ের করিবার আদেশ হওয়ায় তদনুসারে মো-কর্দমা উক্ত কানুন মতে সরকার বাহাদ্র বাদী হরচন্দ্র চৌধুরী দি গরের প্রতি বাদীত্বে উপস্থিত ও প্রীযুত খাস ডেপুটীকালেক্-हेत्र मार्ट्स्वत विहास ३৮8२ मा-লের ২১ সেতম্বর তারিখে সর-কারের পক্ষে ডিক্রী হওনানস্তর প্রস্তাবিত কানুন দোয়েমের মোক-দ্মার আপত্তিকারী রঘুনাথ মো-ষের আপীল মতে থাস কমিসনরী यापालरङ ३ ५ ४ ८ भारत 🌣 জুন তারিথের ফয়সালার প্রু-

मानू आ दि कूना निष्मा आ प्राप्त ३-२५ বিঘা ও ঐ গ্রামের ২১/ বিঘাতুমি ১১৭৭ সালের সননে লিথিত থা-কায় তাহা পূৰ্বস্থিত ডেপুটী কা-লেক্টর মেঃ রাইলী সাহেরের ১৮-৪৫ সালের ১ সেতম্বর তারিশ্যে ও খ্রীযুত কালেক্টর সাহেবেরঐ মাসের ৩ ভারি থের ইংরাজীচিটী মতে থালাস বাদে বক্রী বিরোধীয় वृषि ज्हील उपक्र त्या रेश्माश्य विद्या स्त्री नायक रहेशा विकड़ांत ৫৩॥৩ বিহা জমীর গর নায়ক ว 40 विद्या वाटम उकी ७३५० कारी जभी नुश्रमय मुत्थालाशाय उ श्रुवानम म ज्ञमपात अविन वर्टात ३२२।०। विद्या श्रुप्तित ८०५ काठी उसी गर नायक वाटम वाकी

>>७५३॥ कांगे जभी पात्रकाराण চৌধুরী দিণর সারটীয়া রুফ্টনগরে-त ७८/३। काणी जमीट नात्यता-জ দার গ প প্রজার মারফ তে দিখিলকার থাকা ও তলব মতে নাথেরাজ দার গণ হাজীর নাহ-ওয়ায় ঝিকড়ার তুমি দখলীকার ও পূর্ণানন্দ ও সুখময় ও বিলবর্ণের সুমি দ্থলীকার উক্ত দ্বারকানাশ প্রস্তুতি ও সার টীয়া কুম্জন রে-त जुनि भाति स्माप्त राज्याभा ধ্যার সহিত উহা দি পের ্রার্থ-না মতে প্রথক প্রথক তিল छोल ३३ ७२ जाल इरेड ১২৭২ সাল পর্যন্ত ২০বৎসর মেয়াদে ইজারা বনোবস্ত হও नांखंद विलद्भ ७ नादं शिंग क्र-

ষ্ণ নগরের ভূমি অন্য প্রকারে वत्का वस्त्र इस्ट्रा श्रकाम थाकात স্থলে প্রীযুত কালেক্টর সাহে-ব গত বর্ষের ১৩ জুলাইডা রিশ্রের রোবকারীর দারা সন >२१२ माल रहेरा विक्षात भूनः वटकाव्छ आमत्न जा-निशा (अयमाप ध्वरंगार्थ न-থীর কাগ জাত াপকের স त्रीएल अर्लन कतिवाय नियमानु-সারে বদেশবস্ত গ্রহণ করণী-র্থে নাখব্রজেদার গণের নামে এ एवला नामा जादी रुउ शांत পর সুথময় মুথোপাধায়-उ भूगीनम मजूम पात उ হ্র নারায়ণ ও মহেন্দ্র নারা-युग निःश् वतना वस अश्ला

প্রার্থনায় পূথকং দর্থান্ত बाजा शि जिंद श्रेया ए। रेजि

न् १३

আরজী কালেকটরী रामी मालू गाकी शि: । प्रभू लगलपात नूत्र भर्मा गाउरी । अ जा भुलालमात পেসা চাসবাম । भिः मात्रूलालमा-আবাদ সাকিন थाजुदा भर्गल হোসন প্র

• প্রতিবাদী র সাবিদ্য থা-अता भए एर्म-न शृज्ञ है (ये म-न शनवाम श्वत

মোং থবিঘা জমীতে বেআইন ধেদখল উহার মুল্ড অনু থাকে ৫

টাকা নং ১৪৩ তৌজীর মহাল প্রণ-ণে হোসন পুরের মোগলক থাজুরা প্রামে প্রতিবাদী গণের মধ্যে মধ্-ও সাধু গোলদার প-জিবাদীর পৈতৃক গাঁতি জমা যে আছে, ভাহার মধ্যে ৩ वत्म ७ विद्या जभी अध्य उ इक मानिशाना ७% जेका ज মা অবধারিতে সন ১২ ৭২ माल्वर २ हेड जारित्य जना कतिया प्रथमाय आमि जमा जमीट प्यनीकात হইয়া বসত বাদ পূবৰ্বক নিজ কারকীতে ধান্য, তামাক रेळापि यञ्चल देउग्रात कति-

या नदेशा कर आपाद्यं प्रथ-

নীকার আছি, তাহাতে উক্ত জমীর মধ্যে হইতে নীচে লি-थिउ कोश्मीत ३ तन्म भूमिछ বর্ত্তমান সনের ২৫ ফাল্ডাণ তারিথে প্রতি বাদী গণ লাঙ্গ न पिया ठाम कतिया काँगेन পাডিয়া লইয়া আমাকে বে আইন মতে বৈদ্যাল করায় আমি ১৮৫১ সালের ১০ আ-ইনের ২৩ ধারার ৬ প্রকরণ অनुসারে দাখিলা ও धवाणत वलं के जभीए भून मथन পाইবার মুল দলিল দাখিলা আরজী সহ দাখিল করিলাম रेठि १२१७ । २ टेन्ड

মহাগহাম শ্বাস্ত দ্রি দির কালেক্টর সা
হেব জেলা প্রদির্ভি যশোর বরাকরেষ্

न १ १ १

দর্থান্ত শিঠাকুর দাস গোশানী ও প্রীরাম দাস গোশামী ত্রিদার পরগণে সাতের ৷
নিবেদন এই উক্ত পরগণার মোতালক চর ছ্যাবতী ঘাহা এই ক্ষণে হু জুরের বিচারিত জের বন্দোবস্তে আমাদিগের দথলে আছে, তাহাতে প্র চর হু জুর কর্তৃক বন্দোবস্ত সমাধা পর্যক্ত সরকারী থাস

তহসীলের আদেশ হওয়ায় খামাদিশের সমূহ ক্ষতিএ-বং প্রীযুক্তা মহারাণীর লোক-সান হওয়ার দন্তব থাকায় আপাতক সাবেক জমার সন ১২৭৩ শালে মেয়াদী ইজারা প্রাণ্ডির প্রার্থনা। ইতি )। जेक हत आंग्रापि ला<u>त</u> সহিত খ্য পূর্বে কায়েমী ব-নোক্ত হওয়ায় আমরা বহুত র ব্যয়ের দারা যেসকল প্রজা পত্তন করিয়াছি। এক্ষণে আ-मा पिलात मिश्व रत्ना रखना रहेशा थात्र उरतील रहे ज वे जकन श्रजागणत श्राण আমাদিশের যেসকল থাজনা ৰাকী আছে, তত বাৰত নলীস করিতে হইলে, প্রজাগণ নৃত্তাল ন পত্তনীয় প্রজা বিধার, তাল তিয়া যাওযায় প্রচরের জ্ঞাল ল সাফাই নাহইলে, তামী সকল পতিত ও আমাদি গের পক্ষে অসীঘ্র কৃতি হও-যার সম্ভবং । ইতি

विभक्ष गर्ग के आप्रीन ब्रीडिया-শ্চন্দ্র মিত্রের সহিত যোগে প্রজুরের ক্লত নকশার বিচারি विवादीयं जिमीत पृष्टे लाखं रंप्तश्वत्री मिगत এবং थालानी ও রুই জালীর চর প্রতৃতির সীমানার মধ্যগত বংতর জ মী বাদ দিয়া নকশা প্রস্তুত उ জ্বान वन्हीं लडेद्य एन এজন্ড মোকর্দমার ঐতিদ্বি করা মহল থাস তহদীলে কোন মতে ক্রয়ার সম্ভব না-থাকায় এ মোক দুমা আদা-লত কর্ত্তক জানা অবস্থার বিপরীত বিচার হইলে আগত काल ये जकन ज्जी हत হাইতে বাদ পড়িলে সরকার

বাহাদ্রের ক্ষতি ও আমা দিশের সমূহ লোক সান হওয়ার সস্তব এজন্য দ্র থাস্ত করিয়া
প্রাথিত যে উপরোক্ত বিবরণ
প্রাণিধানে এ চর সন ১২ ৭৩ সালে সাবেক জমায় আমাদিশের সহিত বন্দোবস্ত করিতে আজা হয়। ইতি সন ১২৭৩ সাল
ভারিথ—২৭ বৈশাখ

मः १७

৫৬৮ নং ১৮৬৬।২১ ডি **সম্ব**র

মহামহিম প্রীযুত কালেকটর সাহেব জেলা ঘশ্র

দর থান্ত গ্রী লোপিনাথ রায় उ श्री त्मभांल हक्त हक्र विख मार्कि न जीताम शूत अ जीइति-শ্চন্দ্ৰ বৰ্ষু সাকিন দেওাড়া भत्रगल रेममभूत निर्वम्न अहे किममजी भवगण मिम्शूख्व অন্তঃ পাতি মহান ওয়াফফর। চারি আনির মোতালক ১০৬ নং नारे त्मयना इय्य त्रिया जाकितन অত্য়া চরণ চট্টো পাধ্বায় দি-নের ৮১৮॥৬ টাকা সদর জ মাঘ় পত্তনী তালুক ঐতালুক व ॥ भे २०। — वक्षात्र अतिक म'लेलाल हद्दी भाषाय अडेक्ब ठेख हट्टी भाषाय ' कानिश्र-भाष हत्ये शाधाय ७ त्विहेत-ণ ভট্টো পাখায়ের নিকট হইতে

আমরা সন ১২৭৩ সালের ১৫ খা माज़ जातित्य ४७०८५ तेका कृषा ধার্য সায় দরপদনি পাট্টা গ্লহণে রাজস্য আদায় প্রবিক দখিলকার সন্তবান আছি তাহতে এপতান গালুকের বর্তমান সন ১২৭৩ সা-লের নাণাএদ আশ্বিন তলরের থাজানা পত্তনিদার গণেরা পরি-সোদ্ নাকরায় মহাল অক্কর পঞ १३८७ अन १८ १३१८ आईन मछ जानूक प्रज्कृत नारे वंभी इंडे प्ल डेक भड़िमांत्र प्रात्नक गरभत भाष्य तकम । ।।== भाना त स्रतिक, जश प्रति ठाती भाषाश ও হরেন্দ্র নাথ চট্টোপাধায় তা-शिषिकात प्रांता थाजाना नार्पंड-য়ায় মহাল মজকুর নিলামের

ल इब दं आणि या हिन वाङ्यिक নিলাম হইলে আমাদিশের অ-धीन जल नेसे इस विशास आপन সত্ত রক্ষা জন্য এ জয় দেব চট্টো भाषाय मिलात अःग डेक रेगः আনায় আমার দেনা মায় সুদ্র্থ-রচা ১৫০৮ টাকা আমরা বত্তমান ১২ ৭৩ সালের ১৪ অগ্রহায়ণ জা রিম্মে দ্র খাস্তর দ্বারা আমানত করিয়া নিলামের দায় হইতে তা न्य भड़त्क्ता तक्छा कतिसाष्ट्रि भर्मावजाः अ जयम् हारोभा-धप्रय मि शद्यत अश्म आमात मि गत एत्र भउनि एन नाई व्यथ ह मशल निलाम इहेटल प्राज्यालि মহাল আমার দরপত্তনির পাটো ब्रिक इस अविधास-डेक san V.

ोका जारो जराद्य हत्ती भाषाय দিণর দেনা তাহা আমরা আমানত कतिशिष्टि अञ्चल अ ज्य प्रव ह-एते भारतंत्र पिगदात अश्म तकम 🗸 । । आना प्रथल कतिया छेक আমানত করা টাকার মায় সুদ সো দ লওয়া আবশ্যক এজন্য ১৮১৯ সালের ৮ আইনের ১৩ দফার.৪ প্রকরণ মতে দ্রথান্ত করিয়াপ্রা র্থিত যে উক্ত জয়দেব চট্টোপা ধ্যায় দিগরের সংশ রকম ১৮%= আনা হিস্যায় আমাদিশের কে রি-ত মত দখল দেওয়াইতে আজ্ঞা-হয় নিবেদন ইতি সন ১২৭৩ সাল তারিথ— ২৩ অগ্রহায়ণ-

नः १४

মশ্মহিন জেলাবর্জমানে- ছি ছিল র কালেক্টর সাহেব ছি দি বরাবরেষু

निथिउ और दना छोकी पात कमा त्रिम भव मिष् कार्यन्थाल अत्र याप भर्मभार नेषि लाभान भूख्र পর্তান তালুকদার খ্রীবেণীমাধব ব-त्या भाष्यश्र मार्शि हो की केंग्रिश ও ডিবি জান কাঁটেওয়া বাদী উক্ত को की । अ कि कि जासत मामिल पूरा গ্রামের মাল মোতালকের প্রজা काश्राली पात्र मप्क आत्रामी तनारम याकि का अनात निर्तिथ भूतक ११५०/१ प्रोका पावीछ्य ३०३ नः नालि मा कतिवाय डेक नघद्वत मधननदेशा ७३ नेमद्रे जिल्ला भाषा स्त्रोदक মজ কুরের পৌছিবার আঘি প্যাদা সমতিব্যাহারে থাকিয়া সাসামীকে তল্লাস করায় আসামী কীরতমান থাকিয়া প্রাদে বসবাস করিয়া রূপো স হইল। একারণ ঐ আসামীর বাটীর পশ্চিম, দোয়ারি সদর দর্মা জায় রীতিমত ২ কেতা সমন লটকা ইয়া দিয়া রসিদ পশ্র লিখিয়া দি-লাম। ইতি সন ১২৭২ সাল তাং ১ ভাদ্র

र्शिप

श्री त्रिय प्राप्त अत्याद्य के स्था के कि स्था कि स्था के कि स्था कि स्था के कि स्था कि स्था के कि स्था कि स्था कि स्था कि स्था कि

R 90

মহামহিম সহক্ষা কার্চওয়ার শ্রীফুড় ডেপুট্রী কালেক্টর ' বরাবভাষু

प्तथास शिकि प्राथव व त्या भाषा से से जान पूर्व पर से जान पूर्व पर से जान पूर्व पर से जान प्राया के जो छ स्वा से जान कि त्या के जान के

## न ११७

## মহামহিম জেলা পূর্ববর্ধ মানের প্রীযুক্ত কালেক্টর সাহেব ব্রাবরেষু

लिशिक शे विकामाली माम ममक কস্য মোজার নানা পত্র মিদং কার্য্য নথগলৈ সন-১৮ ৬৫ সালের ১০১ নম্বরের নিরিখ সূরত বাকী থাজ নার মোকর্জিয়ায় সামার তরফ সওয়াল জ্বোব জীদ্বাত করণ জন্য সত্র বর্দ্ধমানের প্রীযুক্ত স-वर्षा अञ्चल भूटला भाषत्र उद्योयुक বাবু গোপাল চন্দ্ৰ খোষ ও শ্ৰীযুক্ত সারদা কণ্ঠ রায়কে মেক্টার সদর আমীন আদালতের উকীলশ্রীযুক্ত গোবিন্দ মোহন সরকার ও শ্রীযুক্ত নীল মাধ্ব রায় ও প্রীযুক্ত বংশীধর

ঘোষকে উকীল মোকরর করিলাম উকীলে ও মোক্তার আনার মধ্যে যে মথন হজুরে হাজির হইয়া আমার তরফ সওয়াল জবাব তদি-রাত থাহা করিবেক ও বর্ণনা প্রাদী সহিত্ যাহা দাখিল করিবেক তাহা আমার মঞ্জুর এতদার্থে মোক্তার না-মা প্রালিখিয়া দিলাম ক্রি সন ১২৭২ সাল ১ ভাদ্র

> নং ৭৭ মহামহিম জেলা বর্দ্ধনির শ্রীযুক্ত কালেকটর সাহেব বরাবরেষ্থ

लिथिउः खी काञ्चानी प्राप्त भन्य कन्य वकतात भग्न भिष्ट कार्यन-क्षणा ३०३ न चलत नितित्थत भा-

কর্দমায় মহেশচন্দ্র মজুমদার ওহাড় प्रक्रिक देश पिशक माच्छा प्रान्ध कड़ि-বাতে সাক্ষা গণের নামের সমন লই-য়া ৪৩৯ নং ফকীর মল্লিক পদাতিক মপসল আসিবায় আমি পেয়াদা-র সমতিব্যাহারে গিয়া সাক্ষাণণের অনুসন্ধান করায় সাক্ষিণণ রূপস থাকায় নিসান দেহী করিয়া এইক-ণে দেখাইতে পারিলামনা। এতদা-व्य जिक्तात भय निश्तिमा पिलाम। रेठि मन >२१२ जाल जार्यक्षांत्र रेगामी **८२**लाट जेकी मात्र वाम हत्र टोकी मात्र

भार मूला

नर्१७

মহামহিম প্রীয়ত বর্দানের কালেক্টর সাহেব্ বরাবরেয়

निश्विः द्यादिन होकीपात क्षा तिम পा प्रिमः कार्यम्य ला टोकी कार्रे अंग्रांत जामील पू-ঘা গ্রামের তালুক দার বেণীমাধব বন্দেতা পাধ্যয় বাটী উক্ত চৌকীর সামীল দুঘা প্রামের মাল মোতা-लकं अज्ञा कामानी पान मप्क প্রতিবাদীর নামে ২২ ৮০ ২ টাকা দাবিতে নিরিথ সুরতে নালীশ করিবাতে প্রতিবাদীর মানিত भाकी मदश्महस मजुममात्रना-মে ১০১নং ইস্তাহার লইয়া ১৪ नः हाँ मामेक अमा जिक मभन

ল সরে জমী পৌছিবায় আ-मि छेक भगाठिकतं निकरे शक्तित श्रेशा প্রতিবাদীর उর্ফ निশान-দিহীমত সাক্ষীর বাটীতে তল্লা-স করায় সাক্ষীর সহিত সাক্ষাৎ নাহওয়ায় সাক্ষী গণের বাটীর স দ্র দ্রোজায় এক কেতা নকল ইন্ডাহার রীতিমত জারী করিয়া সকল কার দুষ্ট স্থাণে লট্কাইয়া पिशा त्रिम <u>श्रे</u>य निश्विश पिना ম। ইতি সন>২৭২ সাল তারিখ ৪ আঘাঢ সাফী वामाई किकीमान वासानाभ कोकी দার -

## मः १३

জেলা জপোৱের কালেক্টরি প্রতিবাদী বাদী রাজাঝদাকাত্ত হৃদ্য়নাথ থোষ রায় সাংচাঁচড়া সাংকড়িয়া খালী পংথমাদপুর পংলৈদপুর स्मार् ४-२। लेक टोका रेखे प्रन मनिताम পुख़त मा-তালক ২৫০নং তৌজীর মহল **१** किए भूत आपात जमीपाती তদ্তুগতি তরফ শ্যাম কুড়ের মৌ জে রতন দিয়ার মধ্যে সরহ পর-গণার ও পার্শ বর্ত্তি তত্তল্য জমী-র নিরিম্থের কম নিরিম্থেপ্রতিবাদী র দখল করিতে বক্স মহম্মদ্কো-ড়াবৰ্দাৰ ও গোলাম হোসেন সে-থের নামে কমী বেশী সুরত্তে ১৯-৮৯

টাকার যে জমা লেখা যাইত মহল मजरकूत जरिल अंतजन पिया ध আমীন পুর ও বির সিংহ পুরগ্রামে হর কছম ২৩৪ ৮ বিঘা জমীপ্রতি-বাদীর দ্শলে আস্কারা হওয়ায় সরহ পরগণা ও পার্শ্ববিষ্টিততন জিমীর কম মিরিখে স্ব ম্পজিমায় অধিক জমী তোগ করায় সরহ পরগণাও পার্শ্ববর্তি নিরিখ সু-রতে উক্ত ২৬৪৮ বিঘাজমীর কা-ত ৫>৬।৪ টাকা সাব্যস্তেসন>২ ৭২ সাল হইতে এ জমাসুরতে থাজ-নাপাওয়ার কারণ সন১৮৫৯সালের ১০ আইনের ১৩ ধারার দর্মানুসারে গত ১২৭১ সালের চৈত্র মাসে অত্র কালেকটরীরযোগেপ্রতিবাদীরনা-মে নোটিস জারী করিয়াছি থিই

कला के कमा मूत्रदे थाकना भा ওয়ার অধিকার থাকায়সন ২২৭২ नात्नत रेखक सूक्रनागारेष आत्य त्री जानियांना उलंद अयोजीन वादम् योजन थाजना ७१८।२)१ টাকাও সুদ ২৩ ৸থ ২ টাকামোট ৪০২ 1A ঠাকা আমার পাওনা তাহা পাইবার বাবত বাকীর হিসাব সম্ব-লিত জন্মীর বন্দ ওয়ারা চিঠা ও लागित्मत त्य अखनानिम । पेक নোটিস ৫নং মোকল্মায় জারীতে আছে। তলব দিয়া বিচার আজ্ঞা-

হয়। ইতি সন ১২৭৩ সাল তা-त्रिया २३ टेक्टर ह

न् ५०

মহামহিম প্রীযুক্ত ডেপ্র্টী কালেক্টার মোং কসবা বরা বরেষু

प्रथात शित्थात तम हो पूरी মোং কলবা আমার নিবেদ্র ৩৫৭১নং किः नानी भंत्रगण प्रश्मप् नारी जानूक इय़ जात्त हा विवि पे जानू-क विवि मज्दक्तों जीका मान म-থলীকার থাকিয়া আন্দাক ২৩ বংসর মৃত হওমাতে ও উত্তরাধি-काती नाथाकाग्रे लाउग्रा अर्था ९ সরকার বাহাদুরের প্রাপ্ত হও য়া বিবেচনায় অত কালেক টরীর না-জীর মহাশয়ের নিকট প্রকাশ ক-করায় নাজীর মহাশয় গত ৮ জুন তারিখে রিপোর্টের দারা শ্রীযুক্ত কালেক্টর সাহেব বাহাদ্রের इ ज्राद जाना है त्न मार्ट्य वाश्रम् নিশেষ তদন্ত জনত মোং বিনা ইদ্য য় পাঠাইলে তথাকার নাজীর যৈ अपछीय विलाए पिसाएम, अश কোন মতে চুড়াক্ত ও বিশ্বাসযোগ্য रहेल भात्नो । कनना जिनिध-ধান সদ্র আমীনের বিচারিত ফয়-সালার খোকস নকলের বিষয় উ-ল্লেখ করেণ, তাহা কোনমতে প্রাহ্য যোগ্য নহে। যদি যথার্থ ফ য় সালা হই ও তবেও ফয়সালার সহি মোহরের নকল দর্শনি উচি-उ छिल । अप्रभाल प्रथलीकात থাকিও ও গুরুরে নাম পত্তন अत्रा कतिते। अञ्चत्र श्राणित उपादकि तिलाएँ निष्पे असलम

কলু টোলা নিবাসী আগর মহম্মদ হোসেন সেরাজিকে অথবা তাহার মোকার মহম্মদ বাহের কাজিও গোমস্তা বাসু বিস্বাসকে হজুরে তলব দিয়া গোহাদের নিকট হই তেও আমান নিকট হইকেওম্মা-ণাদি গ্রহণে বিচার করিতে আ-

> মহামহিম প্রীস্তুত করেলক্-টর সাহেব তগুলা হলোর নরা বড়েম্বু

प्रशिवर ही ज्या रही रंगिनी जार मुण्जी পर्ण श्राप्त भूय नित्रप-न शहे निक्त ज्या कि त्यह होनी वर्षी-नीत प्रश्र श्रुशाश जाहा त स्थावत अश्रात्र जाम कि कि श्रुकांत्र सि- আছে, তাহা তদন্ত জন্য হজুরে নাজীরের প্রতি আদেশহওয়ায়
নাজির মহাশয় যে তদার কের রিপার্ট করিয়াছেন তৎপ্রতি আপার্ড নিচের দফায় লিখিয়া বি
চার প্রাথিত। ইতি

১। উক্ত মৃত ব্যক্তির **সম্প**র মধ্যে যাহা আমাকে উইল করিয়া मिशा एक के <del>डे हे ल</del>ात क्षेठि मत्म्ह थाकात विषय श्रीय तिस्मार्ट य निर्मि করিয়ার্ছেন, তাহা অন্যায় ও মপ: স-নের অবস্থার ও মীয় ক্লত জ্বানবন্দী র বিপরিত কারণ উক্ত মৃত ব্যক্তিয়ে আমার নামে যে সকল বস্তু উইল ক রিয়াছে, তাছা মৃপ: সন তদ্র ২ সক न माकित बाता श्रिमाण दरे मार्ट थ दः, जेक जेईन त्थातके जन्

শ্রীযুক্ত জক্ত দাহেবের হুজুরে দর-थां कर्ता रहेशात्र जाराह्य नाजी-র মহাশয় এক ব্যক্তির মৃত্যু মা-মার আমলাণণের বাসায় হত্তয়া য় যে সন্দেহ বিবেচনা করিয়াছে ন, তাহা অন্যায় কারণ এবাটী -আমার মাতুল ও গোপাল সিংহের দত্তা অন্দর বাটীও তাহাএ রাদীর বাটীর সংলগ্ন। তাহাতে ঐ হানে মূ ত্যু হওয়ায় কোন সন্দৈহ জনিত পারেনা । একারণ প্রার্থিত যে छे পরোক্ত বিষয় শ্রবণে নাজীর মহাশ-য়ের আনুমানিক রিপোর্টের প্রতি ৰিহিত আজ্ঞা প্ৰকাশ করেণ।ইতি সন ১২৭৩ জারিশ ২৩ পৌষ

## মহিমার্শবেষু

নাবালগ প্রীযুত কুমার প্রমথনাথ রায় বাহাদুরের সেবিত শ্রীশ্রীরুষ্ণ চন্দ্র বিশ্রহ ঠাকুরের দেবতা মহালের নগর কান্দা গ্রামের তার্সট টাকার এক জিমা এসলাম সিকদারের নামে ও দিতীয় মাল মোতালকের এক জ্মাত শিকদারের নামে ১৬৮৫ টাকার জ্যা লেবেন্তার কাশতে লো -খা যহিত। ভাছাতে নান্তকের আ-ধিকার বুতৃহত াকের প্রভির গো-नुरी नुत्रसीय पान त्या जानायक फ मा २०१८ है। कान रेज्येती जात **इ त**त्त भाउना राकी योजनाइ जन न्य निकारम जन १२% जादन नज़ंदेन মহকুমার খরিদ করিয়া ঐ ঔপলকে

দেবত্র মহালের ৬1%৮ টাকার জ মা মোতালকের পুরুরিণী ওবাগাত ७ जिन्नी आपि गान **भाजान त**ः के 201/Q टीका जमात भिर्माल प-খল করিত। তাহার খাজানা কোন প্রকাপ পাওয়া বাইতনা। এসলাম সীকদার ফোও হওয়ায় অধীনপ্র গ্রামেরপ্রজা লোদরত উল্লাপ কে ताक्षीं अवही अभी स्वामा मात्रा প্রজোগণের দারা ঐ জনী জগা 'गारायां व विशा भारतक जना आर्र ्रांच ५५॥ जीका जमाश्री <u>শিকার</u> त्कांप्रकु उंद्वा मिन्द्र के व द्वारी भी मिनत विली कराय थे बात्थ एक स्मी लये एउरक्र म भे भूकिनी आशन थ-हीए। क्यांत्र क भीता खेल्लास्य भी र्युक्तिवेशी गण्डक् दवन भ९मा उहं त-

পাতে ৩০০ টাকার দাবীতে প্রজাকে জের বার করিবার নিমিত ইসমল क्क कार्ट नालीम कतिया विक्ड-রফা ডিক্রী সিদ্ধ করিয়াছে। অত-এৰ প্ৰজাৱ দারা ও হক্ষ রদ জন্য ভানীকরা আবশ্যক নতুবা প্রজা ম-জকুর মৌলবীর ফেরেপে জের वात रहेशा जमा एफिश मिल ও অন্য কৈহ জমা নালইলে না বালপের দেবত্র মহালের জমাপ্র ৰ্ম মত মছলম ক্ষতি হইবেক, এমতে প্রার্থনা যে উপোরোজ বি বরণ প্রণিধান করিয়া যথা বিহীত भारमन अमात्रत भाउता रहेटल তদ্ৰুৰূপ অধীন করিবেক। ইহা नित्तप्र कतिलाम । देखि जन >२११ । जिन्निय ৮ का*ल्*जन

## श्कूष रहेल-

যে সরবরাহকার, প্রজা যদি সাহার্য চাহে, তবে করিতে পারে
। এমত দুফ রাখিতে হইবেক,
যে এ মোক র্দ্দ মায় নাবাল শের
সরকার হইতে কিছু শর চা
নাপায়। ইতি ১৮-৬৬।

১১ বং মোফ জেস সন ১৮ ৬৬)

> মহা মহিল জেলাবর্জ মানের শ্রীযুত প্রধান সদর আমিন বর, বরেষু

দাত বরেষু

२०- ०७ मालह १: २१ भी भारत मिनि स्मार क्रमोहः था १८ मिन्यनि मिनि रामा स्मारीन हो अन्य म ३ हो श्राम कत्र भार्य निष्ठत निर्माण भाक्ति गभरक ए जिलकिशो एक जार्य मिनक असे तिला है खाला रज्दत श्रिक्त कतिरुषि स्वाला भाक्ति अभिक्त कतिरुषि स्वाला रज्दत श्रिक्त कतिरुषि स्वाला भाव ३५ ७७। ६ द्वारे अभीन श्रीनश्रीमाकी अंद्रक वासी. लाभीनाथ पात्र > विनम (वश्दी वागमी >

मः पूरे जना भोवा

বৈঠক প্রীয়ুত জেমছ রেনি সাহেব প্রখান সদর আমিন জেলা প্র্যাংশ বর্দ্ধমান সন১৮ ৩৩ ২ জুলাই গ্রুমহর্

যে সাক্ষী গণের জোবানবন্দী লওয়া জায় ইতি # F 8

७१वर् ४४मर भशानिक एकत्व भूकिना ধর্মিল ভাষ্ঠ কখান সদর र्रितः आदश्य यस रदस्य लिथिक माजा उसका इ नागरी पक-রার ক্রিড়েছি যে ১৮৬৬ **সালের** ৭২ন, দেও গানি মেক দ্মায় যা-হাতে দ্বিশ্বরী দার্স বাদীনি দক্ষ-रते मिनी धकुछि छोटानानी पाए धिति गरित भर्मात निरुद्ध निभि ত সাহ্যি গণের নালিও ইস্পাহার জারী করণাশর্ম ১৬নং দিনু শ্যাদা মায় ইস্তাহার গ্রামে আ-ইলে আমি পাদার সলে গানী ণর্যের বাতী পীয়া তাহাদেরতলা मं कहिनाम किन्त ना नाकी ग

লের না ভাহাদের পরিবারের ক্রিন্
ন বয়প্রাপ্ত প্রুছের দাকাণ্
পাওয়া গোল যুত্বাং প্যাদাগ্রানের প্রকাপ্ত স্থলে ইপ্তাহার লটকাইয়া দিলাম ইতি সন্তর্
৭৩।২৭ সাম্বিন
ভিনাম

হারাধ্য কাশ্দী ঘাজী প্রাম বাগদী মাজী শাংখ্যাম মুশ্দর প্রের

> নং৮৫ ৩১ আগফ দাম্মিন হয় হতি

১১ নং মোফরেস সম ১৮ ৬৩।——

## মহা মহিম জেলা পূর্কাংল বর্দ্ধ মানের গ্রীযুত প্রথান সদর আমিন বরাবরেয়

লিপ্তং জ্রী গীরিশ্যক্র সরকার कच्छा ७ कालेज नामा भाग मिपः कार्य श्रेंशाला मिशश्चेति मानी वामिनि খামি প্রস্তুতির বিরুদ্ধে হজুর আদালত নালিষ করায় আমার পক্ষে বাবু রাখান দাস সরকার মুনসী জোহাদ রহিম বাবুপরাণ চल् नन्ही राषु तामधन मूथु रक्ष ও ব্রজনাথ চৌধুরি কে আপন পক্ষে মোকদ্মায় বর্ণনা ও জ্বাব দিবার নিমিত্তে উকীল বাহাল ক রিয়া একরার করিতেছি যে উ-क उकील गन धात्रात भएक

त्य त्यांन १ अत्राह्मक्तित्वक । যে কোন কাগজ আপন ২ দ अ थट । आभात्र नात्र माथिन করিবেক ও যে কোন দ্স্তাবে জ রত লইবেক ভাহা আমার স্বীয় ক্লতের ন্যায়' বিবেচনা করা হ হইবেক এতদার্শে আমিএই डेकांलउ नामा निथिया पिलां म इंडि अन २৮७७ । २৮ जिरू न **डे**माजी लि। श्रुपिताम मतकात নাং, তোড় কোনা

১১ নং মোফনেস সন ১৮ ৬৬।—— জেলা বর্জ মানের প্রীযুক্ত প্রধান সদর খামিন গাংহ্ব ব্রাবরেষু—

মাহমাবর -১৩ দানের ১১নং পাপরের स्मिकष्मा यंश्व मिनेश्व मिनी पत्रथाख कातिनी अ ममलो मानी প্রতিপক্ষ আছে সেইনোকদ্যায় প্রতিপক্ষের সোজার হরিক্তি त्रांश्त अठि भाकत् भाक निदा त निश्वि जाकी नगर दिन ममत शक्ति क्रिक्स प्राप्ति **अरे बिला**टिंब बाता लाश । मे गर्के जेलन्डिंड क्रिडिंग्हे बर्ध

N VA.C

কতার মালিক সন ১৮৩৩ ০০
আগদ্ধ
ত সিল হাজীরা সাক্ষী
তর্ম দিতীয়
উপ্লিতু মণ্ডল
উপ্লে সদর্শির
বিরূপাল
রাম নাপীত
সংচারি জনা মান

विठेक श्रीयूठ (ज्याष्ट्र दिने नार्य ध्यान नम्त आमिन ज्यान श्रील्य वर्षमान नम ३৮ ७७। ७ आगर्थ १क्रम १ हेल स्म माकीनला ज्यान की लुशा जा म 000

लिथिङ की मका पिश्ववि प्रिमी जार छाड़ काना कम्म प्रकाल नामा भग्न मिष्ट कार्य ध्री को आमात बामीत प्रभा भारेवात निमित्य साकल मा कज्न कर्नाएक वन मालि म् भू-रूप ४ मूननी लार कर्त्र रूमान-

क उकील नियुक्त कतियां अकतात क রিতেছি যে উক্ত উকীল গণ আমা র পক্ষে যে কোন এজহার করিবেক ও যে কোন কাগজ আপন ২ দস্ত খ-তে আমারনামে দাখিল করিবেক ও যে কোন দক্ষাবেজ ও কাগজ আদালত হইতে ফ্রেরত লইরেক তাহা আমার স্থায় ক্তের ন্যায় বিবে চনা করা হই বেক এতদার্থে আমি **७२ उकालंड नामा निथिया** पिला-म रेंछि जन २५ ७७।७० जुन इंजामी গ্রীমহেষ বেহারা প্রীকার্ন্তিক বৈরাগ্য মোং বৰ্জমান

मर्म्स्य एक्ता श्वर्तर्ग यक्त मात्रत्र अथाग नम्त आमीन यत्रा यद्य

লিখ্যিং গ্রীপ্রতাপ চৌকীদার ইহার দারা একরার করি তেছি যে পাপরের মোকদ্দমায় যাহাতে কাইতি চৌকির সামীল তোড়কো-ना निवाजी मिशस्त्रित मोजी मत्रश्रास कारिनो के माकी त्वर प्रम्म पानी ও গিরিশ্চন্দ্র সরকার প্রতিবাদী আছে ৩১নং মাতাদীন প্যাদা ৩ কেতা সমন লইয়া আমাদের গ্রা-মে আইনে আমি পাদার হামরা হ গীয়ান্থীলাম বিপক্ষের ও তাহাদের কারপরদাজ ও তাহাদের সহিত

একবাসী বয়:প্রাশু পুরুষ পরিবারের তল্পাদ করায় কাহার দাক্ষাত পাজা তালনা অতএব প্যাদা বিপক্ষ পণের সদর দর জায় নকল দমন লটকাইয়া দিয়াছে হতি সন ১২ ৭৩ ৷২৭ আঘাঢ়

সন্ত মেফ নেস সন্ত ৮ ৩ ৬।

জেলাপুর্বাংশ বর্জমানের গ্রীযুত প্রধান সদ্র আমীন আদালত

टोकी कारेजित मामील छाड़ काना मार नियमि प्रिश्चित प्रिमी एत थास कातिमी विभक्त मन मा प्रिमी १ गितिन्छ भत्रकात मार द्वापु काना टोकी बारेजि माबि ३३३००

बनाम मञ्जला माञी नीतिन्छन नत्रका র পাং তোড় কোনা চৌকী' কাই তি य दश्यक निविष्का जेक मा-वि পाইবার নিমিত্তে ভোমাদের না মে এই মোকদশাউপস্থিত করিয়াছে আর যুনানির দীন আগত সন১৮ ৬৬। ১৭ জ্লাই মোং সন১২,৭৩,1 ২ শ্রাৰণ মঙ্গলবার তারিখেধার্য্য মাছে অতএব এই সমন তোমার হাওয়ালা করিয়া আদেষ করাজায যে শুমি উক্ত ধার্য্য দিবসে অত্যাদা-লত্তে হাজীর হইয়া আপন মো-কদ্মার তদ্বির করিরে নচেৎ নি দ্বারিত নিয়ম গতে মাফীক আই ন আয়লে আসিবেক ইতিসন>৮ ৬৬ ছিলাই

## स् ३.

প্রবল প্রতাপেয়ু

ত্কুমনামা বাহক প্যাদার জ্বানি প্রকাশ পাইতেছে যে সে মপঃস-লে যাইয়া প্রতিপক্ষের তাহাদের মোক্তারের কার পর দাজের ১ থকা-ন্ন বর্তি সাবালগ পুরুষ পরিবার্ র অনুসন্ধান করিয়াছিল কিন্তু কা-হার দেখা নাপাইয়া সমনের ন-কলপ্রত্যেক প্রতি পক্ষের সদর দ্রজায় লটকাইয়া দিয়াঐ র প জ্যারর একরার চৌকীদারের নিকট হইতে লইয়া আসিয়াছে ইতি मन २४-७७। ३२ जुलारे

4692

১১নং মোফল্লেল সরাফাত পানা ত্রীমুনপী কোদর ভল্লা নাজীর আদাল-छ एए अयो कि उत्ता श्वर्वाः न বৰ্ষমন বাফীয় প্ৰাসন্দা দিগম্বরী দাসী নিবে দিকা मञ्जलो पोजी पिश्व क्रिशेश शक যে হেত্তক অগ্রামাকদ্মা मन ১৮ ७७। २१ जुलारे हुज़ाउ বিচারের দীন অবধারিত হইয়াছে অত্তএৰ দ্বিতীয় পক্ষর নামিও আসলও নকল সমন ও কেতা তোমার হাওয়ালা করিয়া লৈখা-জাম যে ভামি উক্ত সমন রিতমত দিতীয় পক্ষর উপর জারি করি

মা তাহার কৈফিয়ত ও জুরে দাখিল করহ ইহাতে তাকীদ জানিবা হতি সম ১৮৬৬।৩ জুলাই

নং ৯২ দাখিল ১৮ জুলাই ১১ নং মোফ-নেস সন ১৮ ৬৬।

মহা মহিম জেলা প্রাণ্শ বর্দ্ধ মানের প্রীয়ত প্রধান সদর আমীন বরা বরেষু লিখিতং প্রীমঙ্গলা দাস্যান কম্ম ওকালত নামা পায় মিদং কার্যন্ধাণে দিগস্থরি দাসী বাদী নি আমি প্রস্তুতির বিরুদ্ধে প্রস্কু র আদালতে নালিস করায় খা-মার পক্ষে বাবু রাথাল দাস স

तकात मुननी एक दोन तिरे प वांत्र পরাণ চক্র नकी वांव রাম ধন प्र-युक्ता अ दक्तनां ये कि धुती यानन পरिक वर्गना ও জবাৰ দীবার নিমি-ত্তে উকীল বাহাল করিয়া একরার করিতৈছি যে উক্ত উকীল গণ আমার পক্ষে যে কোন এজাহার করিবেক ও যে কোন কাগজ আ পন ২ দক্ত শতত আমার নামে দাখি-*ল* করিবৈক ও যে কোন দন্তাবেজ ওকাগজ আদালত হইতে ফেরত ল ইরেন তাহা আমার সীয় হুতের কা য়্বিরেটনা করাজাইরেক ও ওদার্মে আমি वरे उकानउनामा निश्रिश मिनाम रेवि अनऽ५-७७।३**५** जुलारे रेमामी: ৰীপুদিরাম সরকার সাং ভােড় কোনা

A . 20

প্ৰবল প্ৰতাপেষ্—

১৮৬৬ সালের ৭২নং মোকদ্মার শুনানীর দিন অবধারিত পাকায় বদীর কারপরদাজ হারদে বাদীর পক্ষের নিম্ন লিখিত সাকী
গণকে হা জির করিয়াছে এবং খামি তাহাদিগকে অহা রিপোর্ট সহিত
ছজু রের সমুখে হা জির করিছে
ছি ইতি ১৮৬৬। ২৪ সেতম্বর
সাকী গণেরনাম
সাজিব

मधुष्ट्रम्म कर अथद्ग मन्त्री मधुष्ट्रम्म कुष्ट्र जानक (म

রামভারক সেন বিনীমাধৰ মলিক 86 %F

প্ৰবল প্ৰতীপেষু निर्वापन अर्थे त्य १२ नः देए छ शनि মোকর্দমায় প্রতি বাদী মন্ত্রনাদাসীর মানিত ইস্তাহার জারির প্রমাণর নি চের লিখিত সাক্ষীগণকেপ্রতিবাদী নির তরফ মোক্তার হরিশ্চন্দ্র সরকার হাজির আনায় সাক্ষীগণ হজুরে হাজির আশীয়া আপনং দাক্ষ্য আদায় কারণ হজুরে হা-জীর আছে অতএব নিম্নের লিখি-ত সাক্ষীগণকে অহা কৈ ফিয়তের षाता श्जूत शिक्त कतिएं छि গ্রীয়ুত মালিক নিরেদ্ন ইতি ১৮-৩৩।-৮ সেতম্বৰ

अभनीन नाकी

श्रीक्रामधनकर्षकात '३ जीशतार्थन ४

१२नः (म्अग्रानि いりゅういい রোবকারি আদালতে দেওয়ানি रिक्तां श्वरिंगवर्क भान বৈঠক গ্রীয়ুত বাবু গোপীনাপব্যু প্রেখান সদ্রাঘিন রায় বাহাদ্র সন ১৮-৬৬/৩ জানওয়ারি मिगयती पात्री पात्र**ा**त्री বাদী প্রতিবাদী অদ্য এই ঘোকদ্মা উত্তয় পঞ্চের উকিল গণের সাক্ষাৎ দরপেষ হই-ল যে হেন্তক এই মোকর্দমা চুড়া-ন্ত বিচার জন্য এক দীন ধার্য করা আবশাক এমত श्रुप श्रेल

যে এই মোকদ্মার চূড়ান্ত বিচার

क्न आ गठ २५ कान अंगित दीन थार्थ करा कांग्र धवर उंज्य भिटकंद उंकील गण आभन २ म-क्कित्वर भिटक श्रमाणादी मध्यर शक्क भारतन रेठि

・そんりゃ

১৮-৬৬ সালের ৭২নং মোকর্দমায় বাদীনি দিগম্বরি দাসীর
দর পাস্ত

नित्तप्त थहेरा आभि अय जह शहीज प्रिलेस शिल प्रिलेस किरिश्ति । भिन्नि शही थहेर्य प्रिलेस लश्नि भिष्टिल भाभिल इय थहः थहे स्रोकर्लभा थे प्रिलेस पृष्टि दिवान इय नित्रप्त हेलि भीभिति प्रिकारी प्राणि भार क्षा प्रस्तानी

রোবকারি আদালতে দেওয়ানি द्याना श्वर्काः न वर्ष्वमान दिरुक প্রীযুত জেমছ রেনি দাহেব প্রধান সদ্রাঘিন সন ১৮ ৩৩ দাল তারিথ ৩১ আগষ্ট पिशबतिपात्री वाषीन ममलामानी नीः थ्राठवामी गण অদ্য এই মোকর্দ্দদা উত্তয় পক্ষ্যের উকীল গণের সমক্ষ্যায় উপস্থিত रहेशां প্रकाभ इहेल त्य मन्नना प्रिनी দীগর প্রতিবাদীগণ আপনাদের তরফের বর্ণনা পত্র দাঞ্চিলকরিয়া-ছে এমতে ইশু ধার্য করা আক্ত হইয়া নিমের লিখিত ইণ্ড ধার্য হই न । ३ इंख नानिनी जम्म्छी म কল বাদীনির স্বাদীর তেড্টিলি

कि नाज्य विनि जिल्ला भारेबात अधीकाति किना हेि १। প্রতি बाদी गण बामी निक्षां छ-বিক বেদখল করিয়াছে কিনাইতি যে হেন্ড উক্ত ইন্ডা সকলের প্রমাণ উত্তয় পক্ষের স্থাণে ল-ওয়া আৰম্যক (গমটে थ्कूम रहेन त्य उठा भटकते उकी न এক সন্থাহ মধ্যে উক্তইশু সকলের বিশয়ের প্রমাণ দেয় আর এই মোকর্দ্দমা আগত ২৪

**সেত্র্** রবিচার জন্য পেষ হয়

すべると

শ্রীযুক্ত ধর্মাক্তারপ্রবলপ্রভাগের নিবেদন

কলিঙ্গা ষ্টেসনের অন্তর্গত মলুয়াগ্রামের একার মোলা সদাই পরাণ মণ্ডল জমীর আলিগাঙ্গী প্রজাগণ মদ্য দিবা ১১ ঘন্টার সময় অতিময় কাতরাবস্থায় অ-धीरणत निक**रे जेक खेन** न পশ্তিত হইয়া উহারা এবং গ্রাম মজকুরার ও পার্ম্ববর্তী আঘের প্রায় ৬০।৭০ ঘর প্রজা ম্বপরিবারে सर घात धाना ना शाका अयुक २७ দিবস হইতে **উপবাসী আ**ছে। ইদ'লন তাদুশ র্ঘি, না হওয়ায় धानगिष कनन उउमक्ता मा-ক্ষার কারণে মহাজন লোক উ

श्मिशक थानामि कर्फ्ट्रन्रादम्ख्याय ও আগ্রারাভাবে উহারা সপরিবা-त्राधारण नये श्वरात् मखर अ কাশ করিলেক। ধর্মাবতার ইম-जन जापूर्य शानगापि **क**जल नी জিনিবায় অনেক স্থানে ঐরপ घरेना अधिन इउसे अड रुख्या याहेल्डए, प्रश्राप्तन লোক যাহারা চাসীপ্রতংগ্রহ रक थानगि कर्ज पिय़ा २ रके, তাহারাও ফসল অজনা হও য়াত্তে তাহা কর্জু দেওনে প-ताजुभ रहेशोह, ज अवस्त्र रेशंत्रकान मद्रेशांग्र ना उद्देश्य 🛷 বিষ্যতে আহারা ভাবে প্রাণের হানি ও চুরি আদি বেশী হওণের मज्य विश्वास मूलाहिं। एवं निर्विद्याम

**4.** 

१ जुन मानिर नित्नप्त हेि जन १५ ৩৫ সাল ২৫ আকুটাৰর আজাধীন শ্রীপ্রসরকুমার ঘোষ ইনিশেক্টর ডি: বসীর হাট न् ३३ १०१३२ नर १२ नः (५ ७ ग्रो नि नन्रे ७७। एक ला श्वर्काशन **रक्त** प्राप्तत প্রধান সদ্রামিনী আদালতের না জির প্রতি আগে मिगश्रे विमानी प्रमनामामि पिगत अठि वा मी वानीनि ্যে হেন্তক উক্ত মোকদ্মিরসাকী 800

गगः नमने जाति द्रुव्या न द्यु उ হাজির হয়শাই ও এ মোকদমার শুনানির দীন আগামি ২৩ নবম্বর তারিখে ধার্য হইয়াছে অতএব নিচের লিখিত সাক্ষী গণের নামিয় ৬ কেতা ইস্তাহার ভোমা-র হাওলা করিয়া তোমাকে লেখা জায় যে এ পরওনা সাক্ষীগলর উপর জারি করিয়া আপন রিটার-न मिथिन कंत्रिय हे जिनन ३৮ ৩ ৬ / ২ ছ সেতে দ্বর তপসীল গর হাজীর সাক্ষী তর্ফ প্রতিবাদী রামধন চট্টো পাখ্যায় সাংক্রেড়কোনা जीवन हत्वी शाधाय नाः होकी थे হরিশ্চন্দ্র মধ্যোপাখ্যায় नेनान ठटा छु। हार्य

অন্বিকাটরণ কোনা তা নিতাইচরণ সরকার তা

> নং ১০০ ধর্মাবতারেষু

নিবেদন এই ইস্তাহার বাহক প্যাদার বাচনিক এজাহারে প্রকাশ যে সে সপস্থলে গীয়া সেওঁ য়ায় স শ্বর চন্দ্র মুখোপাখায় থৈ ব্যক্তি ম রিয়াছে ও দিননাম্ম **দঁওঁ বেনামে** সঞ্চর পুর গ্রামে লোকনাই তৎসে ওয়ায় বাকীগণের সদ্র দ্রজায় ঐইস্তাহার লটকাইয়া দিয়া আ-শীয়াছে ও প্যাদা মজকুর ঐ হুকু মনামা রীত্রমত জারী হওয়ার বিদ রে গ্রাম্য চৌকীদারের রসীদ সানিয়া एक थे तनीम थ जाती नाक्यश रेखा

शर् थरे ति लाए हैं शर्त के जुत्तर श्रूमें कार्रग प्रत लिंगी क्रिक्टि हि देखि जर ३৮ ७७।२७ नवसर

বৈঠক শ্রীযুত জেমত বেলি
সাহেব প্রধান সদর আমিন
জেলা প্রকংশি বদ্ধান সন১৮
তেলা প্রকংশ বদ্ধান সন১৮
তেলা প্রকংশ বদ্ধান কারণ
থে উচিত প্রক্রম প্রদান কারণ
শ্রীল শ্রীযুত এডিসনল প্রখান সদর
গামিরের সমিপো পাঠান জায়

213